भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने वाली शक्ति : सीतारमण
-12

भारत का डेयरी क्षेत्र पिछले ग्यारह साल में सत्तर प्रतिशत बढ़ा : अमित शाह
-12

संदिग्ध ड्रोन मंडराने के बाद म्यूनिख हवाई अड्डा अस्थाई रूप से बंद
-13

मीराबाई चानू ने विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता
-14

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

23.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी 05:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 4 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 44, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

न्यूज ब्रीफ

एअर इंडिया 60 घरेलू उड़ानों को टी2 पर स्थानांतरित करेगी

नई दिल्ली। एअर इंडिया 26 अक्टूबर से 60 दैनिक घरेलू उड़ानों को दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 (टी2) पर स्थानांतरित करेगी और एअर इंडिया एक्सप्रेस अपनी सभी घरेलू सेवाओं को टी1 पर स्थानांतरित करेगी। एअर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय यात्री क्षमता बढ़ाने के लिए चल रही गतिविधियों के कारण यह समायोजन आवश्यक हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप टी3 पर घरेलू उड़ानों की क्षमता कम हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है और इसमें तीन टर्मिनल- टी1, टी2 और टी3 हैं। पुनर्निर्मित टी2 26 अक्टूबर को फिर से खुलने वाला है। एअर इंडिया दिल्ली से प्रतिदिन प्रस्थान करने वाली अपनी 180 घरेलू उड़ानों में से 60 को उन्नत टर्मिनल 2 पर स्थानांतरित करेगी।

दृष्टि आईएएस पर पांच लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई)-2022 के नतीजों के संबंध में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए दृष्टि आईएएस (वीडीके एडुवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। दृष्टि आईएएस ने अपने विज्ञापन में सफल अभ्यर्थियों के नाम और तस्वीरों के साथ यूपीएससी की सीएसई-2022 में 216 से अधिक विद्यार्थियों के चयन का प्रमुखता से दावा किया था।

वंदे भारत की चपेट में आने से चार की मौत

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले में शुक्रवार तड़के पटरी पार करते समय वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्णिया जंक्शन के स्टेशन प्रबंधक मुन्ना कुमार ने कहा कि यह हादसा सुबह करीब चार बजे कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर हुआ। मुन्ना कुमार ने कहा, लोगों का एक समूह पटरियां पार करने की कोशिश कर रहा था। अंधेरा और आसमान में बादल छाए होने के कारण वे समय रहते तेज गति से आ रही ट्रेन के प्रति सतर्क नहीं हो सके। उन्होंने बताया कि एक मात्र जीवित बचे व्यक्ति को इलाज के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डिजिटल रेडियो की शुरुआत को सिफारिश

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने शुक्रवार को डिजिटल प्रसारण नीति पर सिफारिशें जारी कीं, जिसके तहत एनालॉग एफएम रेडियो चैनल अब उसी फ्रीक्वेंसी पर एक डिजिटल स्तर को जोड़ सकेंगे। 'निजी रेडियो प्रसारणकर्ताओं के लिए डिजिटल रेडियो प्रसारण नीति तैयार करने' संबंधी सिफारिशों में पूरे देश में एक ही प्रौद्योगिकी मानक और 13 शहरों में नयी फ्रीक्वेंसी की नीलामी की बात कही गई है। इस पहल को भारत के एफएम रेडियो के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।

देश हित में सीमा पार कर जाएगा भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ ने पाकिस्तान को चेताया, कहा- भारत की एकता एवं अखंडता सर्वोपरि

हैदराबाद, एजेंसी

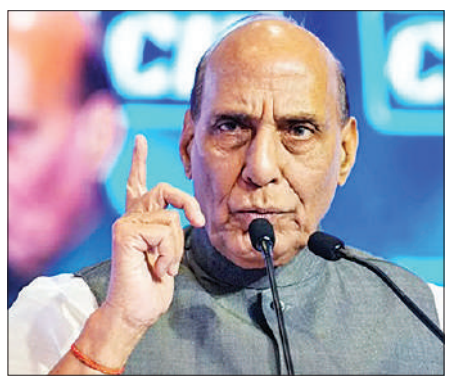

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और हाल में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह दिखा दिया है कि देश अपने नागरिकों की रक्षा और भारत की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है।

सिंह ने जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) द्वारा यहां आयोजित जीतो कनेक्ट में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों को उनके धर्म के आधार पर मार दिया गया लेकिन भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ हमले करते समय किसी को धर्म के आधार पर निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा, सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने के मकसद से आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। हमने वहां किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया। अगर हम चाहते तो हम ऐसा पहले भी कर सकते थे लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार सैन्य और आर्थिक शक्ति बढ़ाने पर जोर प्रभुत्व हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि धर्म, आस्था एवं मानवीय मूल्यों में निहित उन आदर्शों की रक्षा के लिए दे रही है जो भगवान महावीर की शिक्षाओं में प्रतिबिम्बित होते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत के गौरव और सम्मान की बात आती है तो हमने कभी समझौता नहीं किया। मंत्री ने रक्षा निर्यात को लेकर कहा कि जब 11 साल पहले राजग सरकार ने सत्ता संभाली थी तब देश का निर्यात लगभग 600 करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2029 तक यह आंकड़ा 50,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। सिंह ने आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के बढ़ते कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विदेशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है।

- 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 में बालाकोट, अब ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया मुंहतोड़ जवाब
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन द्वारा आयोजित जीतो कनेक्ट को रक्षा मंत्री ने किया संबोधित

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने 12 विमान खोए

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों में एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हुए। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत को नुकसान पहुंचाने के दावे को मनोहर कहानियां बताया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय कार्रवाई में पाकिस्तान में कई सैन्य ढांचों को भी नुकसान पहुंचा, जिनमें तीन स्थानों पर हैंगर, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमान और नियंत्रण केंद्र और दो स्थानों पर रनवे शामिल हैं। वह वार्षिक वायुसेना दिवस से कुछ दिन पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न आतंकवादी समूहों द्वारा अपने ठिकानों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थानांतरित करने की खबरों के बारे में उन्होंने कहा कि यह अपेक्षित था और भारतीय वायु सेना उनके ठिकानों पर सटीक निशाना लगाने के लिए अंदर तक जाकर हमला कर सकती है।

सेना प्रमुख बोले- अगली बार संयम नहीं दिखाएगा भारत

अनूपगढ़/जयपुर। थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश विश्व के मानचित्र पर अपना स्थान बनाए रखना चाहता है तो उसे अपनी धरती से आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देना चाहिए। साथ ही कहा कि नई दिल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो संयम दिखाया था, वह भविष्य में कोई सैन्य संघर्ष होने की स्थिति में दोहराया नहीं जाएगा और उन्होंने भारतीय सैनिकों से कार्रवाई के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। उन्होंने राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए कड़े शब्दों में कहा, भारत एक देश के तौर पर इस बार पूरी तरह तैयार है और वह ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय इस बार नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से काम करेंगे कि पाकिस्तान यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि वह दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है या नहीं। थलसेना प्रमुख ने सैनिकों से कहा कि अभी से पूरी तरह तैयार रहो, अगर ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही मौका आएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए।

- उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

तनाव के बीच जुमे की नमाज सकुशल संपन्न

अलर्ट पर रहे अफसर

बरेली में गश्त करते पुलिस प्रशासन के अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- इमामों ने शांति के लिए की खास दुआ, मस्जिदों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल रहा तैनात

अमृत विचार : हाल ही में हुए तनावपूर्ण हालात के बाद शहर में जुमे की नमाज पूरी तरह से शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। प्रशासन की ओर से एहतियातन सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। मस्जिदों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही, वहीं नमाज अदा होने के दौरान अधिकारियों ने खुद मौके पर मौजूद रहकर स्थिति का जायजा लिया। ड्रोन टीमें भी लगातार नमाजियों पर नजर रखे हुए थीं।

नमाज के बाद मस्जिदों के इमामों ने शहर में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की, जिसे नमाजियों ने बड़े सुकून के साथ सुना। शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा होने के बाद अफसरों ने राहत की सांस ली। जुमे की नमाज को लेकर पुलिस और प्रशासनिक गुरुवार से ही बेहद सतर्क रहा। इंटरनेट की सेवाएं 48 घंटे के लिए निलंबित कराने के साथ ही संवेदनशील इलाकों कोहाड़ापीर, किला, सुभाषनगर, श्यामगंज, इज्जतनगर समेत अन्य स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। जुमे की नमाज सकुशल संपन्न कराने के लिए 9000 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। सोशल मीडिया पर निगरानी को साइबर टीम को अलर्ट पर रखा गया था।

मोदी बुद्धिमान, अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा भारत : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत द्वारा भारी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात किए जाने के कारण पैदा हुए व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए नई दिल्ली से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदने सहित विभिन्न उपाय करने के आदेश दिए हैं। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि वह दिसंबर की शुरुआत में होने वाली भारत की अपनी यात्रा और मेरे मित्र एवं हमारे विश्वसनीय साथी प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी से मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं।

पुतिन दिसंबर की शुरुआत में एक वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे। उन्होंने भारत की राष्ट्रवादी सरकार की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को एक संतुलित, बुद्धिमान और राष्ट्र हितैषी नेता बताया। पुतिन ने कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद बातचीत में सहज महसूस करते हैं। रूस के प्रमुख साझेदारों पर उच्च शुल्क और प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी धमकी के बारे में सवाल किए जाने पर पुतिन ने कहा कि भारतीय लोग यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि उनके देश को उनके राष्ट्रीय हितों एवं प्राथमिकताओं के विपरीत कोई निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाए। उन्होंने कहा, (भारत) कभी किसी को स्वयं को अपमानित नहीं करने देगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं, वह भी ऐसा कोई निर्णय नहीं लेंगे। पुतिन ने दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा एवं भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के अंतर्राष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच को गुरुवार शाम संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के दंडात्मक शुल्कों के कारण भारत को होने वाले नुकसान की भरपाई रूस से कच्चे तेल के आयात से हो जाएगी, साथ ही उसे एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा भी मिलेगी।

- रूसी राष्ट्रपति ने व्यापार असंतुलन कम करने का दिया आदेश, कहा- भारतीय अपमान बर्दाश्त नहीं करते

भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदेगा रूस

व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। पुतिन ने कहा, भारत से अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने रूस सरकार को निर्देश दिया है कि वह भारतीय मित्रों और समकक्षों को इस संबंध में प्रस्ताव देने पर विचार करे कि सहयोग के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र कौन से हैं तथा रूस किस प्रकार व्यापार और अन्य क्षेत्रों में असंतुलन को दूर कर सकता है।

अनिल अंबानी को झटका कोर्ट ने खारिज की याचिका

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक के निर्णय को चुनौती देने वाली उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका को खारिज कर दिया। स्टेट बैंक ने उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाले खातों के रूप में वर्गीकृत किया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है।

- बंबई उच्च न्यायालय ने कहा- याचिका में कोई दम नहीं

एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था और आरोप लगाया था कि उसके द्वारा दिए गए ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन की हेराफेरी की गई है। अंबानी ने उच्च न्यायालय का रुख करते हुए तर्क दिया कि बैंक ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया है क्योंकि उसने उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया।

मूर्ति विसर्जन

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में दुर्गा पूजा उत्सव के अंत में देवी दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन करते लोग। एजेंसी

पीओके में निर्दोष प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता बंद करे पाकिस्तान : भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- पीओके भारत का अभिन्न अंग, पाक को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई की भारत ने कड़ी आलोचना की है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे विरोध और अशांति, इस्लामाबाद द्वारा दशकों से किए जा रहे शोषण और दमन का नतीजा है। भारत ने दोहराया कि यह क्षेत्र उसका अभिन्न हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसक कार्रवाई की निंदा की और पाकिस्तान को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराने की मांग की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के कब्ज़े वाले जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों से विरोध प्रदर्शनों की खबरें आई हैं, जहां पाकिस्तानी सेना ने निर्दोष नागरिकों पर बर्बर कार्रवाई की है। मंत्रालय का कहना है कि यह स्थिति पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और पीओके से लगातार संसाधनों की लूट का स्वाभाविक नतीजा है।

सीबीआई ने 3.5 लाख की रिश्वत लेते अधिकारी पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने रक्षा लेखा महानियंत्रक के एकीकृत आर्थिक सलाहकार (आईएफए) के एक अधिकारी को वायुसेना केंद्र पर सीसीटीवी लगाने के आपूर्ति आदेश को मंजूरी देने के लिए कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

सीसीटीवी कंपनी के मालिक ने सीबीआई से संपर्क कर दावा किया कि एकीकृत वित्तीय सलाहकार (आईएफए), रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए), गांधीनगर (गुजरात) के लेखा परीक्षक/कार्मिक अशोक कुमार जादव और वायुसेना के एक हवलदार ने 2.5 करोड़ के कुल अनुबंध आदेश को मंजूरी देने के लिए चार लाख, यानी करीब 2 प्रतिशत की रिश्वत मांगी थी। सीबीआई ने सत्यापन किया, लेकिन हवलदार ने फोन का जवाब नहीं दिया। व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत रिकॉर्डिंग में उसकी भूमिका स्पष्ट थी। सीबीआई ने जाल बिछाकर जाधव को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेश में 9 अक्टूबर तक गरज चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

लखनऊ में बारिश से भीगते लोग।

- पूर्वी और पश्चिमी यूपी में पहला सप्ताह भारी बारिश व ओलावृष्टि के बीच गुजरेगा
- पश्चिमी व पूर्वी उप्र. में बिजली चमकने के साथ 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की आशंका

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में आने वाले दिनों में जोरदार बारिश कर ही मॉनसून वापसी करेगा। मौसम विभाग की ओर से 9 अक्टूबर तक गरज चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को पश्चिमी उप्र. में कुछ स्थानों पर और पूर्वी उप्र. में अनेक स्थान पर बारिश व गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं।

राज्य में 6 अक्टूबर तक पूर्वी यूपी में भारी बारिश और 6-7 अक्टूबर को पश्चिमी यूपी में भारी बारिश व ओलावृष्टि का अलर्ट है। 9 अक्टूबर से फिर मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। दरअसल, बंगाल की खाड़ी पर बने सिस्टम के प्रभाव से 5 अक्टूबर तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। पूर्वी उप्र. के कई जिलों को 5 अक्टूबर को ऑरेंज अलर्ट और 4 अक्टूबर को कुछ जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 6 अक्टूबर को पश्चिमी उप्र. में ओलावृष्टि, 6-7 अक्टूबर को कई जगहों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। अक्टूबर के पहले सप्ताह के बाद प्रदेश में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रीय वितरण में कमी आ सकती है।

जनसुनवाई | मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचर : शारदीय नवरात्र और विजयदशमी पर्व के धार्मिक कार्यक्रमों में व्यस्त रहने के बावजूद मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया व त्वरित, संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और उसकी सहायता सुनिश्चित करें। जमीन-जायदाद से जुड़े विवादों में अवैध कब्जाधारियों पर कड़ी कार्रवाई करने और पारिवारिक विवादों का आपसी संवाद से समाधान कराने के निर्देश दिए। इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने वाले भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार पूर्ण सहयोग करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इलाज से जुड़े मामलों की प्रक्रिया तेजी से पूरी कर शासन को उपलब्ध कराई जाए। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को मुख्यमंत्री ने पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और उन्हें चॉकलेट देकर आशीर्वाद दिया।

गोरखनाथ में जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

आज भी मौजूद हैं रामायण व महाभारत के खल पात्र

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज को बांटने वाली, सुरक्षा पर खतरा पैदा करने वाली ताकतें हर कालखंड और परिस्थिति में विद्यमान रही हैं। सनातन की एकता के बल पर उनका संहार किया जाता रहा है। रामायण और महाभारत के खल पात्र आज भी बदले नामों और रूप में मौजूद होकर समाज को बांटने में लगे हैं। ऐसे लोगों से हर सनातन धर्मावलंबी को सतर्क रहना होगा। योगी विजयदशमी पर्व पर मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित कर रहे थे। कहा कि भले ही नाम बदल गया होगा लेकिन रामायण और महाभारत काल के दुष्ट पात्र दूसरे रूप में आज भी मौजूद हैं। आज भी समाज शूर्पणखा, ताड़का, खर दूषण, मारीच और सुबाहु जैसे लोगों से त्रस्त है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दुर्वासा आश्रम के लिए एक करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने आजमगढ़ स्थित दुर्वासा ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास को स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना अंतर्गत इसके लिए लगभग एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जारी बयान में बताया कि दुर्वासा ऋषि आश्रम के आसपास पर्यटक सुविधाओं के विकास से आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पर्यटकों के लिए न केवल आस्थामय वातावरण तैयार होगा, बल्कि पूर्वांचल क्षेत्र में पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह आश्रम मुख्यालय से 40 किमी दूर तमसा एवं मंजूषा नदी के संगम पर स्थित है। महर्षि दुर्वासा 12 वर्ष की आयु में चित्रकूट से आकर यहां कई वर्षों तक साधना की।

एएसजीआई प्रॉपर्टीज पर एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने प्रमोटर एएसजीआई प्रॉपर्टीज प्रा. लि. के खिलाफ गंभीर धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के मामले में ग्रेटर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में एफआईआर दर्ज कराई है। कार्रवाई रेरा मुख्यालय लखनऊ से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर की गई है। प्राधिकरण को शिकायत मिली की संबंधित प्रमोटर ने अपनी परियोजना एप्पल टावर एस-2ए और एस-2बी से जुड़े आवंटियों और वित्तीय बैंकिंग संस्थानों को गुमराह करने के लिए एक कथित फर्जी आदेश प्रस्तुत किया है। यह आदेश 3 मार्च 2025 दर्शाते हुए बैंकों को दिया गया था, ताकि अवैध रूप से ऋण प्राप्त किया जा सके। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आदेश रेरा द्वारा जारी नहीं किया गया था। प्रमोटर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पूरी तरह कूटरचित और अवैध पाए गए। प्राधिकरण की ओर से मुकदमा अवर अभियंता रमेश कुमार पांडेय ने दर्ज कराया है।

बालिकाओं के लिए ड्राइविंग माय ड्रीम्स शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 के तहत शुक्रवार को प्रदेश भर में अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत 'ड्राइविंग माय ड्रीम्स' कार्यक्रम से हुई। महिला एवं बाल विकास विभाग की इस अभिनव पहल ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नया आयाम दिया। पहले दिन ही 3 हजार से अधिक बालिकाओं ने पंजीकरण कराया, जबकि लक्ष्य 7,500 बालिकाओं को निशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण देने का है। यह पहल केवल वाहन चलाना सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास देने का मंच है। हर जिले से 100 बालिकाओं का चयन कर उन्हें सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक संकेत, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

21.5 लाख से अधिक मिले सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ चलाए जा रहे समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान को जनता का व्यापक सहयोग मिल रहा है। अब तक इस अभियान को 21.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 16.5 लाख सुझाव ग्रामीण क्षेत्रों से और लगभग 5 लाख सुझाव शहरी क्षेत्रों से आए हैं। 10 लाख से ज्यादा युवाओं ने दिया अपना सुझाव दिया है। जिलों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने भ्रमण कर छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, उद्यमियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया और आम जनता से संवाद स्थापित किया है।

पंचायत चुनाव में भी फंसेगा आरक्षण का पेंच

निकाय चुनाव में फंसा था ओबीसी आरक्षण का मामला, फिर हाईकोर्ट पहुंची थी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव की तरह पंचायत चुनाव में भी ओबीसी आरक्षण का पेंच फंस सकता है। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण संबंधी संस्तुति के लिए समर्पित आयोग का गठन अभी तक न हो पाने के कारण पंचायत चुनाव टलने की स्थिति भी बन सकती है। दरअसल, अगले साल अप्रैल-मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने से पहले ओबीसी आरक्षण फार्मूला जारी करना होगा। याद हो, निकाय चुनाव के समय भी यह आरक्षण वाला पेंच फंसा था, जिसपर सरकार को कोर्ट जाना पड़ा था।

गौरतलब है कि उप्र. विधानसभा चुनाव 2027 से पहले 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं, लेकिन अभी तक पिछड़ा वर्ग के आरक्षण संबंधी संस्तुति के लिए समर्पित आयोग का गठन नहीं हो सका है। ऐसे में निर्धारित समय पर चुनाव न होने के आसार हैं। इस आयोग ने अगर भविष्य में अपनी सिफारिशें देने में छह महीने का समय लगाया तो उप्र. पंचायत चुनाव तय समय पर नहीं हो सकेंगे।

26 मई, 11 जुलाई और 19 जुलाई को ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों कार्यकाल खत्म हो रहा है। ऐसे में अगले साल अप्रैल-मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं। उससे पहले नगर निकाय चुनाव की तरह ओबीसी आरक्षण के लिए इस चुनाव में भी फार्मूले को सार्वजनिक करना होगा और इसके लिए समर्पित अन्य पिछड़ा आयोग का गठन करना पड़ेगा। आयोग प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आर्थिक, शैक्षिक स्थिति के साथ-साथ राजनीतिक स्थिति पर अपनी रिपोर्ट यूपी सरकार को देगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि उनको क्या वास्तव में आरक्षण की जरूरत है।

विकास कार्यों में गड़बड़ी की शिकायतें तेज

हालांकि, ग्राम पंचायतों में प्रधानी के दावेदार अपनी तैयारी में जुट गए हैं। गांव-गांव में वो अपने वोटरों को लुभाने में अभी से जुटे हुए हैं। इसी बीच पंचायत चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे गांवों की शिकायतों ने शहर की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। बीडीओ से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों के पास गांवों के विकास कार्यों में गड़बड़ी की शिकायतें हो रहीं हैं। पंचायत चुनाव के संभावित प्रत्याशी मौजूदा ग्राम प्रधान पर तमाम आरोप लगा रहे हैं। दर्जनों शिकायतें राजधानी में बैठे अफसरों तक पहुंच रही हैं।

क्या हुआ था निकाय चुनाव में

उत्तर प्रदेश की 760 नगर निकायों में नगर निगम के मेयर, नगर पालिका-नगर पंचायत के अध्यक्ष और पार्षद के लिए पिछले साल दिसंबर में ही चुनाव कराए जाने की तैयारी थी। राज्य सरकार ने निकाय चुनाव के लिए सीटों का आरक्षण भी जारी कर दिया था, लेकिन आरक्षण को लेकर मामला हाईकोर्ट में चला गया था। बाद में सरकार ने रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय ओबीसी आयोग का गठन किया था, जिसने अपनी सर्वे रिपोर्ट सरकार को सौंपी और कोर्ट ने भी स्वीकार कर लिया। इसी के बाद चुनाव आयोग ने निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी थी।

1000 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा पीएम मित्र पार्क

लोकभवन में समीक्षा बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 730 एकड़ लखनऊ और 270 एकड़ हरदोई में एरिया शामिल
- 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश
- एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार संभव

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मित्र मेगा टेक्सटाइल और परिधान पार्क (पीएम मित्र पार्क) उत्तर प्रदेश में 1000 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है। इसमें 730 एकड़ लखनऊ और 270 एकड़ हरदोई शामिल हैं। पार्क के पूरा होने पर 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है, जिससे 1 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए 'पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लि. नाम से एसपीवी का गठन किया गया है, जिसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की तथा 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोकभवन में योजना की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में योजना की प्रगति पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के विभिन्न चरणों को तीव्र गति दी जाए। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जो न केवल स्थानीय रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, बल्कि देश के वस्त्र निर्यात को भी मजबूती देगा।

5,120 करोड़ के मिले निवेश प्रस्ताव

- प्रदेश सरकार के हथकरघा एवं वस्त्र विभाग को पीएम मित्र पार्क, लखनऊ में निवेशकों की ओर से कुल 5,120 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 95 औद्योगिक इकाइयों ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं तथा कुल भूमि की मांग 567 एकड़ तक पहुंच गई है।

अस्पतालों में सेवाओं की हो नियमित निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, साफ-सफाई और आपातकालीन सेवाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा टेली-मेडिसिन, ई-हॉस्पिटल सेवाओं और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को सुदृढ़ किया जाए ताकि दूरदराज़ के क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंच सकें।

राष्ट्रपिता की याद में...

गांधी जयंती पर लखनऊ स्थित गांधी आश्रम खादी ग्रामोद्योग भवन परिसर में चरखा चलाते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

एनसीआरबी रिपोर्ट पर भाजपा ने डाला पर्दा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि झूठे आंकड़े बनाने और अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने में भाजपा का कोई जवाब नहीं। अभी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने अपराध के जो आंकड़े दर्ज किए हैं, उसमें उत्तर प्रदेश हत्या, अपहरण, महिला अपराध में नंबर वन है। दलितों के प्रति अपराध में प्रदेश नंबर एक पर है। लेकिन भाजपा ने सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी दिखा दी। बीते 2012 और 2017 तक पांच-पांच वर्ष के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए प्रदेश में अमन शांति होने का ढिंढोरा पीटा है।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिला अपराध दर मामलों में सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए हैं। वर्ष 2023 में प्रदेश में 223 बच्चों की हत्या, 19 की बलात्कार के बाद हत्या, 8160 बच्चों का अपहरण हुआ। साथ ही दहेज हत्या के 2141 मामले, महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 15074 मामले सामने आए।

बरेली जाएगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार : बरेली में 26 सितंबर 2025 को घटित अप्रिय घटना को लेकर सपा के लोग जिला प्रशासन को ज्ञापन देंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 4 अक्टूबर दिन शनिवार को बरेली पहुंचेगा, जहां पुलिस की पिटाई, सीज हो चुके चार बारात घर, ढहाए गए मकानों एवं दुकानों को बुलडोजर द्वारा ढहा दिया गया है। पुलिस द्वारा तीन लोगों का हाफ एनकाउंटर कर दिया गया है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवारों से मिलेगा, उनकी समस्याओं के निदान के लिए बरेली डीआईजी और कमिश्नर से मिलकर, उनकी समस्याओं के निदान की मांग करेगा। प्रतिनिधिमंडल में सांसद हरेन्द्र मलिक, इकरा हसन समेत पांच सांसद व दो पूर्व सांसद आदि शामिल रहेंगे।

विद्यालयों में मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत पूरे प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण शुरू कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने इसके लिए प्रशिक्षण प्रदाताओं को लक्ष्य आवंटित किए हैं। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्रदाता नियमानुसार प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करें और 20 अक्टूबर 2025 तक प्रशिक्षण बैच प्रारंभ करें।

प्रशिक्षित होंगे आईएएस अफसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 27 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होगा नई दिल्ली के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में तीसरा 'इन-स्टेप'
- डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक विकास व विकसित यूपी की योजना में मिलेगी मदद

अमृत विचार : देशभर के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय और रणनीतिक सोच से प्रशिक्षित करने के लिए भारत सरकार का कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तीसरा इंटरनेशनल स्ट्रैटेजिक एंगेजमेंट प्रोग्राम आयोजित कर रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 अक्टूबर से 8 नवम्बर 2025 तक राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली में होगा। इसे लेकर कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज ने यूपी से प्रशिक्षण के लिए शीर्ष अधिकारियों के नामों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू की है। प्रदेश से दो से तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के नाम केंद्र को भेजे जाएंगे।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को वैश्विक सुरक्षा, कूटनीतिक नीतियों और रणनीतिक नीति-निर्माण की गहरी समझ प्रदान करना है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने 'विकसित यूपी @2047' के विज़न को लेकर जिन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, उनमें डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक निवेश, आपदा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रमुख हैं। ऐसे में यूपी कैडर के अधिकारी इस प्रशिक्षण से सीधे लाभान्वित होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनुभव राज्य की योजनाओं में वैश्विक दृष्टिकोण जोड़कर नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

रणनीतिक सोच से विकास को गति

यूपी में तेजी से बढ़ते विदेशी निवेश और औद्योगिक परियोजनाओं की सफलता के लिए प्रशिक्षित अधिकारी नई नीतियों में रणनीतिक सोच और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश करेंगे। साथ ही, डिफेंस कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना को नई ऊर्जा मिलेगी।

देवीपाटन मंडल में महिलाओं की होगी विशेष जनसुनवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद से बेटियों के सर्वांगीण विकास की अनूठी पहल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत देवीपाटन मंडल में महिलाओं और बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनूठी पहल मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद शुरू की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में मंडल मुख्यालय पर हर सोमवार दोपहर 12 से 2 बजे तक महिलाओं और बेटियों की विशेष जनसुनवाई होगी।

इस कार्यक्रम को तीन हिस्सों में बांटा गया है- जनसुनवाई, सम्मान और सशक्तिकरण। महिला अधिकारी और कर्मचारी प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निस्तारण करेंगी। इसके साथ ही महिला हेल्प डेस्क भी बनाई गई है, जहां मोबाइल कॉल और व्हाट्सएप के जरिये शिकायतें दर्ज होंगी। कार्यक्रम का दूसरा हिस्सा सम्मान है, जिसमें विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान में सर्वश्रेष्ठ फीडबैक देने वाली महिलाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बेटियों को मंडल स्तर पर सम्मानित कर ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा। तीसरे हिस्से सशक्तिकरण में इन महिलाओं को कौशल विकास, स्वयं सहायता समूह और विभिन्न योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत रामनवमी पर हुई। देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि यह पहल महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उनके सपनों को पंख देने का माध्यम बनेगी।

'संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो' के साथ की कदमताल

शताब्दी वर्ष के उद्घाटन अवसर पर लखनऊ समेत प्रदेशभर में स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लखनऊ विभाग में 72 स्थानों पर संघ के गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। शताब्दी वर्ष के प्रथम कार्यक्रम विजयादशमी के दिन पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवकों में काफी उत्साह देखने को मिला। संचलन गीत 'संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का वह काम सब किये चलो' की पंक्तियां दोहराते हुए स्वयंसेवकों ने संचलन पूरा किया। कई बस्तियों में घोष दल के साथ स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला। स्थानीय नागरिकों ने संचलन में शामिल स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

संघ शताब्दी वर्ष के प्रारंभ होने की पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं के साथ शोभायात्रा में शामिल सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले।

इस दौरान राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का भी सानिध्य मिला। उन्होंने पूर्व संध्या पर आयोजित संघ प्रदर्शनी का उद्घाटन और अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मां भारती के उद्घोष के साथ ही सभी कार्यकर्ताओं ने होसबाले की मौजूदगी में जय श्रीराम विजयदशमी शोभायात्रा को सफल करने का प्रण भी लिया।

वहीं, राजधानी की आनंद नगर की पटेल बस्ती के पथ संचलन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रांत के विशेष संपर्क प्रमुख प्रशांत भाटिया पथ संचलन में शामिल हुए। लक्ष्मण नगर में भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री घनश्याम शाही और विश्वेश्वर बस्ती में पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वयंसेवकों के साथ पथ संचलन किया।

रणनीति

भाजपा ने मैदान में उतारी यूपी के दिग्गज नेताओं की फौज

योगी फैक्टर से बदलेगा बिहार का चुनावी माहौल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। उत्तर प्रदेश के मंत्रियों, सांसदों और संगठन के दिग्गज नेताओं की तैनाती के बाद अब भाजपा का सबसे बड़ा दांव है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैलियां। पार्टी को पूरा भरोसा है कि योगी के करिश्माई व्यक्तित्व, उनकी आक्रामक शैली और जनता से सीधे जुड़ाव का असर बिहार की सियासत में गहरा पड़ेगा। विपक्ष की जातीय गोलबंदी पर योगी का हिंदुत्व और विकास का संतुलित संदेश भारी पड़ेगा।

भाजपा के रणनीतिकार मानते हैं कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व और विकास के मुद्दों पर चुनावी हवा बदलने में माहिर साबित हुए हैं, वही जादू अब बिहार में भी देखने को मिलेगा। योगी की रैलियां युवाओं और पहली बार वोट देने वाली पीढ़ी को विशेष रूप से आकर्षित करती हैं। पार्टी की योजना है कि योगी की सभाओं को बिहार के हर बड़े इलाके में इस तरह फैलाया जाए कि उनका प्रभाव कई विधानसभा सीटों तक पहुंचे। हाल ही में योगी का आई लव मोहम्मद और गजवा-ए-हिंद के खिलाफ आक्रामक रूख बिहार की राजनीति में हिंदू मतों के ध्रुवीकरण का संदेश भी है। भाजपा मानती है कि योगी की सभाएं न केवल हिंदुत्व वोट बैंक को संगठित करेंगी, बल्कि कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगी। बिहार में पहली बार वोट देने वाली नई पीढ़ी, छात्र और महिलाएं योगी के संदेशों से खासा प्रभावित हो सकती हैं।

भाजपा की रणनीति : भाजपा का मकसद साफ है कि स्थानीय समीकरणों को साधने के साथ योगी फैक्टर का लाभ उठाना। यूपी के नेताओं की आक्रामक शैली और जमीनी जुड़ाव के साथ जब योगी आदित्यनाथ की रैलियां जुड़ेंगी तो पार्टी को उम्मीद है कि विपक्ष की रणनीति ध्वस्त हो जाएगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, बिहार की जनता योगी को सिर्फ के तौर पर नहीं देखती, बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में देखती है, जो राष्ट्रवाद और विकास दोनों का प्रतीक हैं।

इन नेताओं को मिली जिम्मेदारी

भाजपा ने बिहार चुनाव में यूपी के नेताओं की पूरी फौज उतारी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सह प्रभारी बनाया गया है। स्वतंत्र देव सिंह को आरा, महेंद्र सिंह को मिथिला-तिरहुत, सतीश गौतम (सांसद) को बक्सर, मोहित बेनीवाल (एमएलसी) को किशनगंज का जिम्मा मिला है। दयाशंकर सिंह को प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ 48 सीटों का समन्वय सौंपा गया है। इसके अलावा महेश शर्मा, भोला सिंह, राजकुमार चाहर, राघव लखनपाल, सुब्रत पाठक जैसे दिग्गज सांसद बिहार में प्रचार करेंगे।

युवाओं को कर्ज देने में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में आजमगढ़ को दूसरा व कौशांबी को तीसरा स्थान

अमृत विचार : युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू किया गया मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पूरब के युवाओं की किस्मत बदल रहा है। आवेदन और लोन लेकर कारोबार शुरू करने में जौनपुर अव्वल आया है, जबकि आजमगढ़ को दूसरा व कौशांबी को तीसरा स्थान मिला है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले 6 माह में 2.55 लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 2.08 लाख आवेदनों को बैंकों को भेजा गया, जिनमें से 64,673 को स्वीकृति मिली और अब तक 63,009 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में 1.5 लाख युवाओं को लोन देने का लक्ष्य रखा है, लेकिन आधे साल में ही रिकॉर्ड आवेदन इसका संकेत हैं कि योजना युवाओं को तेजी से आकर्षित कर रही है। जौनपुर में 2,003 युवाओं को लोन वितरित किया गया है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार, विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकर्स से जोड़ा जा रहा है। आजमगढ़ लगातार दूसरे स्थान पर है। यहां जिला प्रशासन ने ब्लॉक स्तर पर वर्कशॉप और बैंक-आवेदक काउंसिलिंग के जरिये युवाओं को योजना का लाभ दिलाया। जिले को 2,250 का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष 6 माह में 5,112 आवेदन आए और 1,859 युवाओं को लोन वितरित हुआ। कौशांबी तीसरे स्थान पर है, जहां 6,984 आवेदन में से 1,185 युवाओं को लोन दिया जा चुका है। इसके अलावा अंबेडकरनगर, झांसी, सिद्धार्थनगर, हरदोई और रायबरेली का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान प्रदेश के युवाओं को केवल रोजगार उपलब्ध नहीं करा रहा, बल्कि उन्हें मजबूत उद्यमी बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

फोन पर पत्नी से विवाद के बाद लगाई फांसी

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के फतेपुर में पत्नी से फोन पर विवाद के बाद पति ने घर में फांसी लगा जान दे दी। फतेपुर निवासी अशोक पाल उर्फ ननके पुत्र सुंदरलाल ब्रहस्पतिवार को फतेपुर मे रखी देवी प्रतिमा के विसर्जन कार्यक्रम मे गया था। मनकी हमीरपुर रोड़ मोड़ तक विसर्जन में शामिल होकर फोन पर पत्नी से बात कर घर चला गया। इसके बाद घर के कमरे मे फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। विसर्जन के बाद घर पहुंचे परिजनो को घटना की जानकारी हई। मृतक अशोक के पिता सुंदरलाल पाल की फौती लिखित सूचना पर पुलिस ने शव को शील कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। घटना के पीछे रहे कारणों की जांच की जा रही है।

आमने-सामने टकराईं बाइकें, 6 लोग घायल

रसूलाबाद। विजयादशमी शाम लगभग 7 :30 बजे निचली रामनगर नहर रोड पर लालू व लाला भगत के मध्य दो बाइक सवार लोगों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें छह लोग घायल हो गए। इनमें चार की दशा गंभीर होने के कारण उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया गया है। घायलों में डोमापुर रसूलाबाद निवासी आशीष कुमार 17, गीतम सिंह 18 और सूरज 17 रसूलाबाद से मेला देखकर घर लौट रहे थे। दूसरी बाइक पर सवार ओरिया खलकपुर निवासी कैलाश 35 एवं सैलहा शिवराजपुर निवासी राजकुमार 40 व रामविलास और जोत निवासी आसाराम रिश्तेदारी से लौट रहे थे। इन दोनों बाइकों की नहर रोड पर लाला भगत और लालू के मध्य आमने-सामने टक्कर हो गई जिससे सभी लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर पुलिस तत्काल सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी रसूलाबाद लायी। जहां डॉ बृजेश कुमार ने आशीष, गीतम सिंह, कैलाश और रामकुमार की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया है।

सभी ने सराहा राजा जनक का अभिनय

रसूलाबाद। धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में चल रहे वार्षिक महा महोत्सव में धनुष भंग की लीला हुई। इस दौरान राजा जनक का अभिनय देख दर्शक भावुक हो उठे। परशुराम व लक्ष्मण के बीच हुए विद्वता पूर्ण संवाद सुन दर्शक रोमांचित हो उठे। इसके पूर्व अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए आयोजित धनुष भंग यज्ञ में जब सभी राजा धनुष भंग नहीं कर सके तो जनक में विलाप किया। उनके करुणार्द विलाप को देखकर दर्शक द्रवित हो गए। बाद में जनक के यह कहने पर कि वीर विहीन मही मैं जानीष् लक्ष्मण जी क्रोधित हो उठे तब भगवान राम ने इशारे से उन्हें रोका और विश्वामित्र से आज्ञा लेकर धनुष का भंजन किया। मंच संचालन डॉ अशोक भदौरिया ने किया। संजय मिश्रा, बउवन चौरसिया, उमेश गुप्ता, लपका गुप्ता, महेंद्र यादव, राम दर्शन पांडेय ,महेंद्र श्रीवास्तव, विनोद कुमार गुप्ता आदि रहे।

अराजकता फैलाने वालों पर रहेगी नजर

कानपुर देहात। दशहरा मेला एवं दीपावली पर्व को लेकर सुरक्षा-बचाव की एडवायजरी जारी की गई है। लोगों से त्योहारों में पूर्ण सतर्कता बरतने और सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन पर्वों के दौरान भीड़भाड़, पटाखों के प्रयोग तथा अस्थायी पंडालों के निर्माण के कारण आगजनी एवं अन्य दुर्घटनाओं की संभावना रहती है। इसलिए आवश्यक है कि सभी नागरिक प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के स्थान से पर्दे जैसे ज्वलनशील पदार्थ दूर रखें। दीया व मोमबत्ती सुरक्षित स्थान पर सजाएं। बिजली की झालर से बोर्ड पर अतिरिक्त भार न डालें और शॉर्ट सर्किट की संभावना से विशेष रूप से बचें।उन्होंने कहा कि पटाखों को सदैव वयस्क व्यक्ति की देखरेख में रखें और घर में पटाखे चलाते समय पानी की बाल्टियाँ एवं अग्निशमन सामग्री तैयार रखें। झुग्गी-झोपड़ी और भूसे के ढेर पर दिन-रात निगरानी की व्यवस्था की जाए। नागरिक मोटे और सूती कपड़े पहनें, ढीले या सिंथेटिक कपड़ों से बचें। पटाखों की दुकानों को केवल प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थल पर ही स्थापित किया जाए और उनके मध्य न्यूनतम तीन मीटर की दूरी हो। अस्पताल, स्कूल, बाजार, पूजा स्थल, रेलवे लाइन और बिजली की हाईटेंशन तारों से कम से कम 50 मीटर की दूरी अनिवार्य है। दुकानों पर धूम्रपान निषेध का बोर्ड तथा अग्निशमन केन्द्र के नंबर 112, 9454418416, 9454418415 कृ लाल रंग में अंकित होना चाहिए।

रावण का अंत, प्रभु राम की जयकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयदशमी पर्व जिले भर में धूमधाम के साथ मनाया गया। जगह-जगह प्रभु श्रीराम और लंकाधीश रावण के बीच युद्ध की लीला का मंचन हुआ। रावण की नाभि में तीर लगते ही विशालकाय पुतलों में आग लगी। भव्य आतिश बाजी भी हुई। इस दौरान मेलों में भारी भीड़ रही। हालांकि दो-तीन दिन से बरसात के कारण लीला और मेला स्थलों पर थोड़ी-बहुत अव्यवस्था भी देखने को मिली।

अकबरपुर की ऐतिहासिक रामलीला में दशानन वध का मंचन लंकापुरी मैदान पर हुआ। 154 वर्ष पुरानी इस रामलीला के मंचन के लिए खास तैयारियां की गई थीं। भव्य साज-सज्जा थी। दूर-दूर के दुकानदार भी मेले में आए। इस बीच हुई बरसात ने काफी काम बिगाड़ा। गुरूवार को दोपहर तक पानी गिरा। आयोजकों की पेशानी पर पसीना था। हालांकि नगर पंचायत प्रशासन ने पूरी ताकत झोंकते हुए लीला के मंचन लायक मैदान तैयार कर दिया। अच्छा यह भी रहा कि दोपहर को बंद हुआ पानी फिर देर रात तक नहीं गिरा। लीला में प्रभु राम और रावण के बीच युद्ध का मंचन हुआ। दर्शकों को अच्छे संवाद सुनने को मिले। युद्ध के उपरांत रावण का वध हुआ और फिर पुतलों को आग के हवाले कर दिया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी, पूर्व विधायक विनोद कटियार, डीएम कपिल सिंह, एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय भी परिवार के साथ पहुंचीं।

अकबरपुर की ऐतिहासिक रामलीला में हुआ राम-रावण का युद्ध। अमृत विचार

धू-धू कर जलता रावण का पुतला।

राजपुर में अहिरावण के बाद रावण का हुआ वध, बनेगा पक्का पूजा पंडाल

- **राजपुर।** शुक्रवार को कस्बा राजपुर मे रामलीला महोत्सव के आखरी दिन पहुंचे राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल ने प्रभु श्रीराम व लखन की पहली आरती की। उन्होंने रामलीला मंच के बगल मे माँ दुर्गा का पांडाल पक्का बनवाने का आश्वासन दिया। आखिरी दिन मेघनाथ वध,कुम्भकरण वध,अहिरावण वध व रावण वध का मंचन किया गया। इसके उपरांत रावण के पुतले को दहन किया गया। रात को भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया गया। रामलीला परिसर में करीब 37 फीट ऊंचा रावण का पुतला बना था। सीओ प्रिया सिंह व थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बच्चो को रावण के पुतले से दूर रहने के लिए निर्देशित किया।

अंगद का पैर नहीं हिला सके योद्धा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बाल कलाकारों द्वारा अभिनीत की जाने वाली कहिंजरी की 10 दिवसीय रामलीला में अंगद रावण संवाद का मंचन देख दर्शक रोमांचित हो उठे। इससे पूर्व भीखदेव कहिंजरी बाजार की रामशाला से प्रभु श्री राम, माता सीता सहित विभिन्न देवी-देवताओं के रूप में सुशोभित बाल कलाकारों की रथ शोभायात्रा ढोल-ताशों के साथ निकाली गई।

नन्हें कलाकारों के अभिनय ने भाव विभोर कर दिया। रावण-अंगद संवाद की लीला प्रभु राम की आज्ञा से बाली पुत्र अंगद के लंकापुरी पहुंचने से शुरू हई। लंका जाकर अंगद हर तरह से रावण को समझाते हैं और माता सीता को श्री राम को सौंपने का आग्रह करते हैं, लेकिन अहंकारी रावण के न मानने पर अंगद अपना सभा में पैर जमा देते हैं और कहते हैं कि अगर यह पैर आपके किसी योद्धा ने हटा दिया तो मैं अपने प्रभु श्रीराम की तरफ से माता सीता को हार जाऊंगा। कोई योद्धा उनका पैर हिला तक नहीं सका। तब रावण खुद उनके पैर उठाने के लिए सिंहासन से उठा तो अंगद ने स्वयं ही पैर हटा लिया और कहा कि हे! दशानन मेरे पैर क्या पकड़ता है, अगर पैर पकड़ना ही है तो प्रभु श्रीराम के पकड़ो, जहां से तुम्हारा उद्धार होगा।

अंगद-रावण संवाद में वाक्पटुता सुन दर्शक चहकते रहे। इससे पूर्व भीखदेव कहिंजरी बाजार रामशाला से प्रभु श्रीराम, माता सीता सहित विभिन्न देवी-देवताओं के रूप में सुशोभित बाल कलाकारों की शोभा यात्रा कस्बे में भ्रमण करते हुए लंकापुरी मेला मैदान पहुंची, जहां सभी मूर्तियों को उनके अपने स्थान पर सुशोभित किया गया। मेला मैदान पहुंची क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम शंखवार ने प्रभु श्री राम की आरती कर आशीर्वाद लिया। हालांकि बेमौसम बारिश ने दशहरा मेले के रंग में भंग डाल दिया। दूर-दूर से आए हुए दुकानदार बिक्री न होने से दुखी थे, परन्तु देर शाम भीड़ पहुंचने से चेहरे खिल उठे। यहां बबलू शुक्ला, हेमंत सिंह गौर, अमित सिंह, गौरव सिंह, अरविंद कुमार, कमेटी प्रबंधक उमाकांत शुक्ला, गुड्डू, अध्यक्ष रविकांत शुक्ला छुटकू, राजेश सिंह, आलोक दुबे, सौरभ शुक्ला, विश्वनाथ विश्वकर्मा के साथ सुरक्षा व्यवस्था में कहिंजरी चौकी प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा अपने हमराहियों सहित मौजूद रहे।

भगवान राम और लक्ष्मण की आरती करतीं विधायक पूनम संखवार। अमृत विचार

जीजा-साली ने जहर खाकर दी जान

राजपुर थाना क्षेत्र के जारी खरतला गांव का रहने वाला था जीजा, किशवा गांव की रहने वाली थी युवती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- मूसानगर के किशवा-चपरेहटा गांव के जंगल के बीच मिले शव
- दो डिस्पोजल गिलास और जहर की चार खाली पुड़िया बरामद
- आधार कार्ड से हुई शिनाख्त, अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

अमृत विचारः मूसानगर थाना क्षेत्र के किशवा-चपरेहटा गांव के बीच जंगल में गुरुवार की सुबह युवक और युवती के शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिले। इसकी खबर फैलने पर पूरे इलाके में सनसनी सी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक पड़ताल की। तलाशी में युवक के पास आधार कार्ड मिला, जिसके आधार पर उसकी शिनाख्त हुई। युवक राजपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था और युवती रिश्ते में उसकी सगी साली थी। मौके से प्लास्टिक के दो गिलास और जहर की चार खाली पुड़िया मिली हैं। इससे एकबारगी यही आशंका जताई गई कि दोनों ने आत्महत्या की है।

किशवा और चपरेहटा गांव के बीच में जंगल है। इसी जंगल में लालजी मास्टर के खेत के पास दोनों के शव मिले। दोनों के बीच करीब चार मीटर का फासला था। शव काफी क्षत-विक्षत हालत में थे। इससे आशंका है कि जंगली पशुओं ने भी शवों को नुकसान पहुंचाया है। सुबह दिनचर्या पर निकले गांव के लोगों ने एक के बाद दोनों शवों को देखा तो शोर मचाया। पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों की तलाशी ली। युवक का आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड में उमाकांत पुत्र महावीर जारी खरतला थाना राजपुर जनपद कानपुर देहात अंकित है। पुलिस की सूचना पर फोरेंसिक टीम घटना स्थल पर पहुंची। टीम ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य संकलन के लिए सैंपल जुटाए।

युवक के शव की शिनाख्त होने के बाद पता चला कि साथ युवती का शव रिश्ते में उसकी साली का था। उसका नाम सुनीता था और वह किशवा गांव के रामसहाय की 16 वर्षीय बेटी थी। लोगों में चर्चा रही कि अवैध सबंन्धों को लेकर दोनों ने जहर खाकर जान दी है। पुलिस ने चौकीदार की सूचना पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि जीजा उमाकांत व साली सुनीता के शव बरामद हुए हैं। घटना का कारण प्रेम संबंध बताया गया है। फिलहाल घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कारण स्पष्ट होगा। भोगनीपुर सीओ संजय सिंह ने कहा कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

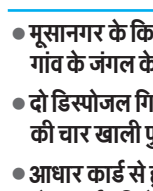

जीजा उमाकांत।

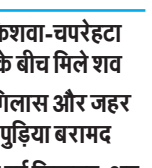

साली सुनीता।

शव मिलने के बाद मौके पर छानबीन करती मूसानगर पुलिस। अमृत विचार

एक साल पहले बहन के पास गुजारे थे दिन

- किशवा गांव के रामसहाय ने अपनी पुत्री रिंकी की शादी राजपुर थाना क्षेत्र के खरतला गांव निवासी महावीर के पुत्र उमाकांत के साथ 4 वर्ष पूर्व की थी। एक वर्ष पूर्व उमाकांत की साली सुनीता भी बहन रिंकी के पास ही थी। इसी दौरान सुनीता व उमाकांत के बीच प्रेम परवान पर चढ गया। यह बात पता चलने पर रिंकी ने बहन सुनीता को देवरहट के बिड़ौवा गांव चाचा रामदीन के घर भेज दिया था, लेकिन जीजा-साली में संपर्क बना रहा। मौका पाकर जीजा उमाशंकर और साली सुनीता घर छोड़ निकल पड़े। समाज व घर का दबाव देख किशवा के जंगल मे दोनों ने एक साथ जहर खाकर जान दे दी।

कई दिन पहले मौत होने का अनुमान

- शवों की हालत देखकर लगता है कि दोनों की मौत कई दिन पहले हुई है। करीब तीन-चार मीटर के फासले पर मिले शवों में से उमाकांत का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत था। सुनीता की भी लाश सड़ चुकी थी। यूं कहें तो उसका कंकाल ही बचा था। इलाकाई लोगों ने बताया कि बरसात का मौसम होने के कारण दो-दो शव दूर से नहीं दिखे। उधर से गुजरने पर बदबू महसूस की गई, मगर लोगों ने यह सोचकर खास ध्यान नहीं दिया कि कोई जानवर मरा होगा। पुलिस का कहना है कि शवों का पोस्टमार्टम होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों की मौत कितने दिन पहले हुई है। सूत्रों ने बताया कि बीते एक सप्ताह से सुनीता व उमाकांत घर से गायब थे।

कार्रवाई नहीं करने वाले देवराहट एसओ सस्पेंड

बरती लापरवाही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- फौरन कदम उठाते तो बच जाती सुनीता और उमाकांत की जान
- अफसरों ने मानी ढिलाई, सुनील कुमार तिवारी पर हुई कार्रवाई

अमृत विचारः पुलिस समय पर चेतती तो शायद उमाकांत और सुनीता, दोनों जिंदा होते। तहरीर पर कार्रवाई नहीं किए जाने से दोनों को आत्महत्या के फैसले के लिए पूरा समय मिला। दो जानें चलीं गई तो मामले में डैमेज कंट्रोल किया गया। शुक्रवार को देवरहट के थानाध्यक्ष सुनील कुमार तिवारी को निलंबित किया गया है।

प्रेम प्रसंग की जानकारी पर रिंकी की ससुराल खरतला से बिड़ौवा गांव लाई गई सुनीता 25 सितंबर को अचानक गायब हो गई। देर तक इंतजार और तलाश के बाद भी वह नहीं मिली तो चाचा रामदीन की ओर से देवराहट थाने में अर्जी दी गई थी। तहरीर में उमाकांत पर साफ आरोप था कि वह सुनीता को भगा ले गया है। मामले में पुलिस ने खूब ढिलाई बरती। रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इससे सुनीता और उमाकांत को मौका मिला। फिर दोनों ने जान दे दी। माना जा रहा है कि पुलिस थोड़ी भी संजीदगी दिखाती तो सुनीता और उमाकांत की जान बच सकती थी। गुरुवार को एक साथ दोनों की लाशें मिलीं तो देवराहट थाने में हड़कंप मच गया। दो जानें गई तो अफसर भी सख्त हुए। शुक्रवार को देवराहट एसओ सुनील कुमार तिवारी को निलंबित किया गया। एएसपी राजेश पांडेय ने इसकी पुष्टि की है।

छोटी बहन बनी रिंकी के सुहाग की दुश्मन

- चार बरस का सार्थन और दो साल का ओमनारायण पिता और मौसी की आत्महत्या से अनजान हैं। साली के साथ प्रेम संबन्ध में जान देने वाले उमाकांत के दोनों पुत्र अब बेसहारा हो गए हैं। पति की मौत से रिंकी बेहाल है। उसके चेहरे पर छोटी बहन सुनीता के कारनामे की टीस झलक रही है। बताते हैं कि उमाकांत हिमाचल प्रदेश में पानी के बताशे का ठेला लगाता था।

महिलाओं को सुरक्षा के टिप्स दिए

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मिशन शक्ति फेज़ 5 के तहत थाने की महिला आरक्षियोंने रतनपुर गांव में चौपाल लगाकर बालिकाओं, महिलाओं को यातायात नियमों, महिला उत्पीड़न पर आपातकालीन सहायता लेने, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, चाइल्ड एब्यूज व साइबर हेल्पलाइन की जानकारी दी।

सशक्तिकरण टीम की नैंसी चौधरी, निशिता, रिंकी तोमर, अर्चना पटेल, रिंकी तोमर, हिमांशी अवस्थी ने रतनपुर की चौपाल में बच्चियों व महिलाओं को यातायात के नियम के बारे में हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 , आपातकालीन पुलिस, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड लाइन,108 एंबुलेंस सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 101 फायर ब्रिगेड, साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी। लडकियों, महिलाओं को शोहदों के बारे में हेल्पलाइन नंबर 1930 की भी जानकारी दी। उन्हें बाल श्रम उन्मूलन, बाल विवाह रोकथाम, गुड टच एवं बेड टच के बारे में भी जानकारी दी। माल का पुरवा प्राथमिक विद्यालय में मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में माल का पूर्वा और उसके आसपास के मजरों की महिलाओं ने भाग लिया और ध्यानपूर्वक महिला सशक्तिकरण टीम की बातें सुनी।

माल का पुर्वा के विद्यालय में गुड टच-बैड टच की जानकारी दी गई। अमृत विचार

कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई

रसूलाबाद। थाने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। सभी पुलिस कर्मियों ने दोनों महापुरुषों को माल्यार्पण कर नमन किया। सीओ सौरभ कुमार वर्मा ने एसआई और आरक्षियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

इस मौके पर थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह, अपराध निरीक्षक बीरेंद्र बहादुर सिंह, एसएसआई राम सिंह, एसआई अमित पोरवाल, प्रमोद दीक्षित, शिवबहादुर सिंह, राम किशोर यादव, मिलन सिरोही, उदयभान सिंह, शैलेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह, अजय सिंह तोमर, संतोष कुमार यादव, रामाधार यादव, पुष्पेंद्र सिंह, अजय गुर्जर आदि रहे।

राम धुन के साथ जय जवान की गूंज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिले भर में कार्यक्रम हुआ। कलेक्ट्रेट में डीएम कपिल सिंह ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के बाद नमन किया। डीएम ने कहा कि महापुरूषों के जीवन से हमें प्रेरणा लेते हुए समाज और देश हित के काम करने चाहिए।

डीएम ने गांधी के प्रसिद्ध भजन रघुपति राघव राजा राम गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि दोनों विभूतियों के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। यह दिन हम सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, सादगी, अनुशासन और सेवा भाव को जीवन में धारण कर भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में अद्भुत नेतृत्व प्रदान करते हुए देशवासियों को एक सूत्र में पिरोया। उनसे प्रेरणा लेने का मौका है। लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने देश को जय जवान, जय किसान का अमर नारा दिया, जिसने देशवासियों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का संचार किया। शास्त्री जी ने अपने कर्म से यह सिद्ध किया कि सच्चा नेतृत्व विनम्रता, निष्ठा और जनसेवा में निहित होता है। सभी को उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया।

गांधी जी और शास्त्री जी के चित्रों का अनावरण करते डीएम कपिल सिंह। अमृत विचार

गूंजते रहे जयकारे | महेंद्र नगर से निकली बंगाली परिवारों की शोभायात्रा, श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर मां से मांगा आशीर्वाद

अबीर-गुलाल की फुहार के बीच निकली शोभायात्रा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः विस्थापित बंगालियों की बस्ती महेंद्रनगर में पंचमी से दुर्गा पंडाल में स्थापित मां दुर्गा सरस्वती लक्ष्मी व गणेश जी की प्रतिमाओं की शोभायात्रा विजयादशमी पर्व प्रमुख मार्गों से गुजरी। श्रद्धालुओं ने मां का पूजन अर्चन कर आशीर्वाद लिया।

विस्थापित शरणार्थी बंगालियों की बस्ती महेंद्रनगर में पंचमी तिथि से आयोजित दुर्गा पूजा का समापन मां दुर्गा, लक्ष्मी एवं सरस्वती व गणेश जी की प्रतिमाओं की शोभायात्रा के साथ किया गया। इस यात्रा में जहां युवक-युवतियां डीजे एवं ढोल की धुनों पर थिरकते नजर आए, वहीं रास्ते में लोगों ने मां के रूपों का पूजन अर्चन एवं दर्शन किया। इस अवसर पर विजय,दीवान, प्रकाश ,अंशुमान ,निखिल, तापस सरकार, विशाल सरकार, मधु ,सुमित्रा शोभा, धीरज, कौशल्या आदि श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

महेंद्र नगर से निकलीं मां दुर्गा।

लक्ष्मी-गणेश जी भी साथ रहीं।

राजपुर की यात्रा में शामिल भक्त।

आज जवाबी कीर्तन, कल होगा जगराता

- तिशी के त्रयंम्बकेश्वर धाम में शुक्रवार को युवा दल की बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनी। 4 अक्टूबर को जवाबी कीर्तन और 5 अक्टूबर को माता का जगराता होगा। कमेटी के अध्यक्ष मयंक शुक्ला ने संगठन के सभी सदस्यों के सहयोह से कार्यक्रम कोसफल बनाया जाएगा।

राजपुर में निकली भव्य शोभायात्रा

- राजपुर। कस्बा सहित पैलावर, बदनपुर डेरा, वैना व भाल में शारदीय नवरात्र के आखरी दिन देवी भक्तों ने शोभायात्रा निकाली। दर्जनों गांवों में नौ दिन तक मां के दरबार में हाजिरी लगाने वाले महिला और पुरुष भक्त मां भगवती को विदाई करने झांकी लेकर निकले। अबीर और गुलाल की फुहार के साथ निकली शोभा यात्रा में समिति के अध्यक्ष अवध विश्नोई, दिनेश मिश्रा, चुन्नी विश्नोई, बाजा विश्नोई, रिंकू ठाकुर, जब्बार खां रहे।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार 4 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आरएसएस ने किया पथ संचलन

बिल्हौर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को बिल्हौर में एक भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैंकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में कदम से कदम मिलाते हुए नगर के मुख्य मार्गों से गुजर कर अपनी राष्ट्रीय एकता और अनुशासन का प्रदर्शन किया। पथ संचलन के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में सह विभाग कार्यवाह क्षत्रवीर ने मुख्य वक्ता के रूप में स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। अपने उद्बोधन में, उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में 'पंचपरिवर्तन' की अवधारणा पर विशेष ज़ोर दिया। क्षत्रवीर ने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर पांच मुख्य बदलावों को अपनाएं, ताकि देश सशक्त हो सके। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित स्थानीय जन प्रतिनिधियों की भी गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जिला प्रचारक धीरेन्द्र, राकेश, और अवधेश, रोहित, सहित अन्य संघ के पदाधिकारीगण पूर्ण गणवेश में मौजूद थे। विधायक राहुल बच्चा भी स्वयंसेवकों के साथ पूर्ण गणवेश धारण कर पथ संचलन में शामिल हुए।

'सोर्स सेग्रीगेशन' को लेकर किया जागरूक

बिल्हौर । स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के तहत शत-प्रतिशत स्वच्छता लक्ष्य को साधने के लिए नगर पालिका परिषद बिल्हौर ने शुक्रवार को एक वृहद जागरूकता अभियान चलाया। अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा के दिशा-निर्देशन में यह अभियान नगर के चार वार्डों, वार्ड 9, 21, 11 और 25 में केंद्रित रहा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक घर से निकलने वाले अपशिष्ट (कचरे) को सोर्स सेग्रीगेशन (स्रोत पर ही अलग-अलग करने) की प्रक्रिया को शत-प्रतिशत लागू करना था। अभियान के दौरान, दीपक अग्रवाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय), ने नागरिकों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गीला कूड़ा (रसोई और जैविक अपशिष्ट) को हरे डस्टबिन में और सूखा कूड़ा (प्लास्टिक, कागज, धातु आदि) को नीले डस्टबिन में अलग-अलग रखना आवश्यक है। अग्रवाल ने स्रोत पर पृथक्करण से होने वाले पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि कूड़े को अलग करने से लैंडफिल साइट्स (कचरा भराव क्षेत्र) पर भार कम होता है और रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया सरल हो जाती है, जिससे नगर पालिका की आय भी बढ़ती है और पर्यावरण भी साफ रहता है। अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा ने कहा, स्वच्छता केवल पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

बरसात से ढह गया पूर्व प्रधान का घर

हमीरपुर। बम्हरौली के पूर्व ग्राम प्रधान सभाजीत ने बताया कि बुधवार देर रात तेज बारिश के बाद गुरुवार की दोपहर अचानक घर भरभरा कर ढह गया। घर में मौजूद छोटा भाई जयपाल व मां बाल-बाल बच गए।

छेड़खानी में आधा दर्जन लोग नामजद

हमीरपुर। विदोखर पुरई के पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात 10:30 बजे गांव के दिब्बू सिंह ने उसके घर का दरवाजा खटखटाया। उसकी 15 वर्षीय पुत्री के दरवाजा खोलते ही दिब्बू सिंह ने हाथ पकड़ कर खींचने का प्रयास किया। पुत्री के चिल्लाने पर पत्नी बाहर निकली तो दोनों भाग गए। उलाहना देने पर दिब्बू सिंह अपने भाई प्रियांशु, भूरा सिंह, पिता वीरेंद्र सिंह, मां नीलम के साथ दोबारा दरवाजे पर आया और गालियां देने लगा। विरोध पर तमंचे की बट मारकर भाई का सिर फोड़ दिया। पुलिस ने नामजद केस दर्ज किया है।

घरेलू विवाद में महिला से मारपीट, तहरीर दी

हमीरपुर। कस्बे के दीवानपुरा कांशीराम कॉलोनी में रहने वाली महिला राबिया खातून ने तहरीर देकर बताया कि गुरुवार की दोपहर को वह घरेलू काम कर रही थी। उसी दौरान परिवार के चार लोगों ने उसके साथ गालीगलौज शुरू कर दी। जब उसने गाली गलौज करने का विरोध किया तो सभी ने उसको पीट दिया। और जान से मारने की धमकी दी।

हार्टअटैक से गई डॉक्टर की जान

हमीरपुर। जरिया थाना क्षेत्र के गोहांड कस्बे के जवाहर नगर निवासी हरदयाल अनुरागी बांदा जिला चिकित्सालय में मानसिक रोग विशेषज्ञ पद पर तैनात थे। रात्रि करीब साढ़े 12 बजे बजे हार्टअटैक से मौत हो गई।

घाटमपुर के बीएलबीडी स्कूल में छात्र एवं छात्राओं ने किया रावण दहन। अमृत विचार

पतारा में धू-धूकर जलता रावण। अमृत विचार

आतिशबाजी के साथ जला रावण का पुतला

घाटमपुर में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी का पर्व, जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा रामलीला मैदान

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में विजयादशमी का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। यहां पर गुरुवार रात 1:30 मिनट पर रामलीला के समापन होते ही आतिशबाजी के साथ रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण के पुतले के जलते ही पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। दशहरा मेला देखने के लिये हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

घाटमपुर तहसील क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर स्थित रामलीला मैदान में रामलीला का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने भी भगवान श्रीराम का वेष धारण करके रामलीला का मंचन किया। रामलीला देखने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रामलीला के समापन के पश्चात भगवान श्रीराम के हाथों रावण का वध हुआ। इसके बाद रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण के पुतले का दहन होते ही पुतले में लगी आतिशबाजी भी छूटने लगी। रंग बिरंगी आतिशबाजी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। लगभग आधे घंटे तक आतिशबाजी चलती रही। रावण के पुतले के जलते ही पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गुंज उठा। यहां पर सुरक्षा के दृष्टिगत भारी पुलिस बल भी तैनात रहा।

घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि सर्किल क्षेत्र घाटमपुर में घाटमपुर कस्बा, रेउना, पतारा, सजेती, बरिपाल, नौरंगा, परास में रावण का पुतला तैयार किया गया था। यहां रामलीला के समापन के बाद पुतला दहन किया गया है।

परास और भीतरगांव में जलता रावण। अमृत विचार

शिवराजपुर में रावण का दहन होते ही लगे जयकारे

- **शिवराजपुर ।** कस्बे के भूतेश्वर मंदिर प्रांगण में नवरात्र के पावन पर्व पर नौ दिन तक चले माता रानी के कार्यक्रमों के पश्चात बुधवार की रात को आगरा की प्रसिद्ध जागरण पार्टी के द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई। वहीं गुरुवार को प्रतिमाओं का विसर्जन खेरेश्वर मंदिर के प्रांगण के पास गंधर्व तालाब में किया गया। कस्बे के बर्राजपुर स्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष की भांति दशहरा के पावन अवसर पर अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक भगवान राम की दिव्य रामलीला धनुष भंग आदि का आयोजन किया गया व रावण के पुतले को जलाया गया।

भरत मिलाप में उमड़ा जन सैलाब

घाटमपुर । नगर में माता सीता और भैया लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष के वनवास और लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का युगों पहले अयोध्या वासियों ने जिस प्रकार स्वागत किया होगा वैसा ही दृश्य शुक्रवार को कानपुर रोड में श्री गांधी विद्या पीठ इंटर कॉलेज में दिखाई दिया। पूरा कॉलेज दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। रात करीब 9 बजे नगर में गांधी विद्या पीठ में शुक्रवार रात कार्यक्रम की शुरुआत पर्णकुटी में प्रभु श्री राम की खड़ाऊ रखकर पूजन कर रहे भरत जी द्वारा 14 वर्ष की अवधि पूरी होने के चलते उनकी व्याकुलता से होती है। प्रभु राम के लौटने का कोई समाचार न मिलने से भरत जी विलाप करते हैं। भरत का विलाप सुनकर वहां पर मौजूद दर्शक सिसकियां भरने को मजबूर हो गये। तभी हनुमान जी वहां प्रकट होकर भगवान श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ आगमन की सूचना देते हैं। उधर पुष्पक विमान से भगवान श्री राम, माता सीता एवं भैया लक्ष्मण के साथ अयोध्या पहुंचते हैं जहां भरत भैया, शत्रुघ्न, माता कौशिल्या, सुमित्रा और कैकेई, गुरु वशिष्ठ, विश्वामित्र एवं नगर वासियों के साथ भावपूर्ण ढंग से उनका स्वागत करते हैं। खचाखच भरे मैदान में दर्शकों द्वारा गगनभेदी जयकारों के बीच प्रभु के स्वागत के बाद उनके राजतिलक का कार्यक्रम संपन्न होता है। पुष्पक विमान दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। इस कार्यक्रम में पंकज पांडे, राजू अवस्थी, पप्पू यादव, दिवाकर पांडे, श्री पण्डित, राजा पांडे, अंकुर दीक्षित, राजेश इलेक्ट्रॉनिक, अनुराग पांडे, सजन शुक्ला, रजन शुक्ला, हरिशंकर मिश्रा, सन्नी पांडे आदि पदाधिकारियों ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

राम जी की निकली सवारी रामजी की लीला है न्यारी...

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बे में विगत 12 दिनों से चल रही दुर्गा पूजा व दशहरा मेला कार्यक्रम में शुक्रवार को रामलीला के अंतिम दिन भरत मिलाप व राम राज्याभिषेक के मंचन के उपरांत कस्बे में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान जय श्री राम के उद्घोष से कस्बा गुंजायमान बना रहा।

श्री नवदुर्गा रामलीला समिति द्वारा कस्बे के पिपरी मार्ग स्थित रामलीला मैदान में 22 सितंबर को मां दुर्गा मूर्ति की स्थापना के साथ रामलीला का आयोजन शुरू हुआ था। कार्यक्रम में गुरुवार को रावण वध की लीला के दौरान यहां दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। इधर शुक्रवार को भरत मिलाप व राम राज्याभिषेक की लीला दर्शाने के पश्चात कस्बे में गाजे बाजे के साथ धूमधाम से शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान लोगों ने घरों के बाहर दरवाजे पर आकर्षक रंगोली सजाई। शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान की आरती । इस बीच जय श्री राम के उद्घोष से कस्बा गुंजायमान बना रहा।

दंगल में दिखाए दांवपेच

- **घाटमपुर।** साढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कुदौली में विजयदशमी के पावन पर्व पर जय बजरंगबली सेवा समिति के तत्वावधान में विशाल इनामी दंगल का आयोजन हुआ। समिति के आशु सिंह राणा एवं नीरज सिंह ने इस आयोजन को संपन्न कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान प्रभा निगम ने फीता काटकर किया। दंगल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नामी गिरामी पहलवानों ने शिरकत की और अपने दांवपेच से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता की सबसे बड़ी कुश्ती के विजेता को 21,000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर आए अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों का पटका और माला पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही स्मृति स्वरूप साल एवं तलवारें भेंट की गईं। पहलवानों में आरिम खान व झींगुर पहलवान और अंकित झांसी की जीत हुई। मक्खन पहलवान पंजाब से संजू शास्त्री की कुश्ती हुई जिसमें मक्खन पहलवान ने बाजी मारी। इस मौके पर गोविंद शुक्ला नीरज सिंह राहुल सिंह, सुधीर सिंह, लाखन सिंह, सोनू सिंह, दिलीप आदि मौजूद रहे।

रामलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का पटका पहनाकर स्वागत करते कार्यकर्ता।

समाज कल्याण मंत्री का केक काट मनाया जन्मदिन

संवाददाता मंधना

अमृत विचार। मन्धना स्थित एक ढाबे पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का जन्मदिन उनके समर्थकों ने केक काटकर मनाया और उनके दीर्घायु की कामना की। इस दौरान मंत्री असीम अरुण ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

कार्यकर्ताओं ने मन्धना स्थित एक ढाबे पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का जन्मदिन उन्ही से केक कटवाकर मनाया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. श्रीकांत त्रिपाठी, संदीप अग्निहोत्री, वैभव दीक्षित, अंकित चतुर्वेदी, अक्षय द्विवेदी, धीरज सिंह, हिमांशु पाठक, रोहित त्रिवेदी,निहाल सिंह,आशीष यादव, नीतेश दुबे आदि रहे।

गांधी जयंती पर शराब बिक्री करते गिरफ्तार

चौबेपुर। गांधी जयंती पर प्रतिबंध के बावजूद चोरी छुपे शराब बेच रहे अधेड़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। मालूम हो कि गांधी जयंती पर शराब की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंध है। बावजूद इसके गुरुवार को पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि क्षेत्र के हुलकापुर तिराहे के निकट एक दुकान के पीछे अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। जिस पर उप निरीक्षक विजय प्रकाश सिंह हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देख अधेड़ ने भागने का प्रयास किया, जिसे जल्द ही पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद थैले में 17 क्वार्टर देशी शराब के पाउच व उसकी जेब से 300 रुपये नकद बरामद हुए। प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार चौबे ने बताया कि अवैध कार्य में लिप्त अधेड़ के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच अदा हुई जुमे की नमाज

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। क्षेत्र में जुमे की नमाज के चलते शुक्रवार दोपहर को घाटमपुर एसीपी ने पुलिस फोर्स के साथ गांव के विभिन्न मार्गों में पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का अहसास दिलाया। आई लव मोहम्मद के बैनर को लेकर हुए विवाद के बाद यूपी में हाई अलर्ट जारी है, जिसके चलते घाटमपुर, साढ़, सजेतीं में पुलिस प्रशासन सक्रिय रहा। यहां पर सर्किल क्षेत्र में पुलिस प्रशासन मस्जिदों के बाहर तैनात रहा। पुलिस की सख्ती के चलते शांति पूर्ण ढंग से जुमे की नवाज संपन्न हुई है।

घाटमपुर के हरि मस्जिद के हाफिज ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा, इनके साथ उन्होंने नबी मोहम्मद पर टिप्पणी करने वाले व शांति भंग करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। आई लव मोहम्मद के बैनर को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद यूपी में हाई अलर्ट जारी है। डीजीपी ने सभी अधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहने के साथ संवेदन शील इलाको में गश्त करने के निर्देश दिए थे। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली, कि घाटमपुर में नमाज के बाद कुछ युवक आई लव मोहम्मद के बैनर लेकर नगर में नारेबाजी करके माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं। इसके चलते कानपुर एडीसीपी साउथ योगेश कुमार, घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव समेत सर्किल फोर्स मस्जिदों के बहार तैनात रहा। यहां पर जुमे की नमाज के दौरान घाटमपुर नगर स्थित हरि मस्जिद, जामा मस्जिद, पतारा मस्जिद, जहांगीराबाद मस्जिद, रमईपुर मस्जिद, लालपुर समेत आदि मस्जिदों के बाहर भारी पुलिसबल तैनात रहा।

नमाज के दौरान भारी संख्या में मौजूद पुलिस बल। अमृत विचार

सीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

- घाटमपुर नगर के पचखुरा मोहल्ला निवासी हरि मस्जिद के हाफिज मोहम्मद अहमद ने कानपुर एडीसीपी साउथ योगेश कुमार, घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह, एसीपी कृष्णकांत यादव का माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने एसडीएम को मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में नबी मोहम्मद के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले व राज्य में शांति भंग करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन में उन्होंने लिखा है, की हमारा मुस्लिम समाज सभी धर्मों के साथ मिलकर त्योहार में शांति पूर्ण मनाया है। कुछ अराजक तत्वों के द्वारा मोहम्मद साहब के नाम को लेकर अभद्र टिप्पणी की जा रही है। जिसको लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में रोष व्याप्त है।

सनातनियों की एकजुटता से ही बनेगा हिन्दू राष्ट्र : पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

घाटमपुर । नगर में एक निजी गेस्ट हाउस में राष्ट्रवादी विचारक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने विजयादशमी विजयोत्सव के अवसर में आम जनमानस से जागृत, संगठित होने की बात कही।

इस कार्यक्रम में उन्होंने भारत के इतिहास और सनातन मूल्यों पर अपने विचार रखे। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौतियों का सामना करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सनातनियों की एकजुटता से ही हिन्दू राष्ट्र बनेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवदत्त तिवारी ब्रह्मदेव पीठाधीश्वर ने की। इस दौरान शिव शक्ति अखाड़ा प्रमुख मधुराम शरण शिवा, ब्रह्मदेव पीठाधीश्वर शिवदत्त तिवारी का अनेक लोगों ने फूल माला पहनाकर व प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया। इस दौरान वीरेन्द्र त्रिवेदी, राजेश अवस्थी, ओमबाबू गुप्ता, आचार्य बउआलाल तिवारी, कुमार गौरव, शिवाकांत शुक्ला, गोपी पांडे, अंशू तिवारी, रोहित सविता, जीतू अवस्थी, रोहित सोनी, अमन अवस्थी, पप्पू दीक्षित, शुभम शौर्य, गणेश दुबे, राजन तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

चौबेपुर। बाकरगंज,बिठूर गांव निवासी विशंभर निषाद के खिलाफ अपहरण, बलात्कार, लूट व एससी-एसटी समेत कई मामले दर्ज हैं। लंबे समय से फरार चल रहे शातिर अपराधी को बीती रात उपरीक्षक अमित सिंह राघव, रणवीर सिंह आदि ने मुखबिर की सूचना पर उसी के घर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

संबोधित करते अभिजीत सिंह सांगा।

विपक्ष कर रहा है जाति के नाम पर बांटने का कार्य

बिठूर। बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा द्वारा पाली स्थित एक गेस्ट हाउस में पाली मंडल के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन का आयोजनक किया गया। इस दौरान विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब से प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर अपना विस्वास जताया है तबसे प्रदेश का हर क्षेत्र विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है । आप अपने ही क्षेत्र में देख लीजिए छतमरा से तिलसहरी मार्ग, तिलसहरी से टौंस मार्ग और टौंस से नरवल मार्ग और नरवल से साढ़ मार्ग चौड़ा हो गया उन्होंने कहा कि इसके विपरीत विपक्ष आज जाति और धर्म के नाम पर राजनीति कर रहा है।

BEFORE THE HONOURABLE MOTOR VEHICLES ACCIDENT CLAIMS TRIBUNAL: NARASARAOPET, ANDHRA PRADESH,
[In the Court of the Honourable XIII Addl. District Judge, Narasaraopet, Andhra Pradesh]
M.V.O.P.No. 84/2022.
Between :
Vinjamuri Gopala Krishna and 2 others ...Petitioners
Vs
1. East Coast Logistics Pvt. Ltd, Rep. by D. Sathish Kumar
2. United India Insurance Co. Ltd., Rep by It's Legal Manager,
3. Veer Singh, S/o. Jagroop Singh, ...Respondents.
Respondent No.3:
VEER SINGH,
S/o. JAGROOP SINGH,
452, Sivaji Nagar, Uttar Pradesh State. JHANSI-284 001.
In the above number MVOP No. 84/2022 you are the Respondent No.3. Even though the honourble Court sent the notices to you, you wantonly avoid to take notice. Hence, as per the paper publication what I am knowing to you. The above case stands posted to for your appearance **on 30-10-2025.** Hence on that day at about **10.30 am** you shall appear before the honourable Court personally or through your Advocate for your objections otherwise the honourable Court will decide the above insurance matter against your absence.
As per the orders of the Honourable court
Date of Adjournment: 30-10-2025.
Yours
KAMMAKALLU SANGAMESWARA RAO
PETITIONER ADVOCATE
OFFICE : Near Municipal Office, NRT Center, Chilakaluripet-522 616, Palnadu District, Andhra Pradesh
Mobile No. 9912281014.

कामयाबी | ग्रामीण डिजिटल सशक्तिकरण की ओर एक कदम, आईटीआई को मिली सफलता, अभी दो सौ मीटर के दायरे में रहेगी सुविधा

आईटीआई ने बनाई वाई-फाई, हॉटस्पॉट नेटवर्किंग सेवा

अभय प्रताप सिंह, बिल्हौर

अमृत विचार। कानपुर नगर स्थित गवर्नमेंट आईटीआई बिल्हौर ने आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए संस्थान और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों के लिए एक साथ तीन महत्वपूर्ण डिजिटल सेवाओं की सौगात दी। इन सेवाओं में जीटी ग्राम कनेक्ट

निःशुल्क वाई-फाई हॉटस्पॉट, संस्थान की ई-लाइब्रेरी सेवाओं का विस्तार और ऑफिशियल यूट्यूब चैनल का लोकार्पण शामिल है। यह पहल ग्रामीण समुदाय को डिजिटल युग से जोड़ने और उनके शैक्षणिक व तकनीकी सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

जीटी ग्राम कनेक्ट निःशुल्क वाई-फाई हॉटस्पॉट सेवा: इस परियोजना की मुख्य विशेषता जीटी ग्राम कनेक्ट निःशुल्क वाई-फाई हॉटस्पॉट सेवा है। यह वाई-फाई सेवा पूरी तरह से संस्थान के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा स्वयं विकसित की गई है। इसमें अत्याधुनिक (हैप) राउटर प्रोग्रामिंग और कुशल एक्सेस प्वाइंट नेटवर्किंग तकनीक का उपयोग किया गया है। इसका प्राथमिक लक्ष्य संस्थान के विद्यार्थियों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल कनेक्टिविटी, ई-लर्निंग और ज्ञान संसाधनों की सहज और मुफ्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस हॉटस्पॉट के लैंडिंग पेज का एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस) एडविक नेटवर्क सलूशन द्वारा आउटडोर रूप से विकसित किया गया है।

अधिकारियों को जानकारी देते विशेषज्ञ। अमृत विचार

ई-लाइब्रेरी और यूट्यूब चैनल का लोकार्पण

वाई-फाई सेवा के साथ ही संस्थान ने अपनी ई-लाइब्रेरी सेवाओं को व्यापक रूप से विद्यार्थियों के लिए खोल दिया है, जिससे उनकी उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक सामग्री और ई-बुक्स तक पहुंच आसान हो जायेगी। इसके अतिरिक्त, संस्थान के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल का भी लोकार्पण किया गया।

गांधी जयंती के संदर्भ में पहल का महत्व

इस अवसर पर प्राचार्य मयंक मिश्रा ने अपने वक्तव्य में इस पहल के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गवर्नमेंट आईटीआई बिल्हौर का यह प्रयास है कि विद्यार्थी और ग्रामीण समुदाय दोनों को डिजिटल शिक्षा, रोजगार संबंधी जानकारी एवं ई-गवर्नेंस सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीटी ग्राम कनेक्ट ग्रामीण क्षेत्र में डिजिटल सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनेगा। पहल को महात्मा गांधी के ग्राम विकास और स्वराज के विचारों से जोड़ते हुए कहा कि यह पहल गांधी जयंती के अवसर पर और भी विशेष है ।

डिजिटल इंडिया के अनुरूप कदम

नोडल प्राचार्य हरीश मिश्रा ने इस पहल को 'डिजिटल इंडिया' के विज़न के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह ग्रामीण युवाओं को आधुनिक तकनीकी ज्ञान तक आसान पहुंच प्रदान करेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गांधी जी के ग्राम विकास के सपनों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई यह सेवा ग्रामीण युवाओं के लिए नई संभावनाओं और अवसरों के द्वार खोलेगी। इस गरिमामयी समारोह में नोडल प्राचार्य हरीश मिश्रा और प्राचार्य मयंक मिश्रा के साथ-साथ, दिनेश कुमार, अनुराग एवं प्रांजुल कटियार की विशेष उपस्थिति रही।

सुविचार

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।

- प्रेमचंद

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- संघर्षों के बाद भी धीरज की मौत से टूट गया परिवार- II
- ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को 9 विकेट से हराया- III
- दशहरे की धूम, आतिशबाजी के बीच रावण दहन- IV

कानपुर, शनिवार 4 अक्टूबर 2025

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

भविष्य निधि ने ईसीआर प्रक्रिया को संशोधन कर सरल बनाया

रिटर्न सबमिशन प्रक्रिया को पेमेंट जनरेशन प्रक्रिया से अलग किया, रिटर्न फाइल भुगतान में देरी पर देय राशि का रिकार्ड बन जाता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नियोक्ताओं और प्रतिष्ठानों के लिए ईसीआर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल एवं त्रुटिहीन बनाने के लिए संशोधित इलेक्ट्रॉनिक चालान कम रिटर्न (ईसीआर) सुविधा प्रारंभ की है। शुक्रवार को भविष्य निधि कार्यालय में अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त उदय बख्शी, शाहिद इकबाल, गौतम एवं पवन कुमार ने पत्रकारों को ये जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ईसीआर एक मासिक रिटर्न है जिसे हर नियोक्ता ईपीएफ पोर्टल पर ऑनलाइन भरता है। इसमें वह अपने कर्मचारियों के वेतन का विवरण देता है और ये बताता है कि कितना भविष्य निधि एवं पेंशन अंशदान जमा करना है। इसी जानकारी के आधार पर कर्मचारियों के खाते में भविष्य निधि और पेंशन की राशि जमा होती है। संशोधित सुविधा में तीन प्रकार के रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

भविष्य निधि कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते अधिकारी। अमृत विचार

रेगुलर रिटर्न

- ये हर माह का मुख्य रिटर्न है। अधिकारियों ने बताया किइसमें उस महीने के लिए कंपनी के सभी सक्रिय सदस्यों का विवरण शामिल होना अनिवार्य है। ये प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि सभी कर्मियों का अंशदान एक ही चालान में जमा हो क्योंकि अब नियोक्ता को एक महीने के लिए कई चालान बनाने की इजाजत नहीं होगी।

सप्लीमेंट्री रिटर्न

- यदि कोई नियोक्ता रेगुलर रिटर्न जमा करने और उसे स्वीकृत कराने के बाद किसी नए कर्मचारी को पंजीकृत करता है तो उसे उन नए सदस्यों के लिए इस रिटर्न की सुविधा प्रदान की गई है। भविष्य निधि के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रिवाइज्ड रिटर्न

- अधिकारियों ने यह भी बताया कि यदि किसी नियोक्ता से रेगुलर या सप्लीमेंट्री रिटर्न में वेतन या अंशदान विवरिण जैसी जानकारी दर्ज करने में कोई गलती हो जाती है तो वह विवाइज्ड रिटर्न फाइल करके इस गलती को सुधार सकता है।

गलत डाटा प्रविष्टि होते ही चेतावनी देगा

- संशोधित ईसीआर में यदि प्रतिष्ठान रिटर्न दाखिल करते समय गलत डाटा प्रविष्टि करता है या किसी सक्रिय सदस्य को शामिल करना भूल जाता है तो सिस्टम रिटर्न को प्रोसेस नहीं करेगा और गलती का अहसास कराएगा। इसी प्रकार जिन कर्मियों का वेतन 15,000 रुपये से अधिक है अथवा जिनकी उम्र 58 वर्ष से अधिक है। वे सामान्यतः पेंशन (ईपीएस) के लिए पात्र नहीं होते। ऐसी स्थिति में भी सिस्टम फाइलिंग से पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

स्कूल में शराब पीने के विरोध पर धमकाया

कानपुर। विजयनगर स्थित पीडी निगम एजुकेशन सेंटर की प्रधानाचार्य मोनिका सिंह ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि विद्यालय परिसर में रहने वाले विशाल निगम, संत निगम व शानू निगम बाहरी लोगों को बुलाकर शराब पीते हैं। स्कूल स्टाफ और छात्र-छात्रों से अभद्रता करते हैं। मंगलवार को जब उन्होंने इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता की। कुर्सी, गमले व कांच पर तोड़फोड़ की। उन्हें रोकने का प्रयास किया तो हाथापाई कर जान से मारने की धमकी देने लगे। उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर पुलिस को सूचना दी। काकादेव थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

शहर में हुई बारिश, आगे भी होने की संभावना

कानपुर। शहर में शुक्रवार शाम बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से काकादेव में 5 .9 मिमी, नौबस्ता में 6 .1 मिमी, सिविल लाइंस में 4 .7 मिमी व कंपनी बाग में 6 .1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शहर में शनिवार तक बादलों की आवाजाही रहेगी। इस बीच क्षेत्रीय स्तर पर बूंदाबादी व बारिश की संभावना है।

गंगा में जा रहे 13 नालों की टेपिंग होगी

कानपुर। छावनी परिषद के नामित पार्षद लखन ओमर ने बताया कि गंगा नदी में जा रही गंदगी को रोकने के लिए सत्तीचौरा घाट, गोला घाट, मैस्कर घाट एवं डपका नाला समेत शहर के 13 नालों की टेपिंग की जाएगी। उक्त नालों का गंदा पानी पहले ट्रीटमेंट प्लांट में जाएगा और फिर वहां से फिल्टर होकर गंगा में जाएगा।

आज यहां नहीं आएगी बिजली

कानपुर। केशवपुरम के झाड़ू वाला, आंबेडकरपुरम के गोल्डन होटल, दबौली में काके पंचर, पावा और आरपीएस ओल्ड के चुन्नीगंज में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को पांच बजे तक नहीं रहेगी। वहीं, टीटी नगर, रविदासपुरम, वरुण विहार, लवकुशपुरम व शिवली रोड में बिजली सुबह साढ़े नौ बजे से शाम को साढ़े चार बजे तक बिजली नहीं रहेगी। इसके अलावा पी .रोड, आचार्य नगर, सकेरा स्टेट में बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक नहीं रहेगी।

दुष्कर्म का आरोपी जिम ट्रेनर गिरफ्तार

कानपुर। कोहना क्षेत्र की रहने वाली युवती ने शादी का झांसा देकर अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर जिम ट्रेनर के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विनायकपुर के नवीननगर निवासी आरोपी जिम ट्रेनर दीपक गौतम को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। युवती का आरोप है कि युवक ने होटल ले जाकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया था और अश्लील फोटो व वीडियो बनाई थी। जिसे वायरल करने की धमकी दे रहा था।

बरेली घटना के मद्देनजर जुलूस-ए-गौसिया कैंसिल

ऑल इंडिया सुन्नी जमीअत उलमा की बैठक में फैसला, आज कर्नलगंज समेत कई क्षेत्रों से उठना था बड़ा जुलूस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बरेली की घटना और मुल्क के हालात को देखते हुए बड़े पीर की याद में हर साल शहर से उठने वाला जुलूस-ए-गौसिया कैंसिल कर दिया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर उठने वाला जुलूस-ए-मोहम्मदी के बाद शहर का ये सबसे बड़ा जुलूस होता है। जुलूस ए गौसिया 4 अक्टूबर शनिवार को कर्नलगंज समेत कई क्षेत्रों से उठना था।

शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद ऑल इंडिया सुन्नी जमीअत उलमा की फहीमाबाद में बैठक हुई जिसमें मुफ्ती-ए-आजम कानपुर मुफ्ती इलियास खां नूरी के अलावा तीन शहरकाजी मौलाना मुश्ताक मुशाहिदी, शहरकाजी मौलाना मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी, शहरकाजी मौलाना साकिब अदीब, शमसुल कमर रहमानी, अंजुमन गौसिया के महामंत्री नफीस नूरी के अलावा अंजमनों के जिम्मदार मौजूद रहे। ऑल इंडिया सुन्नी जमीअत उलमा की बैठक में सर्वसम्मत से उलेमा ने जुलूस नहीं निकालने का फैसला लिया। तय किया गया है कि बरेली के हालात को देखते हुए और मुल्क के माहौल को देखते हुए, कानपुर शहर के अमन-ओ-अमान की सुरक्षा के लिए जुलूस-ए-गौसिया इस साल नहीं निकाला जाएगा। बताते चलें कि ऑल इंडिया जमीअत उलमा की सरपरस्ती और अंजुमन गौसिया ओर से कर्नलगंज तुकनिया पार्क से जुलूस-ए-गौसिया निकलता है जिसमें लाखों की संख्या में लोग शिरकत करते हैं। इसके अतिरिक्त रोशन नगर रावतपुर से शहरकाजी मौलाना मुश्ताक मुशाहिदी की कयादत में जुलूस उठता है। इसी प्रकार बाबूपुरवा समेत कई स्थानों पर शहरकाजी मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी की कदायत में जुलूस निकलता है जिसे कैंसिल कर दिया गया है।

ड्रोन से हुई निगरानी पुलिस ने की गश्त

- कानपुर। आई लव मोहम्मद को लेकर विवाद के बाद जुमे की नमाज पर शहर में हाई अर्लट रहा। शुक्रवार को संवेदनशील इलाकों व मस्जिदों के बाहर पुलिस की सख्त सर्तकता रही। परेड स्थित यतीमखाना मस्जिद, रावतपुर मस्जिद व बाबूपुरवा बड़ी ईदगाह, जाजमऊ, रेलाबाजार के सुजातगंज आदि पर सख्त निगरानी रखी गई। भारी पुलिस बल के साथ ड्रोन से निगरानी हुई। वहीं नमाज के दौरान एसीपी अनवरगंज डॉ अभिषेक कुमार राहुल व एसीपी कोतवाली आशुतोष कुमार पुलिस व पीएसी के साथ सड़कों पर निकले। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने सैय्यदनगर व एडीसीपी योगेश कुमार बाबूपुरवा ईदगाह के पास रहे। ड्रोन उड़ाकर इलाके की निगरानी की गई।

जुमे की नमाज से पहले मस्जिदों के बाहर तैनात रहा पुलिस बल। अमृत विचार

मस्जिदों में कड़ी सुरक्षा के बीच हुई जुमा की नमाज, खुफिया भी अलर्ट

कानपुर। बरेली की घटना को देखते हुए शहर की मस्जिदों में जुमा की नमाज के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। खुफिया की टीम भी मस्जिदों के आसपास तैनात होकर ये समझने की कोशिश करती रही कि पेशइमाम की तकरीर का शीर्षक क्या है।

आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर पिछले जुमा के दिन बरेली में बवाल हुआ था जिससे बरेली में प्रशासन की ओर से कार्रवाई जारी है। बरेली बवाल के बाद कानपुर में भी सतर्कता बरती गई। हालांकि बरेली की तर्ज पर कानपुर में जुमा की नमाज में कोई बदलाव नहीं किया गया लेकिन पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। मस्जिदों के इमाम ने भी एहतियात बरतते हुए कोई ऐसी तकरीर नहीं की जिससे माहौल में कोई तल्खी आती। जुमा के दिन पुलिस ने सुबह 11 बजे से ही मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी। खुफिया टीम भी घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ये जानने की कोशिश करती रही कि कोई संस्था या कोई शख्स बरेली की घटना को लेकर रिएक्शन की तैयारी तो नहीं कर रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 3 अक्टूबर को प्रस्तावित अपने भारत बंद की कॉल पहले ही वापस ले ली थी जिससे जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में जुमा के दिन 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मुसलमानों से अपने कारोबार बंद रखने की अपील की थी लेकिन मुल्क के हालात को देखते हुए बोर्ड ने 3 अक्टूबर को बंद की तारीख कैंसिल कर दी थी।

10 घंटे गुल रही हैरिसगंज उपकेंद्र के क्षेत्रों की बिजली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भूमिगत केबिल फॉल्ट ढूंढने और बनाने में लगा वक्त

अमृत विचार। केस्को द्वारा बिजली व्यवस्था दुरस्त रखने के भले ही दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत में एक फॉल्ट को बनाने में काफी केस्को कर्मियों को लग रहा है। हैरिसगंज उपकेंद्र से जुड़े छह फीडरों में बिजली शुक्रवार सुबह से लेकर शाम तक गुल रही, बिजली नहीं आने की वजह से लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हो गए और पानी तक को तरस गए।

हैरिसगंज उपकेंद्र से जुड़े कृष्णा हॉस्पिटल, रेलबाजार, त्रिवेणी नगर, शांति नगर, बुनकर व पैराशूट फीडरों की बिजली सुबह आठ बजे भूमिगत केबिल में फॉल्ट होने के कारण गुल हो गई। जब बिजली दोपहर तक नहीं आई तो क्षेत्र के लोगों ने टोल फ्री नंबर 1912, केस्को के एक्स अकाउंट व व्हाट्सएप पर शिकायतें की। शिकायतें पहुंचने पर केस्को अधिकारी व कर्मी अलर्ट हुए और भूमिगत केबिल में हुए फॉल्ट को मशक्कत कर खोजा व मरम्मत कार्य शुरू किया। तब शाम को छह बजे बिजली आई। वहीं, इस फॉल्ट को बनाने की वजह से फेथफुलगंज, मीरपुर मुंशीपुरवा, टाटमिल व रेलवे स्टेशन फीडर की बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक नहीं थी। इसके अलावा माल रोड व म्योर मिल फीडर की बिजली वितरण ट्रांसफार्मर के एचटी जम्पर में फॉल्ट होने के कारण सुबह आठ बजे से साढ़े 10 बजे तक, डिप्टी पड़ाव की बिजली 220 केवी पारेषण उपकेन्द्र नौबस्ता के यार्ड में फॉल्ट होने के कारण दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक नहीं था। एचटी लाइन पर पीपल का पेड़ गिरने से हूलागंज व भूसाटोली की बिजली दोपहर एक बजे से शाम साढ़े चार बजे तक बिजली नहीं रही। आउटडोर केबिल बॉक्स में फॉल्ट होने से अर्रा फीडर की बिजली दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक नहीं थी। घंटों बिजली गुल रहने से करीब 20 हजार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला के मुताबिक फॉल्ट से कुछ जगहों की आपूर्ति बाधित हो गई थी। मरम्मत कार्य के बाद आपूर्ति बहाल की गई। जहां फॉल्ट बनाने में अधिक समय लगा है, वहां के अभियंता से जानकारी ली जाएगी।

10 परिसरों में पकड़ी गई बिजली चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को 10 परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला के मुताबिक अंसार नगर में मो .साजिद, मो .नसीम, नाजनी तबस्सुम, शगुफ्ता यासमीन, शाहान, हीरा फहीम, परेड में शमा परवीन, कर्नलगंज में मो .रहीम, शकीला बेगम और अंबेडकरपुरम कल्यानपुर में पूजा पांडे के खिलाफ बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

इंजेक्शन लगाते ही महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर स्थित नर्सिंगहोम में हाथ-पैर में मामूली सूजन व खांसी-जुखाम के इलाज में इंजेक्शन लगाते ही 28 वर्षीय महिला की हालत गंभीर हो गई। वह छटपटाने लगी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। यह देखकर पति बेहोश होकर गिर पड़ा। परिजनों ने गलत इंजेक्शन का आरोप लगाया हंगामा किया तो चिकित्सक समेत पूरा स्टॉफ भाग निकला। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और शव पोस्टमार्टम भेजा। आरोप है कि मूसानगर की आशाबहू यहां सरकारी अस्पताल में दिखाने की बात कहकर लाई थी, लेकिन कमीशन के चक्कर में नर्सिंगहोम लेकर पहुंच गई।

सुधादेवी।(फाइल फोटो)

कानपुर देहात के मूसानगर आढ़न गांव निवासी अजीत कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह उनकी पत्नी सुधादेवी ने हाथ-पैर में मामूली सूजन व खांसी और जुखाम की दिक्कत बताई थी। इस पर वह पत्नी को लेकर समीप के सरकारी अस्पताल गए। वहां दिखाने के बाद आशाबहू ने कहा, सुधा को कानपुर के सरकारी अस्पताल में दिखाओ, जल्द आराम मिलेगा। इसके बाद आशा उनके साथ कानपुर आई। यहां सरकारी अस्पताल न ले जाकर कल्याणपुर स्थित लक्ष्य नर्सिंगहोम पहुंचा दिया। वहां सुधा का चेकअप हुआ और इसी बीच स्टॉफ ने एक इंजेक्शन लगा दिया। उसके बाद ही वह छटपटाने लगी। कुछ ही देर में सुधा की मौत हो गई। यह देखकर अजीत बेहोश होकर गिर पड़ा और परिजन गलत इंजेक्शन का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। रोने-चिल्लाने का शोर होने पर डॉक्टर व पूरा स्टॉफ मौके से भाग निकला। खबर पाकर पहुंची कल्याणपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कालपी के अमरौधा निवासी सुधा के पिता लालाराम, मां शकुंतला, भाई लाखन सिंह ने बताया कि सात साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसके पांच साल का बेटा है। सुबह खुद ही घर का पूरा काम किया है। सिर्फ हाथ-पैर में दर्द व सूजन के अलावा उसे कोई दिक्कत नहीं थी। ऐसे में इंजेक्शन लगाते ही कैसे मौत हो गई। नर्सिंगहोम स्टॉफ गलत ने इंजेक्शन लगाया है।

परिजन हो गए बदहवास। अमृत विचार

गलत इंजेक्शन से महिला की मौत की परिजनों ने शिकायत की है। मामले की जांच कर रिपोर्ट सीएमओ ऑफिस भेजी गई है। वहां से रिपोर्ट आने पर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

रंजीत कुमार, एसीपी

बाजार की चाल | रक्षा, कृषि, लॉजिस्टिक और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों से बढ़ती मांग मुख्य कारण

छोटे निवेशक 500 रुपये से भी शुरू कर रहे निवेश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सेबी के इन्वेस्टर सर्वे 2025 जारी हो गए हैं। इस सर्वे में उत्तर प्रदेश में प्रतिभूति बाजार उत्पादों की पैठ 5.3 फीसदी है। इसी तरह राज्य की औद्योगिक राजधानी कहे जाने वाले कानपुर में यह औसत राज्य से थोड़ा बेहतर आंका जा रहा है। शहर की बात की जाए तो कानपुर में अनुमानित 6 से 7 फीसदी परिवार अब म्यूचुअल फंड, शेयर और ईटीएफ जैसे उत्पादों में निवेश कर रहे हैं। यह आंकड़ा भले ही कम है, लेकिन उत्तर प्रदेश के संदर्भ में यह एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। छोटे निवेशक अब 500 से 1 हजार रुपये की एसआईपी से निवेश यात्रा शुरू कर रहे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वित्तीय शिक्षा और भरोसे का माहौल मजबूत किया जाए तो कानपुर आने वाले वर्षों में राज्य का निवेश हब बन सकता है।

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह ने बताया कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक दशक बाद देशभर में निवेशकों और गैर-निवेशकों की मानसिकता, व्यवहार और चुनौतियों को समझने के लिए निवेशक सर्वे 2025 जारी किया है। इस सर्वे में 91,950 परिवारों और 1,313 मध्यस्थों से बातचीत की गई। रिपोर्ट से साफ झलकता है कि जागरूकता बढ़ने के बावजूद निवेश की पैठ सीमित है और भारतीय निवेश संस्कृति अभी भी जोखिम से बचने वाली है।

निवेश की वर्तमान स्थिति: भारत में मात्र 9.5 फीसदी परिवार ही प्रतिभूति बाजार में निवेश कर रहे हैं। यह आंकड़ा लगभग 3.21 करोड़ परिवारों के बराबर है। शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत 15 फीसदी है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 6 फीसदी है। इनमें दिल्ली 20.7 फीसदी, महाराष्ट्र 17 फीसदी और गोवा 15.5 फीसदी जैसे राज्यों में पैठ अधिक है, जबकि बिहार में यह 7.9 फीसदी, उत्तर प्रदेश 5.3 फीसदी और झारखंड 6.9 फीसदी पिछड़े हुए हैं।

- सेबी के इन्वेस्टर सर्वे में प्रदेश में प्रतिभूति बाजार उत्पादों की पैठ 5.3 फीसदी
- 6 से 7 फीसदी शहरी निवेश से सीधे जुड़े, प्रदेश के मुकाबले बेहतर स्थिति

जागरूकता बनाम निवेश

- सर्वे में यह सामने आया है कि 63 फीसदी भारतीय परिवार किसी न किसी प्रतिभूति बाजार उत्पाद से परिचित हैं। यानी लगभग 21.3 करोड़ परिवार इन उत्पादों का नाम जानते हैं। लेकिन वास्तविक निवेश केवल 9 .5 फीसदी तक सीमित है। म्यूचुअल फंड और ईटीएफ की जागरूकता सर्वाधिक 53 फीसदी है।

निवेशकों की मानसिकता

- 80 फीसदी भारतीय परिवार जोखिम से बचने वाले हैं। वे पूंजी की सुरक्षा को ऊंचे रिटर्न से अधिक महत्व देते हैं। केवल 5 .6 फीसदी परिवार ही उच्च जोखिम उठाने को तैयार हैं। यही कारण है कि निवेशकों की प्राथमिकता फिक्स्ड रिटर्न वाले साधनों में बनी रहती है।

निवेश न करने के कारण

सर्वे में 74 फीसदी में जटिलता और जानकारी की कमी सामने आई है। इसी तरह 73 फीसदी लोगों में जोखिम और रिटर्न को लेकर भय सामने आया है। उधर 51 फीसदी में विश्वास की कमी और पारदर्शिता को लेकर संदेह सामने आया है। इसी तरह गैर-निवेशक मानते हैं कि निवेश प्रक्रिया कठिन है, विकल्प बहुत अधिक हैं और बाजार जोखिम से भरा है।

निवेश को ऐसे मिलेगा बढ़ावा

निवेश को बढ़ावा देने वाले कारकों में 73 फीसदी आसान खाता खोलने और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी सरल प्रक्रियाएं को माना गया है। इसी तरह 62 फीसदी को निवेश शिक्षा और जागरूकता को माना गया है। उधर 61 फीसदी की हिस्सेदारी कम शुल्क और न्यूनतम निवेश सीमा को माना गया है। उधर परिवार व दोस्तों की सिफारिश और भरोसेमंद सलाह 58 फीसदी निवेश करते हैं।

निवेश शिक्षा और भाषा

सर्वे में खुलासा हुआ कि केवल 1 फीसदी से भी कम लोग औपचारिक निवेश शिक्षा कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। फिर भी 70 फीसदी प्रतिभागियों ने ऐसे कार्यक्रमों को उपयोगी बताया। 47 फीसदी लोग हिंदी में और अन्य 47 फीसदी लोग अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा पाना चाहते हैं। अंग्रेजी की प्राथमिकता मात्र 5 फीसदी रही। सोशल मीडिया, मोबाइल एप्स और टीवी व डिजिटल विज्ञापन निवेश शिक्षा के प्रमुख स्रोत बताए गए हैं।

सिटी ब्रीफ

नशेबाज बाइक सवारों ने युवक को दौड़ाकर पीटा

कानपुर। हनुमंत विहार में बाइक सवार नशेबाजों ने युवक को सड़क पर दौड़ाकर पीटा। लोगों के विरोध पर आरोपी धमकी देकर भाग निकले। मारपीट का वीडियो वायरल होने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। गुजैनी निवासी चेतन श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार रात वह मेला देखने के बाद खाना खाने के लिए नौबस्ता बाइपास स्थित ढाबे पर जा रहा था। तभी कई बाइक सवार नशेबाज युवकों ने गाली-गलौज की। इसके बाद अचानक हमला बोल दिया। विरोध पर सड़क पर दौड़ाकर पीटा। शोर मचाने पर आसपास के लोग बचाने आए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। हनुमंत विहार थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। बाइक नंबरों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुरानी खुन्नस में युवक की अंगुली काटी

कानपुर। नौबस्ता में महिला से अभद्रता करने से रोकने की रंजिश में आरोपी ने युवक को पीटने के बाद उसकी उंगली दांत से चबा ली। जिससे आधी उंगली अलग हो गई। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। मछरिया बूढ़पुर निवासी तुफैल उर्फ तन्नू के अनुसार उनके घर के बगल में महिला रहती है। 22 सितंबर की रात इलाके का हिमांशू सिंह अपने साथी राहुल के साथ उसे गाली-गलौज कर रहा था। इसका पड़ोसियों के साथ मिलकर उसने विरोध किया तो आरोपी धमकी देकर भाग निकले। उसी रंजिश में हिमांशू ने अपने साथी के साथ एक अक्टूबर को रोककर मारपीट की। बाएं हाथ की उंगली को चबाकर अलग कर दिया। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

रंगदारी देने से मना करने पर पीटा

कानपुर। किदवईनगर के-ब्लाक निवासी ऋषभ मिश्रा ने बताया कि एक अक्टूबर की रात वह घर के बाहर खड़े थे, तभी प्रतीक बाजपेई, हर्ष यादव उर्फ जगलर, शुभम केसरवानी, पुष्कर मिश्रा, प्रिंसु सविता समेत आठ-10 लोग कार से आए। आरोपियों ने उससे शराब के लिए रुपयों की मांग की। रुपये देने से मना करने पर उसे बेहरमी से पीटा, जिससे उसके सिर पर चोटें आई। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेनों में चेनपुलिंग करने वाले 3228 यात्रियों को जेल

कानपुर। कानपुर समेत प्रयागराज मंडल के स्टेशनों में ट्रेनों में बेवजह चेनपुलिंग करने वाले कुल 3228 यात्रियों को अप्रैल से अब कर गिरफ्तार करके उन्हें जेल भेजा गया। इन आंकड़ों में कानपुर की संख्या 443 यात्रियों की है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि अनावश्यक रूप से ट्रेनों में चेनपुलिंग करने वालों के विरुद्ध रेल प्रशासन निरंतर अभियान चला रहा है और दोषियों पर सख्त कार्यवाही भी हो रही है। अनावश्यक चेन पुलिंग न केवल गाड़ियों की समयबद्धता को प्रभावित करती है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी गंभीर रूप से खतरे में डालती है। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप अप्रैल 2025 से सितम्बर 2025 तक 3228 यात्रियों को अनावश्यक अलार्म चेनपुलिंग के आरोप में गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई।

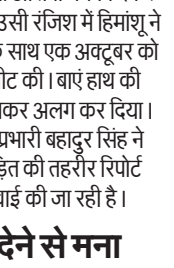

एलएलआर मेट्रो स्टेशन से हैलट गेट तक गड्ढे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बारिश ने शहर की कई सड़कों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। घटिया पैचवर्क भी बारिश में उखड़ गया है। सीमेंट न डाले जाने की वजह से पैचवर्क की पोल खुल गई है हैलट हॉस्पिटल के आसपास की मुख्य सड़क भी बुरी तरह टूट चुकी है। बड़े बड़े गड्ढे हो चुके हैं। एक दिन पहले ही एलएलआर मेट्रो स्टेशन के नीचे टूटी सड़क की रिपेयरिंग की गई है लेकिन ऐसी खानापूरी हुई है कि 24 घंटे में ही बजरी उखड़कर बिखर गई और गड्ढे जस का तस बने हुए हैं।

मोतीझील की ओर से हैलट हॉस्पिटल की ओर आने वाला मुख्य मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुका है। मोतीझील मेट्रो स्टेशन के नीचे भीषण जलभराव और एलएलआर मेट्रो स्टेशन के नीचे भी जलभराव होने के कारण सड़कों का बुरा हाल हो गया। एलएलआर से हैलट हॉस्पिटल के मुख्य गेट तक 10 से अधिक स्थानों पर सड़क टूटी हुई है।

बड़े बड़े गड्ढे हादसों को दावत दे रहे हैं जबकि यहीं से एंबुलेंस मरीजों को लेकर हैलट के अंदर दाखिल होती है। स्थिति ये है कि यदि दो पहिया वाहन की गति थोड़ा तेज हो तो अचानक से हैवी गड्ढे में गिरकर चुटहिल हो सकते हैं। एलएलआर मेट्रो के नीचे बजरी ऐसे फैल गयी है कि बाइक सवार फिसलकर गिर रहे हैं।

एलएलआर मेट्रो स्टेशन के नीचे फैली बजरी अमृत विचार

हैलट रोड पर गड्ढे। अमृत विचार

जलभराव में टाटमिल चौराहा

- बारिश के बाद से टाटमिल चौराहा पर ही जलभराव है जिससे सिग्नल लाल होने के बाद बाइक सवार राहगीरों को पानी में खड़ा पड़ रहा है। पानी निकासी का कोई जरिया नहीं होने के कारण पूरा पानी चौराहे पर ही भरा हुआ है। झकरकटी की ओर से टाटमिल आने वाला मार्ग भी कई माह से टूटा हुआ है जिससे जाम लगता है।

झकरकटी बस अड्डा धंसा, यात्री परेशान

- शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा बारिश के बाद कई स्थानों पर धंस चुका है, जहां कहीं पिछले माह मिट्टी डालकर भराव किया गया था, वहां हैवी गड्ढे होने के साथ ही कीचड़ भी फैल गया है। बस अड्डे के अंदर गड्ढों में पानी भरा है जिससे सैकड़ों यात्री गेट पर ही बस का इंतजार करते हैं।

अलग-अलग कारणों से तीन ने की आत्महत्या

- नौबस्ता, पनकी व स्वरूपनगर में फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। पनकी, नौबस्ता और स्वरूपनगर में तीन युवकों ने भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और शवों को मोर्चरी भेजा।

पप्पू।

पनकी के गंभीरपुर निवासी 35 वर्षीय राजमिस्त्री पप्पू पासवान ने फांसी लगा ली। बड़े भाई कल्लू ने बताया कि बुधवार रात परिवार के सभी लोगों खाना खाकर सो गए थे, तभी देर रात पप्पू ने पंखे के कुंडे से फांसी लगा ली। पत्नी शिववती ने बताया कि गुरुवार सुबह सोकर उठने के बाद बच्चे अंशिका, जेयस व कशिक को उठाने के बाद पति का शव फंदे से लटका देखा। चीख-पुकार मचने पर पड़ोसी भी आ गए। घटना की जानकारी पनकी पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। जांच की जा रही है। दूसरी घटना नौबस्ता के आवास विकास हंसपुरम में हुई। मूलरूप से फतेहपुर जहानाबाद के बिसई गांव निवासी 45 वर्षीय ललित नारायण उर्फ अशोक खेती करते थे। परिवार में पत्नी निशा, बेटा हर्ष व बेटी खुशी हैं। हर्ष ने बताया कि बुधवार को पिता गांव गए थे। वहां से लौटने के बाद देर रात कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। कारण का पता नहीं है। इसी तरह स्वरूपनगर में जीटी रोड स्थित मुरारीलाल चेस्ट हॉस्पिटल के पुराने साइकिल स्टैंड की पार्किंग में शुक्रवार सुबह 35 वर्षीय रिक्शा चालक मुकेश का शव टीनशेड के एंगल से कपड़े की रस्सी से लटका मिला। आसपास के लोगों ने बताया कि पहले वह अस्पताल के कर्मचारी पप्पू का ई-रिक्शा चलाता था। उसने फांसी क्यों लगाई वजह स्पष्ट नहीं है।

संघर्षों के बाद भी धीरज की मौत से टूट गया परिवार, मचा कोहराम

परिजनों ने कहा, आईआईटी में हुई रहस्यमयी मौत, दो दिन तक किसी ने देखा नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काफी संघर्ष के बाद बेटे धीरज सैनी को आईआईटी से बीटेक करता देख गर्व महसूस होता था। पांच-छह माह बाद वह इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हो जाता। उसने कहा था कि जल्द ही प्लेटमेंट मिल जाएगा। सोचा था कि गरीबी दूर होगी। लेकिन गर्व के साथ परिवार भी टूट गया। यहां उसकी रहस्यमयी मौत होगी, यह पता नहीं था। यह कहते हुए हरियाणा निवासी धीरज सैनी के ताऊ सत्येंद्र फफक पड़े। कहा, धीरज के चाचा संदीप सुबह चार बजे फल की रेहड़ी लगाकर पढ़ाई का खर्च उठाते थे। मेरा होनहार बच्चा चला गया। दो दिन उसका शव फंदे से लटका रहा और किसी को पता नहीं चला। कम से कम 24 घंटे में एक बार तो हॉस्टल के कमरों में बच्चों को देखा जाए कि वे क्या कर रहे हैं।

हरियाणा के महेंद्रगढ़ ककरकई गांव निवासी 22 वर्षीय धीरज सैनी आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीटेक फाइनल का छात्र था। 1 अक्टूबर को उसका शव हॉस्टल के कमरे में लटका मिला था। उसके ताऊ सत्येंद्र, चाचा संदीप व बड़ा भाई नीरज गुरुवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने बताया कि धीरज प्राइमरी स्कूल से ही मेधावी था। इंटर के बाद वह राजस्थान के सीकर तैयारी करने गया। एक साल की कोचिंग में ही उसे आईआईटी में प्रवेश मिल गया। सबकुछ ठीक था, वह जल्द ही प्लेसमेंट की बात कह रहा था, फिर ऐसा क्या हुआ कि यह कदम उठा लिया। सवाल भी उठाए, कहा कि दो दिन उसका शव हॉस्टल के कमरे में लटका रहा, किसी को पता नहीं चला। कम से कम 24 घंटे में तो एक बार देखना चाहिए। उन्होंने बेटे से कहा था कि एनआईटी में प्रवेश ले, लेकिन वह तो सिर्फ आईआईटी ही जाना चाहता था। सोचा था घर का सपना पूरा करेगा, लेकिन साथ ही छोड़ गया। धीरज मई माह में आखिरी बार घर आया था। वह ज्यादा किसी से बात नहीं करता था। अच्छा एथलीट होने के साथ वह क्रिकेट और अन्य खेलों का भी शौक रखता था। आईआईटी क्रिकेट टीम का वाइस कैप्टन भी था। कानपुर निवासी रिश्तेदार एसएन सैनी ने बताया कि आईआईटी में उसकी रहस्यमय ढंग से मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर चले गए। पोस्टमार्टम हाउस पर धीरज के साथी छात्र, फैकल्टी भी मौजूद रहे।

पोस्टमार्टम हाउस में गमगीन खड़े परिजन। अमृत विचार

- बोले, 24 घंटे में एक बार तो हॉस्टल के कमरों में बच्चों को देखा जाए

मां को नहीं बताया, वह दम तोड़ देती

- धीरज के चाचा संदीप ने बताया कि उसके मौत की खबर अभी तक उसकी मां को नहीं दी गई है। अगर उसे पता चल जाता तो वह दम तोड़ देती। गांव शव लेकर पहुंचने पर किसी तरह उसे बताया जाएगा। फिर पता नहीं क्या होगा। वह बेटे से अक्सर कहती थी कि प्लेसमेंट की चिंता मत करना, तनाव मत लेना। बस पढ़ाई मन से करना।

चाचा ने रेहड़ी लगाकर पढ़ाया धीरज को

- ताऊ सत्येंद्र ने बताया कि धीरज के चाचा संदीप सुबह चार बजे फल की रेहड़ी लगाकर संघर्षों से उसे बढ़ाया। सुबह चार बजे से रात 11 बजे तक रेहड़ी के पास खड़े रहते थे। प्राथमिक स्तर की पढ़ाई के समय उसकी फीस का डेढ़ लाख रुपया बकाया था, तब स्कूल से रिजल्ट नहीं दिया गया। इस पर कर्ज लेकर फीस चुकाया था। फिर कर्ज उतारा। लेकिन सबकुछ खत्म हो गया।

टेनरी संचालक के बंद घर से लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पत्नी के साथ विदेश घूमने गए थे कैंट स्थित घर लौटने पर चोरी का पता चला
- कोहना में इंपोर्ट-एक्सपोर्ट कारोबारी के बंद घर से भी पांच लाख का माल पार

अमृत विचार। चोरों ने टेनरी संचालक व इंपोर्ट-एक्सपोर्ट कारोबारी के बंद घरों को निशाना बनाया और नगदी समेत लाखों के जेवर पार कर ले गए। कैंट में पत्नी संग विदेश घूमने गए टेनरी संचालक के बंद घर से 70 हजार रुपये व जेवर उड़ाए। जबकि कोहना में कारोबारी के बंद घर में कूदे चोर रुपये व करीब पांच लाख के जेवर समेट ले गए। घटना के समय पीड़ित परिवार लखनऊ निवासी रिश्तेदार के यहां समारोह में शामिल होने गया था। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

कैंट के रानी लक्ष्मी बाई मार्ग स्थित बंगला नंबर आठ निवासी जमीरुल हक की जाजमऊ में शीवान टेनरी है। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को वह पत्नी के साथ विदेश घूमने के लिए गए थे। जहां से वह 27 सितंबर की रात को लौटे हैं। घर पहुंचने पर उन्होंने बेडरूम में रखी ड्रेसिंग टेबल खोलकर चाभी निकालनी चाही तो दराज का लॉक टूटा मिला। इसके बाद खिड़की की जाली काटी मिली। जिससे पता चला कि चोर जाली काटकर अंदर घुसे और चोरी की है। चोर करीब 70 हजार रुपये व पत्नी के लाखों के जेवर ले गए हैं। कैंट थाना प्रभारी अरविंद राय ने बताया कि बंगले पर सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। घटना को अंजाम देने में किसी करीबी पर संदेह है। जिसे जेवर व नगदी रखे होने की जानकारी थी।

संदेह के घेरे में बंगले में काम करने वाले भी हैं। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं, तिलकनगर निवासी सैय्यद आसिफ इंपोर्ट-एक्सपोर्ट कारोबारी हैं। उन्होंने बताया कि वह परिवार के साथ 21 सितंबर को लखनऊ में रहने वाले रिश्तेदार के यहां समारोह में शामिल होने गए थे। 22 सितंबर को जब वह लौटकर घर आए तो देखा कि खिड़की के रास्ते चोर घर में घुसकर अलमारी में रखी नगदी, जेवर समेत पांच लाख का माल चोरी कर ले गए हैं। उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो उसमें तीन चोर अंदर जाते हुए कैद हुए है। लोगों के कहने पर घटना के दस दिन बाद उन्होंने मामले की शिकायत कोहना थाने में की। थाना प्रभारी कोहना विनय तिवारी के अनुसार रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

लोडर ने अधेड़ को कुचला, मौत

कानपुर। गोविंदनगर में गुरुवार रात दशहरा मेला देखकर घर लौट रहे युवक को सड़क पार करते समय तेज गति लोडर ने कुचल दिया। सूचना पाकर पुलिस ने घायल को हैलट भेजा, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में बगल चल रही पत्नी बच गईं। परिजनों में कोहराम मच गया।

विनोद कुमार।

गोविंदनगर के हलुआखेड़ा निवासी 45 वर्षीय विनोद कुमार कपड़ों की धुलाई का काम करते थे। बेटे शिवम ने बताया कि पिता व मां सुनीला दशहरा मेला देखने गुरुवार रात आठ बजे नटराज टॉकीज के पास गए थे। करीब एक घंटे बाद दोनों लोग घर लौट रहे थे। रात करीब नौ बजे लौटते समय सीटीआई चौराहा पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार लोडर पिता को टक्कर मारकर कुचल दिया और मौके से भाग निकला। मां की आंखों के सामने हादसा हुआ। वह अचेत होकर गिर पड़ीं। राहगीरों ने हादसे की सूचना गोविंदनगर पुलिस को दी। पुलिस ने पिता को हैलट भेजा, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषत कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार सिर पर गंभीर चोट आने से मौत हुई। पिता की मौत की खबर पाकर बेटी लक्ष्मी व बेटा अरुण रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचा। गोविंदनगर थाना प्रभारी ने बताया कि लोडर चालक का पता किया जा रहा है।

वसूली में कथित पत्रकार गिरफ्तार

- जाजमऊ पुलिस ने महाराजपुर के पुरवामीर से पकड़ा

कानपुर। जाजमऊ के बिल्डर सहाब अनवर उर्फ साहब लारी ने अवैध वसूली के मामले में सिपाही और कथित पत्रकारों समेत 11 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक कथित पत्रकार योगेश दीक्षित को महाराजपुर के पुरवामीर बाजार से गिरफ्तार किया है।

जाजमऊ के स्वान टॉवर निवासी बिल्डर साहब लारी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनकी छवि खराब करने व व्यापारियों में डर व दबाव बनाने के लिए कानपुर प्रेस क्लब का पूर्व कार्यकारिणी सदस्य दिवस पांडेय, शैलेंद्र सिंह यदुवंशी, नवीन गुप्ता, योगेश दीक्षित, मोहित शर्मा, अनिल गर्ग, यूट्यूबर फैजान हैदर, कथित पत्रकार कम्मू शेख, कमलेश फाइटर व उसके कैमरामैन मुशीर फर्जी खबरें चलाते थे। खबर न चलाने की शर्त पर वसूली करते थे। बदनामी से बचाने के लिए उन्होंने एक बार 25 हजार रुपये भी दिए। इसके बाद कई बार में पांच-पांच हजार करके वसूले गए। वसूली से परेशान होकर उन्होंने रुपये देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने पुलिस को व एक्स पर अलग-अलग आईडी से फर्जी पोस्ट करने लगे। उन्हें उन्नाव जिले से दुष्कर्म के मामले में फंसाने का प्रयास किया गया।

फर्जी पोस्ट के बाद अवैध वसूली में सिपाही सीमांत कुमार भी हिस्सेदार रहा है। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। जिसमें गुरुवार को पहली गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने महाराजपुर के सिकठिया निवासी योगेश दीक्षित को दोपहर में पुरवामीर से पकड़ लिया।

आज से शुरू होगी क्राॅफ्टरूट प्रदर्शनी

कानपुर। ग्रामश्री संस्था की क्राॅफ्टरूट की ओर से 4 अक्टूबर से लाजपत भवन में हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी लगेगी। 8 अगस्त तक चलने वाली यह प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक चलेगी।

यह जानकारी शुक्रवार को ग्रामश्री की प्रमुख अनारा पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि क्राफ्टरूट्स ग्रामश्री संस्था की शाखा है जो 2008 से भारत की पारंपरिक ओर सांस्कृतिक कलाओं के साथ कई पीढ़ियों से संभाले हस्तकलाओ के कारीगरो को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करती है। इसके साथ में लोगो में हस्तकला के प्रति जागरुकता लाने का प्रयास किया जाता है। क्राफ्टरूट्स ने अब तक 76 प्रदर्शनी भारत के विविध मेट्रो शहरों एवं दुबई, अमेरिका, सिंगापुर आदि देशों में लगाई हैं।

सभी प्रदेशों के 35 हजार से ज्यादा कारीगरो के साथ जुड़ी क्राफ्टरूट्स संस्था कानपुर में होने वाली प्रदर्शनी में भारत के 22 प्रदेश के 100 से ज्यादा कारीगरों के 100 से अधिक हस्तकलाओ को प्रदर्शित करेगी। जिनमें पट्टचित्र (ओडिशा), लाख की चूड़ियां (राजस्थान), कांच की कलाकृतियां (उत्तर प्रदेश) मिनिएचर पेंटिंग (राजस्थान) जैसी हस्तकलाओं का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया जाएगा।

प्रदर्शनी की जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

लगाम कसी — वसूली कम होने पर सख्ती, 301 बकायेदारों को नोटिस

बड़े बकायेदारों को नगर निगम का कुर्की का नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम ने बड़े बकायेदारों पर लगाम कसना शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने आदेश दिए हैं कि हर जोन के बड़े 10 बकायेदारों की सूची तैयार कर नगर निगम मुख्यालय व जोनल कार्यालयों में लगायी जाए। चालू वित्तीय वर्ष में 750 करोड़ रुपये राजस्व लक्ष्य रखा गया है इसके सापेक्ष अभी तक 190 करोड़ रुपये वसूली हो पायी है। जिसके बाद यह कार्रवाई शुरू की गई है।

नगर निगम को अब छह माह में 560 करोड़ रुपये वसूली करनी है। इसको लेकर जोन पांच के जोनल प्रभारी अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि बकायेदारों की सूची तैयार करके नोटिस देने जा रहे है। नगर निगम ने कुर्की का विज्ञापन भी निकाला है। जोन पांच ने केडीए की बर्रा व रतनलाल में स्थित 10 इमारतों समेत 301 बकायेदारों को नोटिस दी है। समय पर बकाया नहीं जमा करने पर आठ अक्टूबर से तीन नवंबर तक अभियान चलाया जाएगा। जोन पांच की सूची तैयार करके नोटिस देने जा रहे है। नगर निगम ने कुर्की का विज्ञापन भी निकाला है। जोन पांच ने केडीए की बर्रा व रतनलाल में स्थित 10 इमारतों समेत 301 बकायेदारों को नोटिस दी है। समय पर बकाया नहीं जमा करने पर आठ अक्टूबर से तीन नवंबर तक अभियान चलाया जाएगा। जोन पांच ने केडीए की 10 बिल्डिंगों समेत 301 लोगों को नोटिस भेजी है। बकाया न जमा करने पर आठ अक्टूबर से कुर्की की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके अलावा अन्य पांच जोनों ने भी बकायेदारों के जोनल प्रभारी अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि बकायेदारों की सूची जोनल कार्यालय के साथ ही वार्ड कार्यालयों में लगायी जाएगी। साथ ही विज्ञापन भी निकाला गया है। लगभग 14.23 करोड़ रुपये 301 बकायेदारों पर है। इसके अलावा अन्य बकायेदारों की सूची तैयार की जा रही है।

- गृहकर न देने पर अखबार में कुर्की का दिया विज्ञापन

प्रभारियों का लक्ष्य तय

- नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने सभी जोनल प्रभारियों को आदेश दिए हैं कि रोज वसूली लक्ष्य तय किया जाए और रोज समीक्षा हो लापरवाही बरतने वाले कर अधीक्षक और राजस्व निरीक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिनके बिल गड़बड़ है उसको जल्द ठीक कराके जमा कराया जाए। समीक्षा बैठक में लापरवाही मिलने पर बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही सभी जोन बकायेदारों को नोटिस दे और कार्रवाई शुरू करे।

जिलाधिकारी से किया वादा पूरा नहीं कर सका सेतु निगम

कानपुर। राज्य सेतु निगम के अधिकारियों ने 16 सितंबर को जिलाधिकारी से निर्माणाधीन जयपुरिया पुल की एप्रोच रोड 30 सितंबर तक बनाने का वादा किया था। लेकिन अपने वादे पर सेतु निगम के अधिकारी खरे नहीं उतर सके और न ही सेतु निगम के अधिकारी तीन अक्टूबर तक एप्रोच रोड बना सके। उप परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र कुमार सुमन ने बताया कि एप्रोच रोड बनाने के लिए मिट्टी दबा दी गई है और कंक्रीट आदि का कार्य हो रहा है। डिवाइडर पर सेफ्टी जाली लगाने और बिजली पोल का कार्य हो रहा है। बारिश की वजह से थोड़ा विलंब हुआ है।

दुख और चिंता में युवक ने दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कृष्णा शुक्ला।

अमृत विचार। एक माह पहले मां के छोड़ जाने का दुख और प्रेमिका से शादी की चिंता। उस पर दोस्त 10 हजार रुपयों का तगादा करने लगा। इसी तनाव में सेन पश्चिमपारा में युवक घर पर खुद को अकेला पाकर फंदे से लटक गया। मिलने पहुंची प्रेमिला ने फंदा काटकर उसके वृद्ध पिता को सूचना दी। परिजनों में कोहराम मच गया। युवक ने पहले भी आत्महत्या का प्रयास किया था। डेढ़ साल पहले डाई पीने का पता चलने पर परिजनों ने बचा लिया था।

यशोदानगर निवासी 20 वर्षीय युवक कृष्णा शुक्ला ने स्टॉल से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता सुरेश चंद्र शुक्ला ने बताया कि उनके कोई संतान नहीं थी, इसलिए रावतपुर गांव में रहने वाली साली प्रतिभा उर्फ बबली से उनका सबसे छोटा बेटा कृष्णा को गोद लिया था। जब वह एक साल का था। कृष्णा की पढ़ाई दसवीं तक ही थी, लेकिन कंप्यूटर का अच्छा जानकार था। मौजूदा समय में वह उनके साथ ही कृष्णापुरम स्थित एक आटो मोबाइल शोरूम में बीमा क्लेम का काम कर रहा था। गुरुवार वह ड्यूटी पर थे, जबकि बेटा घर पर अकेला था। शाम को उसने कमरे में फांसी लगा ली। इसी बीच उसकी प्रेमिका घर पहुंची और बेटे को फंदे से पर लटका देख लिया। उसने फंदा काटकर नीचे उतारा और उन्हें खबर दी। वह जब तब पहुंचे अस्पताल में डॉक्टर ने बेटे को मृत घोषित कर दिया। पिता ने बताया कि अभी 28 अगस्त को ही उनकी पत्नी पुष्पा शुक्ला की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। जिससे बेटा दुखी था। प्रेमिका से ही शादी करने की जिद को लेकर भी तनाव में था। इसी बीच मां के अंतिम संस्कार में कर्ज लिया रुपया भी उसका दोस्त बार-बार तगादा करने लगा। इसी तनाव में बेटे यह कदम उठा लिया, जबकि छह अक्टूबर को पैसा लौटाने व उसकी शादी प्रेमिका से ही कराने की बात कही थी। गोद लिए बेटे का शव देखकर सुरेश चंद्र फफक पड़े।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

दंपती व युवक से मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। सचेंडी में सोना गांव में दंपती से मारपीट की गई। पीड़िता आशा देवी पत्नी सत्य प्रकाश ने पुलिस को बताया कि पति दवा लेने बेटे शिव कश्यप के साथ किशननगर जा रहे थे। तभी गांव के मिथुन कश्यप उर्फ सचिन, राजा और नीरा ने मारपीट की। वह बचाने पहुंची तो उन्हें भी पीटा और जान से मारने की धमकी दी। इसी तरह अकबरपुरवा के पीड़ित सर्वेश कुमार ने तहरीर देकर बताया कि वह ओमप्रकाश यादव की दुकान पर बैठा था, तभी गांव के अभय यादव, सीटू यादव और शिवबली चंदेल आए और उसे पीटा। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

सपा कार्यालय में मासिक बैठक आज

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में शनिवार को दोपहर तीन बजे पदाधिकारियों, कार्य समिति के सदस्यों, विधायक, पूर्व विधायक, विधानसभा अध्यक्षों व फ्रंटल एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों के बीच मासिक बैठक होगी। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

युवक से मारपीट कर लूट का आरोप

कानपुर। सचेंडी के भैलामऊ निवासी मोनू कमल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि 22 सितंबर को गांव का अन्नू पाल नशे में उसकी दुकान आया और कर्मचारियों से मारपीट की। अगले दिन साथियों के साथ उसके घर और दुकान में घुसा। आरोप है कि दबंगों ने जमकर तोड़फोड़ की और गुल्लक से तीन हजार रुपये लूट ले गए।

ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को 9 विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया को डीएलएस मैथड से मिली जीत, 25 ओवरों में 160 रन बनाने थे, 16.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाते ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाड़ी हार्वे और कोनोलेन।

मैच देखने के लिए उमड़े दर्शक। अमृत विचार

अमृत विचार। ऑस्ट्रेलिया ए ने शुक्रवार को ग्रीनपार्क में खेले गए दूसरे एक दिवसीय मैच में भारत ए को 9 विकेट से हरा दिया। मैच के बीच में शुरू हुई बारिश के बाद ऑस्ट्रेलिया ए को 25 ओवरों में कुल 160 रन का नया टारगेट मिला था। जिसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 16.4 ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर बना लिया। ऑस्ट्रेलिया ए के सलामी बल्लेबाज मैकेंजी हार्वे के 70 और कूपर कोनोली के नाबाद 50 रन की बदौलत टीम ने जीत दर्ज की। टीम का महज एक विकेट जेक फ्रेजर-मैकगर्क के रूप में गिरा उन्होंने 20 गेंदों में तेज 36 रन बनाए। भारतीय गेंदबाज निशांत सिंधु को मात्र एक सफलता मिली। अब दोनों ही टीम सीरीज में 1-1 से बराबरी पर आ गई हैं। रविवार को आखिरी व फाइनल मुकालबा होगा।

शुक्रवार को भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच ग्रीनपार्क में खेले जा रहे दूसरे एक दिवसीय मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत खराब रही। टीम के तीन बड़े विकेट महज 17 रनों पर गिर गए। पहले एशिया कप के शानदार परफॉर्मर अभिषेक शर्मा, फिर प्रभसिमरन उसके कप्तान श्रेयश अय्यर एक के बाद एक आउट होकर पवेलियन लौट गए। दूसरे ओवर पहली गेंदपर भारतीय बल्लेबाज एशिया टीम में जलवा बिखेर कर आए अभिषेक शर्मा बिना खाता खोते पवेलियन लौट गए। जैक एडवर्ड ने उन्हें कैच आउट कराया। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह (1) भी तीसरे ओवर की दूसरे गेंद पर कैच आउट हो गए। विल सदरलैंड ने उन्हें चलता किया। महज 6 रन पर दो विकेट भारत के गिर गए। जिसके बाद क्रीज पर भारतीय टीम के कप्तान श्रेयश अय्यर और एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ जीत दिलाने वाले तिलक वर्मा आए और रन स्कोर को गति दी। क्रीज पर आते ही तिलक वर्मा ने एक चौका लगाया साथ ही श्रेयस अय्यर ने भी दो बाउंड्री लगाकर टीम के ऊपर बने प्रेशर को कम करने का प्रयास किया। लेकिन, छठे ओवर की तीसरी गेंद पर भारत को एक और बड़ा झटका लगा। कप्तान श्रेयश अय्यर (8) को जैक एडवर्ड ने क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद भारतीय ए टीम के 17 रन पर 3 विकेट गिर गए। रियान पराग और तिलक वर्मा ने क्रीज पर आकर टीम को संभाला और स्ट्राइक को रोटेट करने पर ध्यान दिया। 23वें ओवर की 5वीं गेंद पर रियान पराग (58) आउट हो गए। रियान पराग ने अपनी पारी के दौरान 6 चौके और एक छक्का लगाया। इसके तुरंत बाद क्रीज पर आए निशांत सिंधु (01) भी 24वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हो गए। 118 और 119 क्रमशः के स्कोर पर टीम को दो झटके लगे। इसके बाद खेलने आए सुयाँश शेडगे 27वें ओवर की 5वीं गेंद पर 10 रन पर आउट हो गए। दूसरी ओर पर क्रीज पर खड़े तिलक वर्मा ने 29वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया। टीम ने इस समय तक 6 विकेट गवां कर 146 रन बना लिए थे। हर्षित राना के रूप में भारत को सातवां झटका लगा। 169 रन के कुल स्कोर पर हर्षित कैच आउट हो गए। आठवें डाउन पर खेलने उतरे युद्धवीर सिंह भी 35वें ओवर की पहली गेंद पर टीम के 184 रन के स्कोर पर आउट हो गए। 9वें डाउन पर उतरे रवि बिश्नाई ने आकर तिलक वर्मा का साथ दिया और एक के बाद एक कई बड़े शॉट लगाए। रवि बिश्नोई टीम के जब 218 रन थे, तनवीर सांघा की गेंद पर कैच थमा बैठे। टीम के 9 विकेट गिरने के बाद मैदान पर अर्शदीप खेलने आए वह 5 गेंद पर 10 रन बनाकर नॉट आउट रहे। तिलक वर्मा शतक बनाने के चक्कर में कैच आउट हो गए। उन्होंने अपनी 94 रन की शानदार पारी के दौरान 5 चौके और 4 छक्के लगाए। भारत की पूरी टीम 45.5 ओवरों में ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज जैक एडवर्ड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। तनवीर सांघा और विल सदरलैंड ने भारत ए के 2-2 विकेट चटकाए।

- भारत ए की टीम पहले खेलते हुए 45.5 ओवरों में 246 रन पर ऑल आउट हुई थी

राजीव शुक्ला भी मैदान में पहुंचे

- दूसरे एक दिवसीय मैच में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी पहुंचे। हालांकि वह मीडिया से इस दौरान दूर रहे। उन्होंने ड्रेसिंग रूम पहुंचकर खिलाड़ियों और यहां आयोजन को देख रहे अधिकारियों से मुलाकात की।

बहन की शादी छोड़ मैच खेलने पहुंचे अभिषेक

- **कानपुर।** भारतीय क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की बहन कोमल की शादी शुक्रवार को अमृतसर में धूमधाम से हुई। लेकिन, शादी में अभिषेक शर्मा शामिल नहीं हो सके। उन्होंने बहन की शादी से ज्यादा मैच में भाग लेना उचित समझा। परिवार, रिश्तेदार और करीबी मित्र बड़ी संख्या में शामिल हुए लेकिन अभिषेक शर्मा के शामिल न होने की खबरों ने मैदान से लेकर सोशल मीडिया में जमकर सुर्खियां बटोरीं।

पूर्व कानूनगो के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच शुरू

कानपुर। भ्रष्टाचार में लिप्त के आरोपी कानूनगो से लेखपाल बनाने गये आलोक दुबे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से दर्ज मामलों में पुलिस चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर चुकी है और अब एक नयी मुसीबत में पूर्व कानूनगो फंसते दिखाई दे रहे हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण विभाग ने 30 करोड़ की संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी जीतेंद्र प्रताप सिंह द्वारा भ्रष्टाचार निवारण विभाग को लिखे गए पत्र के बाद आलोक दुबे को भ्रष्टाचार निवारण विभाग ने पूछताछ के लिए तलब किया है। दरअसल एक फरियादी संदीप सिंह ने दिसंबर 2024 में जिलाधिकारी से फर्जी प्रपत्रों के माध्यम से चार बीघा जमीन बेचने की शिकायत की थी। जांच में हेराफेरी में तत्कालीन कानूनगो आलोक दुबे का नाम सामने आया था। जिलाधिकारी ने फरवरी 2025 में उसे निलंबित कर दिया और एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी। कमेटी की जांच में सामने आया कि आलोक ने 41 बैनामा कराए जिनकी कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये है। भूमि अध्यापित विभाग में भी आलोक दुबे और उनके परिजनों के नाम पर 35 बीघा जमीन दर्ज पाई गई। पूर्व कानूनगो पर आरोप है कि उन्होंने रिंग रोड परियोजना में भूमि अधिग्रहण के दौरान भ्रष्टाचार करके आय से अधिक संपत्ति जुटाई। इस मामले में आलोक दुबे की भ्रष्टाचार में गर्दन फंस चुकी है।

पद्मश्री श्यामलाल गुप्त पार्षद वाटिका फूलबाग में समाजसेवियों का सम्मान किया गया। अमृत विचार

वैश्य समाज के समाजसेवियों का सम्मान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद द्वारा पद्मश्री श्यामलाल गुप्त पार्षद वाटिका फूलबाग में वैश्य समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान किया गया। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी पर दी गई छूट से जनता को मिली राहत की सराहना की गई।

भारतीय वैश्य एकता परिषद कानपुर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमंत गुप्ता व नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता एवं वरिष्ठजनों द्वारा दीप प्रज्जविलत एवं ईश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सम्मान पाने वाले हमारे समाज के भामाशाह हैं जिनकी वजह से आज देश एवं समाज प्रगति कर रहा है और हम गौरवान्वित हो रहे हैं। केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहते हैं कि उन्होंने देश को जीएसटी में बड़ी राहत दी है। सरकार ने आम जनता के इस्तेमाल में आने वाली चीजों पर टैक्स हटा दिया है। इंश्योरेंस, दवा, पाठ्यक्रम सामग्री से टैक्स हटा दिया जिससे आम जनता को बहुत लाभ मिलेगा क्योंकि सामान सस्ते हो जाएंगे। कहा गया कि 2027 में होने वाले विस चुनाव की तैयारी अभी से करना होगा। सम्मान पान वालों में कृष्ण कुमार अग्रवाल, मुन्ना बाबू, रामेश्वर गुप्ता, लाला भैया, पीसी कुरेले, रानी जायसवाल, सत्यनारायण नेवटिया, अंबिका प्रसाद गुप्ता, सुरेश गुप्ता, कुंज बिहारी गुप्ता एवं श्री चंद्र प्रकाश ओमर आदि थे। सम्मान डॉक्टर सुमंत गुप्ता व एमएलसी सलिल विश्नोई ने किया। कार्यक्रम में जय माहेश्वरी, धर्म प्रकाश गुप्ता, रवि गुप्ता, विनोद गुप्ता, राम प्रकाश ओमर, अजय मित्तल, वंदना गुप्ता, रमेश गुप्ता,दिनेश गुप्ता, स्वतंत्र अग्रवाल, किशन केसरवानी, अखिलेश गुप्ता, सरोज गुप्ता, पार्षद विकास जायसवाल एवं अमित गुप्ता आदि थे।

आराध्या शुक्ला बनीं एक दिन की थानेदार

कल्याणपुर संवाददाता। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को थाना पनकी परिसर में आठवीं की छात्रा आराध्या शुक्ला ने फीता काटकर मिशन शक्ति केन्द्र का उद्घाटन किया। जिसे महिला संबंधित अपराधों में पीड़िता को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहीं महिला उप निरीक्षक वंदना व सुरभि ने थाने पहुंची अन्य छात्राओं व समाजसेवी महिलाओं को मिशन शक्ति-5 के अंतर्गत जागरूक करते हुए उनकी सुरक्षा हेतु संचालित सभी हेल्पलाइन नम्बरों जैसे 1090, 108, 1098, 181, 112, 1076 आदि की विस्तृत जानकारी दी। इसी के साथ हेलेन पब्लिक जूनियर स्कूल की आठवीं की छात्रा आराध्या शुक्ला को एक दिन के लिए पनकी थाना प्रभारी भी बनाया गया। इस दौरान विधिक प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर पनकी रतनपुर से मारपीट की शिकायत करने आए पीड़ित की बात सुन थाना प्रभारी आराध्या ने संबंधित चौकी प्रभारी को मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

आराध्या शुक्ला ने थाना प्रभारी की कुर्सी संभाली। अमृत विचार

रजिस्ट्री सेवा बंद करने के विरोध में प्रदर्शन, मानव श्रृंखला बनाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोल चौराहा स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा पर विश्व ट्रेड यूनियन फेडरेशन (डब्ल्यूएफटीयू) ने रजिस्ट्री सेवा बंद करने के खिलाफ प्रदर्शन किया और मानव श्रृंखला बनायी।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के संयोजक असित सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के तहत पोस्टल सर्विस की रजिस्ट्री सेवा बंद की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा चलाई जा रही कोरियर सेवा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ही रजिस्ट्री सेवा बंद की गई है। ऐसे में अब जनता के सामने कोई भी दस्तावेज या पार्सल भेजने के लिए सिर्फ स्पीड पोस्ट सेवा का ही विकल्प रह गया है और स्पीड सेवा का मूल्य अधिक होने के कारण आम जनमानस पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। असित कुमार सिंह ने कहा कि आंदोलन निरंतर जारी रहेगा और जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा और सरकार की जनविरोधी नीतियों का खुलासा किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों में उमेश शुक्ला, गौरव दीक्षित,तारणि कुमार पासवान, राजीव खरे, राणा प्रताप सिंह, रमेश सिंह भदौरिया,मोहम्मद वसी, योगेश ठाकुर, एसएएम जैदी, आरपी कनौजिया, छवि लाल,आरपी श्रीवास्तव, ओपी रावत, उमाकांत, चंदन सिंह आदि शामिल थे।

गोल चौराहा पर मानव श्रृंखला बनाते श्रमिक नेता। अमृत विचार

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मैं **शिवा वर्मा पुत्र अशोक कुमार वर्मा निवासी– पार्षद चौराहा गाज़ीपुर बलराम फाइजुलागंज थाना माड़ियाव लखनऊ** की हाई स्कूल की अंक तालिका रोल नम्बर 1197884 ./2010(एल पी एस लखनऊ) वास्तव मे कही खो गई है ।

सूचना

सूचित हो कि मै **सूरज कुमार सिंह पुत्र प्रमोद कुमार सिंह, ग्राम व पोस्ट –भीलमपुर, तहसील –मछली शहर, जनपद– जौनपुर**, मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड में सूरज कुमार सिंह पुत्र प्रमोद कुमार सिंह अंकित है जबकि मेरे हाईस्कूल प्रमाण–पत्र में सूरज कुमार है। जबकि सूरज कुमार सिंह व सूरज कुमार दोनों एक ही व्यक्ति है। सूरज कुमार सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र उसैद उमर व उसकी पत्नी ऐमन को उनके खराब चाल–चलन व मेरे प्रति खराब आचरण के कारण उन्हें अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अतः इन दोनों व इनके बच्चों द्वारा किये गये किसी भी गलत कृत्यों व लेन–देन की जिम्मेदारी उसैद उमर व उसकी पत्नी ऐमन व बच्चों की होगी और मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **कैसर जहां पत्नी स्व0 मो0 उमर नि0 मो0 देवीस्थान, कस्बा एवं थाना एवं तह0 मोहम्मदी, जिला लखीमपुर खीरी।**

सूचना

मैं MUSHTAQ AHMAD पुत्र ABDUL HALEEM निवासी:– ग्राम हरैया पो. बहरामपूर, जिला– गोरखपुर का निवासी हूँ, मेरे नाम में MUSHTAQ की स्पेलिंग MUSTAQ लिख गई है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में हर जगह MUSHTAQ अंकित हैं, आज से व भविष्य में मेरे नाम MUSTAQ AHMAD की जगह MUSHTAQ AHMAD ही लिखा जाये, जो पूर्णता सही हैं।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **डेडू पुत्र लाल बहादुर, निवासी– 220 कच्ची बस्ती अम्बेडकर नगर जूही कालोनी कानपुर नगर।** मेरे बचत खाता संख्या–316001000064425 में मेरा नाम डेडू कुमार दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड में वास्तविक नाम डेंडू दर्ज है जो सत्य व सही है।अतः मेरा वास्तविक नाम मेरे खाते में डेडू कुमार के स्थान पर डेडू अकित किया जाय।

सूचना

मैं **कुसुम तिवारी पत्नी श्री अष्टभुज प्रसाद निवास– म. न. 27, पुरदिलपुर, गोरखपुर, उ.प्र.** का नाम भारतीय स्टेट बैंक के शेयर प्रमाणपत्र स. 000174630 में कुसुम त्रिपाठी अंकित है जबकि मेरे आधार व पेन कार्ड में मेरा नाम कुसुम तिवारी है। मैं घोषणा करती हूं कि कुसुम त्रिपाठी व कुसुम तिवारी दोनों नाम मेरे ही हैं।

Public Notice

This is to inform all concerned that I, Mohd Tauheed Malik, son of Mohd Salman Hashmi, resident of Bhaggapurwa, Nanpara Dehati, District Bahraich, hold High School Roll Number 24CSC0903 (Jamia Millia Islamia, New Delhi).Due to an error, my father's name appears as "Salman Hasmi" in my result. The correct and full name is Mohd Salman Hashmi, which is true and recognized.—Mohd Tauheed Malik

गांधी जयंती

तिलक हॉल में कांग्रेस ने मनाई गांधी जयंती, शास्त्री जी को भी नमन किया

चरखा काता, सर्वधर्म प्रार्थना के साथ गूंजा रघुपति राघव राजाराम

कार्यालय संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। गांधी एवं शास्त्री जयंती पर कांग्रेसियों ने एक स्वर में 'रघुपति राघव राजाराम एवं वैष्णव जन ते तेने कहिए जो पीर पराई जाने रे गीत पर सामूहिक चरखा कताई और सर्वधर्म प्रार्थना की। कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी एवं पं. लाल बहादुर शास्त्री को नमन किया।

कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में तिलक हॉल में आयोजित कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ नेता एवं उपाध्यक्ष शंकर दत्त मिश्रा ने किया। इस मौके पर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने महात्मा गांधी के सत्य-अहिंसा, सहिष्णुता के सिद्धांतों को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के मूल को जीवन मे उतारने की आवश्यकता है। इस मौके पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी की गई। श्रीमद् भागवत गीता, कुरआन, बाइबिल व गुरुग्रन्थ साहिब के सामायिक अंशों का पाठ क्रमशः पंडित कुशल मिश्रा, इम्तियाज अहमद, सैमुअल लकी सिंह व सरदार जसप्रीत सिंह ने किया। हरप्रकाश अग्निहोत्री, मदन मोहन शुक्ला, श्यामदेव सिंह, निजामुद्दीन खां, विकास सोनकर, राकेश साहू, उमा शंकर तिवारी, हलीमुल्ला खां, विपिन कुमार, सजल तिवारी, कर्मवीर सिंह, हाजी कौसर सोलंकी, बैतूल खां मेवाती, संतोष त्रिपाठी, वसुंधरा वर्मा, विनोद अवस्थी, शाकिर अली उस्मानी, ध्रुव नारायण तिवारी, राम आश्रय पाल, राजेश गौतम, डॉक्टर महादेव, सुरेंद्र भदौरिया, आसिफ इकबाल, आसिफ भाई व राजू कश्यप आदि थे।

तिलक हाल में गांधी जी-शास्त्री जी को पुष्प अर्पित करते कांग्रेसी। अमृत विचार

गोडसे के आदर्शों पर चल रही भाजपा सरकार : सपा

- **कानपुर।** नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में गुरुवार को सपाइयों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अपना आदर्श न मानकर गोडसे के आदर्शों पर चलकर देश के संविधान व लोकतंत्र की खुलेआम धज्जियां उड़ा रही है। भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों व विचारों को देश के पूंजी पतियां के हाथों बेच दिया है। किसान व जवान दोनों परेशान है। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महेंद्र सिंह, सत्यनारायण गहरवार, चंदी गुप्ता, गुड्डू यादव समेत आदि लोग रहे।

स्वच्छता ही स्वस्थ समाज की आधारशिला

- **कानपुर।** महात्मा गांधी जयंती पर कानपुर नगर निगम द्वारा संचालित 156 घंटे का अनवरत स्वच्छता अभियान का समापन गुरुवार को हुआ। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर मोतीझील नगर निगम पहुंचे अभियान में नगर आयुक्त सुधीर कुमार एवं महापौर प्रमिला पांडेय ने स्वागत किया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। नगर आयुक्त ने शहरवासियों ने कहा कि स्वच्छ जीवन शैली सभी को अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने घर, मोहल्ले एवं शहर को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान देना चाहिए। महापौर प्रमिला पांडेय ने गंदगी रूपी रावण का दहन किया इस दौरान नगर निगम टीम भी रही। महापौर ने कहा कि नगर निगम के सभी सफाई कर्मचारियों को वर्ष में दो बार वर्दी उपलब्ध कराई जाएगी। यह कदम सफाई कर्मचारियों के परिश्रम को सम्मान एवं प्रोत्साहन स्वरूप उठाया जा रहा है। साथ ही भविष्य में सफाई कर्मियों को प्रोत्साहित करने हेतु पृथक योजनाएं भी तैयार की जाएंगी।

डीएम ने सेनानियों को परिजनों को सम्मानित किया। अमृत विचार

सेनानियों के परिजनों का सम्मान

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उनके उत्तराधिकारियों धर्म कुमार सिंह, सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, हरीराम गुप्ता, राम कुमार सिंह स्वतंत्र, जोगिन्दर सिंह बाजवा, मृगांक शेखर आनंद, चन्द्रभान सिंह गौर, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, आरके निगम, रामदुलारे गुप्ता, राजेश कुमार शर्मा, विष्णु दीक्षित, विष्णु गुप्ता, अखिलेश अवस्थी और गौरव सिन्हा आदि को सम्मानित किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दोनों महान विभूतियों को नमन किया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में रामधुन 'रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीताराम' तथा 'दे दी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल' जैसे गीतों का गायन हुआ। अपर जिलाधिकारी न्यायिक चंद्रशेखर ने भी महात्मा गांधी को नमन किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विवेक चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

दो दिन लगेगा शिविर

कानपुर। सीएसजेएमयू के कैंपस की एनएसएस अटल इकाई-1 और यूनिट-1 द्वारा शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर इंद्रानगर आनंदमठ मंदिर में 5 अक्टूबर को लगाया जाएगा। टिक्कनपुरवा कॉम्पोज़िट स्कूल में 8 अक्टूबर को शिविर लगेगा। दोनों स्थानों पर सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक स्थानीय नागरिकों को निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं परामर्श दिए जाएंगे।

उर्स मनाया

कानपुर। तंजीम बरेलवी उलमा-ए-अहले सुन्नत ने चिश्ती नगर में शहंशाहे बगदाद सरकार गौस-ए-आजम अब्दुल कादिर जीलानी को खिराजे अकीदत पेश किया और इमाम अहमद बिन हम्बल का उर्स मनाया। हाफिज शादाब की सपरस्ती में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता तंजीम के सदर हाफिज व कारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी ने की। मौलाना मुर्तजा हुसैन शरीफी ने विचार रखे। इस मौके पर मोहम्मद वसीम लाइट वाले, शाहनवाज अंसारी, सैयद शाबान, मोहम्मद नौशाद, मुख्तार भाई, मोहम्मद इरफान, पप्पू भाई, सलीम आदि थे।

आज होगा जगन्नाथ महोत्सव

कानपुर। टाटमिल चौराहा स्थित रॉयल गार्डन में शनिवार को श्री ओम जय जगदीश मंडल परिवार द्वारा श्री जगन्नाथ महोत्सव व गोल्डी डांडिया रास का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे भगमवान जगन्नाथ का दरबार सजाया जाएगा। डांडिया रास और विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी।

दशहरे की धूम, आतिशबाजी के बीच रावण के पुतलों का दहन

परेड मैदान में लेजर शो और आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, मैदानों पर मेलों में उमड़े हजारों लोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में गुरुवार को शहर में विजयदशमी की धूम रही। रामलीला मंचन और रावण दहन को देखने के लिए मैदानों में शहरी उमड़े। परेड में लेजर शो और आतिशबाजी सभी के आकर्षण का केंद्र रहीं। स्वयप नगर और मोतीझील में भी भारी संख्या में दर्शक रावण दहन देखने आए। देर रात तक शहर में दशहरे का उत्साह रहा।

दहशरे पर परेड में रामलीला सोसाइटी की ओर से आयोजित रामलीला में लोग उत्साह के साथ पहुंचे। यहां पर शहरवासियों ने सबसे पहले शोभा यात्रा के दर्शन किए। दशहरा पर्व पर शोभा यात्रा को देखने के लिए विभिन्न मार्गों पर भक्त कतार से खड़े हुए। रास्ते में शोभा यात्रा का कई जगहों पर आरती कर स्वागत किया गया। परेड मैदान पर पहुंचने के बाद हुई रामलीला शुरु हुई। इस दौरान मंत्री राकेश सचान ने प्रभु की आरती कर स्वागत किया।

रामलीला में कलाकारों ने अपने अभिनय और संवाद से सभी का दिल जीता। खासतौर पर प्रभु राम व लंकेश के अंतिम युद्ध को देखते हुए शहरवासी उत्साहित रहे। प्रभु राम की ओर से चलाए गए दिव्य बाण जैसे ही लंकेश की नाभी पर लगा मैदान जयश्री राम के जयघोष के साथ गूंज उठा। इस बीच लेजर शो ने भी सभी का मन खींचा। उधर रावण दहन से पहले हुई आतिशबाजी को देख शहरवासी चकित हो उठे। खासतौर पर आसमानी आतिशबाजी को सभी ने पसंद किया।

इसके बाद दशानन के पुतले में जैसे ही आग लगी अट्टाहास करते हुए उसने सभी को आकर्षित किया। इसी तरह स्वरूप नगर, मोतीझील, नवाबगंज, गोविंद नगर, रेल बाजार, श्याम नगर सहित अन्य इलाकों में भी पुतला दहन हुआ।

परेड में जलता रावण का पुतला। अमृत विचार

परेड में की गई आतिशबाजी। अमृत विचार

भरतजी के निकले आंसू

- रामलीला सोसाइटी परेड की ओर से शुक्रवार को भरत मिलाप की लीला आयोजित हुई। श्री राम लीला भवन मेस्टन रोड में हुए मंचन को देखने के लिए भक्त आतुर रहे। लीला के दौरान भरतजी, शत्रुघनजी, प्रभु राम की बाट जोह रहे वीर हनुमान जी ने अयोध्या आ कर रामजी आगमन की सूचना भरत जी को दी। इस सूचना पर भरतजी व्याकुल-भावविभोर इंतजार कर ही रहे थे कि प्रभु राम ,लक्ष्मण,माता, जानकी सहित अयोध्या पहुंचे भरत, शत्रुघन, रामजी व लक्ष्मण का अति भावपूर्ण मिलन हुआ। लीला देख दर्शनार्थियों की आंख भर आईं। चारों प्रभु राम के जयकारे गूंजनें लगे। चारों भाइयों की आरती हुई। जिसमें राम लीला सोसाइटी के अध्यक्ष महेंद्र मोहन गुप्त, प्रधानमंत्री कमलकिशोर अग्रवाल, मंत्री अमरनाथ मेहरोत्रा, आलोक अग्रवाल, संरक्षक राकेश गर्ग, उपाध्यक्ष लालजी शुक्ल, वीरेंद्र अग्रवाल दिनेश गोयल ने आरती की।

नौबस्ता में शस्त्र पूजन, मेधावी छात्राओं का सम्मान

- नौबस्ता में एक निजी मैरिज हॉल में अभिमन्यु क्षत्रिय सभा ने विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन और मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया। समाज की दो मेधावी छात्राओं को बोर्ड परीक्षा में अव्वल आने पर साइकिल भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि के रूप में फतेहपुर के पूर्व विधायक विक्रम सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि क्षत्रियों को एक प्लेटफार्म पर आना होगा, तभी समाज का उत्थान हो पाएगा। विजयादशमी अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष पंकज तोमर ने लोगों से समाज के कमजोरों की मदद करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जीत प्रताप सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर डॉ यूएस सिंह, मनोज भदौरिया, शिव प्रताप परिहार, हर्ष तोमर, नरेंद्र सिंह एवं देवेंद्र सिंह मौजूद रहे

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

किदवई नगर में शस्त्र पूजन किया गया। अमृत विचार

किया शस्त्र एवं शास्त्र पूजन

किदवई नगर स्थित हनुमंत गुरुकुल आश्रम प्रांगण में वीरेन्द्र सिंह वैवाहिक मंच द्वारा संचालित महिला मंडल के सदस्यों ने 14 वां नवरात्रि उत्सव के समापन पर शस्त्र एवं शास्त्र पूजन किया। नीलम चौहान की अगुवाई में वैदिक मंत्रोचारण के साथ आए हुए अतिथियों ने पूजन किया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज सिंह भदौरिया एवं राम प्रकाश सिंह रघुवंशी एवं प्रमुख समाजसेवी तथा आयोजक वीरेन्द्र चौहान थे। अनूप तिवारी, अमित राठौर, रामप्रकाश सिंह, विजय सिंह, सुषमा सेंगर, शालिनी सिंह, रानी तिवारी, अंजू द्विवेदी, पूनम सिंह, नीलम चौहान, सीमा सिंह, सत्यभान सिंह, जितेंद्र राठौर, पंकज राजावत रहे।

लाफिंग बुद्धा अकादमी में दशहरा मनाया गया। अमृत विचार

स्कूल में मना दशहरा पर्व

कानपुर। लाफिंग बुद्धा अकादमी में दशहरा उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मनमोहक झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में रावण दहन ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। डांडिया का आयोजन सबसे खास रहा। बच्चों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में नृत्य कर सबका दिल जीत लिया। इस अवसर पर सचिव संजय सचान, निदेशिका संध्या सचान तथा रीता, साधना, हर्षित, अंकित, प्रतीक सहित अन्य मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में बकरी की टूटी हड्डी पर किया गया परीक्षण सफल

अमृत विचार EXCLUSIVE

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईआईटी की विकसित की गई तकनीक से जोड़ी जा सकेगी हड्डी
- अब घायल व्यक्ति के हाथ-पैर काटने की जरूरत नहीं होगी

अमृत विचार। सड़क हादसे में अगर शरीर के किसी भी हिस्से की हड्डी का चूरा बन गया है तो अब घबराने की जरूरत नहीं है। आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो आपकी हड्डी को न सिर्फ जोड़ देगी बल्कि पूर्व की भांति ही सबकुछ सामान्य हो जाएगा। इस तकनीक से पैर या हाथ को कटने से भी बचाया जा सकेगा। इसका जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग में परीक्षण चल रहा है। फिलहाल बकरी पर किया गया परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा है। ऐसे में जल्द ही इस तकनीक पर ही घायलों का इलाज शुरू होगा। इस तकनीक में उपयोग किया जाने वाला एक्सोसोम पैक हड्डी के टूटे हुए हिस्से को तेजी से भर देता देता है और फिर मरीज पूर्व की भांति ही सामान्य जीवन जीने लायक हो जाता है।

सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। इसकी वजह है टूटी सड़कें, लापरवाही से वाहन चलाना। लोग ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। परिणाम स्वरूप कब कहां कौन सड़क हादसे का शिकार हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है। इन हादसों में लोगों के हाथ-पैर भी टूटते हैं। कई बार तो लोगों की हड्डियों का चूरा बन जाता है। हाथ- पैर काटने की स्थिति आ जाती है और चाहकर भी चिकित्सक नहीं बचा पाते हैं। बचा भी लेते हैं तो पीड़ित सामान्य जीवन नहीं जी पाता है।

इन समस्याओं को दूर करने के लिए ही आईआईटी ने ऐसी तकनीक एक्सोसोम पैक बनाई जो कारगर साबित हो रही है। इसके परीक्षण के लिए आईआईटी कानपुर और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बीच एमओयू हुआ था। तीन माह तक इसका परीक्षण होना है। एक्सोसोम पैक का सफल परीक्षण बकरी पर किया गया है। बकरी के एक पैर की हड्डी का एक छोटा टुकड़ा बीच से निकाला गया था और फिर उसके स्थान पर एक्सोसोम पैक लगाया गया। कुछ समय बाद जब चिकित्सकों ने देखा तो पाया कि वहां जो खाली स्थान था वह भर गया और हड्डी सामान्य से ज्यादा मजबूत हो गई। अब इसका उपयोग हादसों में घायल होने वालों के पैर पर किया जाएगा। इसके बाद हादसे में शरीर के जिस किसी हिस्से की हड्डी टूटेगी वहां इसका उपयोग उपचार के दौरान किया जाएगा।

ऐसे बचेगी हड्डी

- एक्सोसोम पैक में ग्रोथ फैक्टर होते हैं। ग्रोथ फैक्टर को एक पैक के रूप में तैयार किया गया है। जब किसी हादसे में घायल व्यक्ति के हाथ या पैर को काटने की स्थिति आएगी तो इसका उपयोग आसानी से किया जा सकेगा। सड़क हादसों में अक्सर हाथ या पैर की हड्डी चूरा बन जाती है और उस अंग को काटने की स्थिति आती है, लेकिन नई तकनीक इससे निजात दिला देगी। चूर हुई हड्डी के स्थान पर एक्सोसोम पैक को डाल दिया जाएगा जो उस हिस्से को मजबूती प्रदान करेगी और अंग को काटने से बचाएगी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि इस तकनीक का परीक्षण चल रहा है। बकरी पर परीक्षण सफल हुआ है। अब इसे एथिक्स कमेटी के सामने रखा जाएगा।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

मेडिकल कॉलेज में हुआ दशहरा महोत्सव व डांडिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में गुरुवार को आईएमए कानपुर शाखा व मेडिकल कॉलेज ने संयुक्त रूप से दशहरा महोत्सव और डांडिया रास का आयोजन किया। जिसमे डॉक्टर्स के साथ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, एसडीएम डॉ. ऋतुप्रिया सिंह, कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ.राकेश वर्मा व प्राचार्य प्रो. संजय काला शामिल हुए।

दशहरा महोत्सव में डॉक्टरों व विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक धुनुची नृत्य, देवी नवदुर्गा गरबा व डांडिया रास, श्रीराम की लीला पर आधारित नाट्यनाटिका, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, कपल डांस, रैम्प वॉक, रावण निर्माण प्रतियोगिता, मेडली सिंगिंग और अन्य संगीत प्रस्तुत किए गए। बच्चों व परिवार के सदस्यों के लिए विशेष किड्स जोन और स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान आईएमए के सचिव डॉ. विकास मिश्रा, चेयरपर्सन डॉ. नीलम मिश्रा, अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहोत्रा, सचिव डॉ. शालिनी मोहन, डॉ. रेनू सिंह गहलौत, उपाध्यक्ष डॉ. सी निहलानी, डॉ.ऋचा लूथरा, डॉ. दीपक श्रीवास्तव, डॉ. विशाल सिंह, कॉलेज की उप प्राचार्य डॉ. ऋचा गिरी, स्टाफ क्लब अध्यक्ष डॉ राकेश वर्मा, सचिव डॉ. यशवंत राव, कैंपस प्रभारी डॉ. संतोष बर्मन, आईएमए उपाध्यक्ष डॉ.कुणाल सहाय, डॉ. अमित सिंह गौर, डॉ. अंतरा डेबरॉय, डॉ. बृजेन्द्र शुक्ला, डॉ.आलोक गहलोत समेत आदि डॉक्टर मौजूद रहे।

बर्रा-6 में सड़क किनारे पड़ा मिला सफाई कर्मी का शव

कानपुर। बर्रा थानाक्षेत्र में गुरुवार सुबह सफाईकर्मी का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। इलाकाई लोगों की जानकारी पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। मौके पर पहुंचे परिवार ने हत्या की आशंका जताई हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने के चलते विसरा सुरक्षित रखा गया है।

गोविंद नगर के विवेकानंद कच्ची बस्ती में रहने वाले 55 वर्षीय मूलचंद्र हजारिया निजी सफाईकर्मी थे। परिवार में पत्नी संगीता और तीन बेटे सौरभ,गौरव और रौनक थे। परिजनों ने बताया कि बुधवार वह देर रात तक घर नहीं लौटे काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चला। गुरुवार सुबह बर्रा-छह स्थित शराब ठेके के पास उनका शव पड़ा मिला जिसकी बर्रा पुलिस ने उन्हें जानकारी दी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने के चलते बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

सिटी डायरी

फीता काटकर रेस्टोरेंट का शुभारंभ करते विधायक अमिताभ बाजपेई।

राहुल स्वीट्स की तीसरी ब्रांच खुली

कानपुर। राहुल स्वीट्स बेकरी एंड रेस्टोरेंट ने शहर में तीसरे प्रतिष्ठान की शुरुआत कर दी है। विजय नगर, पनकी के बाद नया प्रतिष्ठान श्यामनगर में शुरु हुआ है। तीसरे प्रतिष्ठान की शुरुआत विधायक अमिताभ बाजपेई ने की। कार्यक्रम में राहुल स्वीट्स के ऑनर घनश्याम गुप्ता , राहुल गुप्ता, अंकित गुप्ता , ऋषि गुप्ता मौजूद रहे।

स्वरूप नगर में आयोजित रामलीला में दर्शकों को संबोधित करते कमल शुक्ल बेबी।

पनकी में डांडिया के दौरान मौजूद दीपशिखा महिला मंडल की महिलाएं।

रामलीला में जय- जय श्रीराम का उद्घोष

कानपुर। स्वरूप नगर रामलीला पार्क में भव्य रामलीला का आयोजन निवर्तमान पार्षद कमल शुक्ल बेबी और रामलीला कमेटी द्वारा किया गया। भगवान राम - रावण युद्ध की लीला देख श्रद्धालु जय- जय श्रीराम का उद्घोष करने लगे। प्रभारी निरीक्षक थाना स्वरूप नगर सूर्यबली पांडे ने कमेटी के सदस्यों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पुष्पा शुक्ला, नीरज सिंह, गणेश गुप्ता, वैभव शुक्ला एडवोकेट, रिंकू त्रिपाठी, उदय अवस्थी, हर्षित शुक्ला, धर्मेंद्र दीक्षित, एडवोकेट सचिन गौतम, सिद्धार्थ वर्मा, धीरेन्द्र सिसोदिया, राघवेंद्र भदौरिया व विवेक मिश्र , राजेश दुबे, मुकेश दीक्षित उपस्थित रहे।

पनकी में हुआ डांडिया, गरबा व खेला गया सिंदूर

कानपुर। पनकी पॉवर हाउस के ऑफिसर कॉलोनी में दीपशिखा महिला मंडल पनकी ने नवरात्र पर देवी पूजन व हवन का आयोजन किया। बुधवार को डांडिया व गरबे का आयोजन किया गया, जिसमे सांस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। गुरुवार को महिलाओं ने सिंदूर खेला। इसके बाद भंडारे का आयोजन हुआ। इस दौरान अध्यक्ष किरन चौधरी, सलाहाकार मंजू सिंह, सचिव अर्चना दिवाकर, कोषाध्यक्ष कंचन माला, संस्कृतिक कार्यक्रम में बीना वर्मा, ज्योत्सना सिंह, दिव्य ज्योति, कुसुम यादव समेत आदि महिलाएं शामिल रही।

नवरात्र समाप्त

शहर में जगह-जगह से निकलीं मां की विसर्जन यात्राएं-झूमते चले भक्त

सिंदूर खेला के साथ विदा हुईं मां दुर्गा, भक्तों ने लगाए जयकारे

तालाब में माता की प्रतिमा को विदाई दी गई। अमृत विचार

दुर्गा पूजा पंडाल में महिलाओं ने किया नृत्य। अमृत विचार

महिला भक्तों ने डांस कर सिंदूर खेला। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में गुरुवार को दुर्गा पंडालों में विराजमन दुर्गा मां को विदाई दी गई। पंडालों में महिलाओं ने सिंदूर लगाकर मां से अखंड सुहाग मांगा। भक्तों ने जयकारे लगाकर विदाई यात्रा निकाली।

साउथ कानपुर दुर्गा पूजा समिति अशोक नगर की ओर से दुर्गोत्सव के अंतिम दिन दशमी पूजन किया गया। सुबह विधि विधान के साथ पुरोहित ने दर्पण विसर्जन कराया। इसके बाद महिलाओ ने वरण करके और सिंदूर लगाकर मां को विदाई दी। इस दौरान सुहागनों ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर सौभाग्य दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोगों ने ढाक की थाप पर नाचते गाते मां को विदाई दी। इस दौरान 'आबार ऐसो मां' व 'आसचे बोछोर आबार होबे' जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कार्यक्रम में सत्यजीत मुखर्जी, इंद्रजीत, पुलक भट्टाचार्या, अभिजीत, सुमित मुखर्जी, मृदुल घोष विश्वास, मीना मुखर्जी, लीना बोस, रीता बोस,माधुरी मुखर्जी सहित अन्य भक्त मौजूद रहे। एबी विद्यालय, डीएवी लॉन, स्वरूप नगर, अर्मापुर व सूटरगंज सहित अन्य देवी पंडालों से भी विसर्जन यात्रा निकली। यात्राओं में भक्तों का कई जगहों पर स्वागत भी किया गया। विसर्जन स्थलों पर आयोजकों प्रतिमाओं का पूजन किया गया।

हेमंत विहार में डांडिया खेला गया। अमृत विचार

डांडिया में झूमे भक्त, देवी पूजन

कानपुर। नवरात्र पर हेमंत विहार बर्रा में डांडिया नृत्य और देवी पूजन का आयोजन हुआ। दुर्गा पार्क मैदान में हुए आयोजन की शुरुआत मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष सामुदायिक पूजन और आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम में पारंपरिक डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में हिस्सा लिया। रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक लोक संगीत की धुन पर थिरकते हुए प्रतिभागियों ने उत्सव मनाया।

कार्यक्रम के आयोजक नारायण चटर्जी और अशोका चटर्जी ने बताया कि यह आयोजन 40 वर्षों से कराया जा रहा है। कार्यक्रम में पूनम त्रिवेदी, अरुणा टंडन, शोमा, वंदना, ममता, शीला, मिथिलेश, राजेश, सलोनी, सरोज, विभा, गीतिका,कामिनी, कंचन और मोनिका सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कलश पूजन के साथ शंकरपुर में रामलीला शुरू

शुक्लागंज। शंकरपुर में हर वर्ष की तरह इस बार भी रामलीला का शुभारंभ धूमधाम से हुआ। शुक्रवार देरशाम कलश पूजन, गणेश पूजन व राम वनगमन प्रसंग के मंचन के साथ लीला शुरु हुई। ग्रामवासी ही राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान व जनक की भूमिका निभाते हैं। इस बार भी मंचन का दायित्व अशोक वाटिका श्री रामलीला समिति के कलाकारों को दिया गया है। आयोजन रोज शाम 6 से रात 9 बजे तक रामलीला मैदान में होगा।

ऋषि आश्रम में रविवार को फ्री आई कैंप

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। ऋषि आश्रम में रविवार सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक स्वामी नारदानंद नेत्र चिकित्सालय के तत्वावधान में फ्री आई कैंप होगा। डॉ. मनीष सिंह ने बताया कि शिविर में मरीजों की आखों की जांच के साथ मुफ्त दवाएं दी जाएंगी। इसके अलावा आयुष्मान कार्डधारकों का मोतियाबिंद ऑपरेशन भी नि:शुल्क किया जाएगा। बड़ी संख्या में लोगों से शिविर का लाभ लेने की अपील की गई है।

लीला स्थल पर हुआ कन्या पूजन

शुक्लागंज। शुक्रवार सुबह तीनों रामलीला स्थल पर विधिविधान से पूजन हुआ। इसके बाद कन्या पूजन हुआ और विशाल भंडारा भी हुआ। भंडारा दोपहर से शाम तक चलता रहा। शुक्लागंज में ऋषि आश्रम, गोपीनाथपुरम व पोनी रोड में रामलीला का आयोजन हुआ। जहां शुक्रवार को तीनों स्थानों पर कन्या पूजन किया गया। जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जहां आस पास रहने वाले लोगों नें भंडारे का प्रसाद चखा। इस मौके पर ऋषि आश्रम रामलीला में सुरेश पाठक, प्रकाश त्रिपाठी, वासुदेव गुप्ता, अमित पांडे मौजूद रहे। गोपीनाथपुरम में वीरेन्द्र शुक्ला, कमल वर्मा, प्रदीप शुक्ला, अंकुर शुक्ला, प्रमोद त्रिवेदी, सूर्य कुमार बाजपेई के अलावा पोनी रोड रामलीला में प्रेम शुक्ला, मनोज त्रिवेदी, जगदीश गुप्ता, सुरेश शुक्ला, लाल बाबू तिवारी, नन्हकू मिश्रा आदि रहे।

जनता कल्याण समिति ने मनाई गांधी जयंती

शुक्लागंज। गुरुवार को बालाजी वाली गली पशु चिकित्सालय के सामने जगनीखेड़ा में जनता कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश के नेतृत्व में गांधी जयंती कार्यक्रम हुआ। इसमें कमल किशोर साहू, पंकज तिवारी, हरी गुप्ता, मनोज निषाद, धर्मेश दत्त, रमेश सोनवानी, मुन्ना, सोनू तिवारी, अतीक अहमद, दीपक खरे आदि ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

गंगा चौक पर कांग्रेस ने गांधी-शास्त्री जयंती मनाई

शुक्लागंज। नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शुक्रवार को पुराना गंगापुल स्थित गंगा चौक पर महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसमें कांग्रेस पदाधिकारियों ने गांधी व शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। नगर अध्यक्ष पुत्तीलाल वर्मा ने स्वच्छता पर जोर देते हुए नगर वासियों से घर व दुकानों के बाहर सफाई रखने की अपील की। उपाध्यक्ष जयपाल साहू व रवि शंकर गुप्ता ने स्वतंत्रता व ईमानदारी की सीख को याद किया।

स्वच्छता रैली निकली

उन्नाव। नगर पालिका ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका सभागार में गांधी जी व शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण से हुआ। अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने दोनों सेवा पखवाड़े के तहत एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। इसमें स्वच्छता व अन्य सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले छात्र-छात्राओं व प्रबुद्ध जनों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि समाज के नव निर्माण और वास्तविक परिवर्तन की कुंजी सक्रिय जनभागीदारी में निहित है।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए 16 खिलाड़ी चयनित

शुक्लागंज। मेरठ में जूनियर वर्ग की होने वाली प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम का ट्रायल शुक्लागंज के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुआ। चयन प्रक्रिया में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। उन्नाव-शुक्लागंज कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन राहुल तिवारी की मौजूदगी में 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में शुक्लागंज के प्रिंस, यश, ध्रुव, हिमांशु, कुनाल, सरोसी के हर्षित, अक्षय, नैमिष, नवाबगंज के सुभाष, आकाश, उन्नाव के सुमित, एफ-84 के रमाकांत और अतिरिक्त में शुक्लागंज के शिरीष, अभिषेक व उत्सव शामिल हैं। 9 अक्टूबर तक प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा।

डोली भूमि गिरत दसकंधर, छुभित सिंधु सरी दिग्गज भूधर

असत्य पर हुई सत्य की जीत, राम ने मारा रावण, धू-धूकर जला रावण का पुतला

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। गुरुवार को नगर के गोपीनाथपुरम, ऋषि आश्रम व पोनी रोड में चल रही रामलीला में सुबह से ही कलाकार रावण का पुतला बनाने में जुटे रहे। देरशाम पुतले को खड़ा किया गया। दूर दराज से आए लोगों ने लीला का मंचन देख मेले का आनंद उठाया। लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध व कुंभकरण वध के बाद रावण वध तक की लीला में लोग संवेदनाओं व भावनाओं में डूबे रहे।

विजय दशमी के उपलक्ष्य में परम्परागत रूप से पोनी रोड, ऋषि आश्रम व श्री सार्वजनिक रामलीला समिति द्वारा गोपीनाथपुरम में आयोजित होती आ रही है। जहां कलाकारो द्वारा लीलाओं का मचंन होता है। दोनों ओर से बाणों की बौछार हो रही थी। समय बीत रहा था लेकिन रावण कमजोर नहीं हुआ। तब श्रीराम से मतालि ने कहा 'हे प्रभु रावण का अंत समय आ गया है। आप ब्रम्हास्त्र का उपयोग करें।

ऋषि आश्रम का जलता रावण का पुतला।

पोनी रोड में जलता दशानन का पुतला।

उस समय श्रीराम, रावण के सिर को धड़ से अलग करते तब, तक दूसरा सिर धड़ पर आ जाता। श्रीराम ने ब्रह्मास्त्र का उपयोग किया। अग्नि से प्रज्ज्वलित ब्रह्मास्त्र रावण की नाभि में समा गया। विभीषण ने श्रीराम को बताया था कि रावण की नाभि में अमृत है। यदि इसे नष्ट कर दें तो ही रावण की मौत होगी। श्रीराम को यह बात मालूम थी और उन्होंने ऐसा ही किया। वहीं अन्तिम दिन रावण वध के बाद रावण के पुतले का दहन किया जाता है। रामलीला में विभिन्न लीलाओं का मंचन हुआ तथा विजय दशमी के दिन राम एवं रावण के मध्य अन्तिम दिन भीषण युद्ध हुआ जिसके बाद रावण के पुतले का दहन हुआ। बनवाए गये विशाल काय पुतले में जैसे ही अग्नि बाण मारा गया कि विशालकाय का पुतला धू-धू जलने के साथ ही आकाशीय आतिशबाजी होने लगी जिसके बाद दशहरा में हजारो लोगों ने आनन्द लिया। पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबन्ध कियें गये थ। इस दौरान हजारों की संख्या में मेला देखने के लिए लोग पहुंचे पुतला दहन के दौरान रंग बिरंगी आतिशबाजियों से आसमान सतरंगी हो गए। पोनी रोड, ऋषि आश्रम व गोपीनाथ पुरम रामलीलाओं में गंगाघाट पुलिस मुस्तैद रही। कोतवाल अजय सिंह भी फोर्स के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

खड़ा होने के बाद ऋषि आश्रम का गिरा रावण का पुतला

ऋषि आश्रम में लीला चल रही थी तभी कलाकारों द्वारा बनाया गया रावण का पुतला खड़ा किया गया। कुछ देर खड़ा रहने के बाद अचानक वह धरशायी हो गया। जिस पर कालाकरों ने दोबारा तैयारी की और मशक्कत कर पुतला तैयार किया और उसे क्रेन से दोबारा खड़ा किया गया। जिस कारण देररात पुतले का दहन हो सका।

रामलीला मंचन में होता राम-रावण युद्ध। अमृत विचार

धू-धूकर जलता रावण। अमृत विचार

जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा पंडाल

उन्नाव। आवास विकास कॉलोनी स्थित वृंदावन गार्डेन में श्री रामलीला महोत्सव का समापन दशहरे पर रावण दहन के साथ हुआ। आयोजन राघव सनातन सेवा संस्थान द्वारा किया गया। जिसने वर्षों की अपनी परंपरा को इस बार भी मर्यादा, अनुशासन व भक्तिभाव के साथ निभाया। कार्यक्रम में भगवान श्री राम द्वारा रावण वध का जीवंत मंचन किया गया। यह दृश्य देख मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। जैसे ही भगवान श्रीराम ने विजय तीर चलाया, रावण का विशाल पुतला धू-धूकर जल उठा। पूरा वातावरण जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। इस दौरान हजारों दर्शकों ने आतिशबाज़ी व पटाखों के बीच बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया। पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार भी लीला मंचन का दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। इस दौरान युवा नेता शशांक शेखर सिंह सनी के साथ संस्था के संरक्षक राम तनेजा, अजय शुक्ला, अध्यक्ष कुंवर आरएस चौहान, महामंत्री जीएस भदौरिया, कोषाध्यक्ष आशीष शुक्ला, सभासद मुन्ना सिंह, मुन्ना सिंह अवधूत, विशाल सिंह, सुनील सिंह, अजय गुप्ता, केजी अग्रवाल, प्रथम श्रीवास्तव, डीडी शुक्ला, अम्बरीश त्रिपाठी, अरविंद श्रीवास्तव, महिला अध्यक्ष निम्मी अरोड़ा, महिला संयोजक नीतू त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

धनुष भंग होते ही लगे जय श्रीराम के उद्घोष

उन्नाव, अमृत विचार। साकेत धाम में रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित 153वें रामलीला मंचन के चौथे दिन का मंचन भगवान राम द्वारा शिव धनुष भंग करने के साथ शुरू हुआ। धनुष टूटने की खबर से परशुराम क्रोधित होकर जनकपुरी पहुंचे। मंच पर राम की विनम्रता व लक्ष्मण के वीररस पूर्ण व्यंग्यात्मक उत्तरों के बीच हुए परशुराम-लक्ष्मण संवाद को दर्शकों ने खूब सराहा। गुरु विश्वामित्र व राम के हस्तक्षेप के बाद परशुराम का क्रोध शांत हुआ। इसके बाद, सीता समेत उनकी बहनों का अयोध्या के राजकुमारों के साथ विवाह हुआ।

मंचन में मंथरा व कैकेयी संवाद ने लोगों को भावुक कर दिया। मंथरा ने कैकेयी को राजा दशरथ द्वारा दिए गए दो वरदानों की याद दिलाकर राम को 14 साल का वनवास व भरत को राजगद्दी मांगने के लिए उकसाया। पिता के वचनों का मान रखते हुए राम ने सहर्ष कैकेयी की शर्तें स्वीकार कीं। राम वन गमन के दृश्य में जब माता कैकेयी ने उन्हें तपस्वियों के वस्त्र दिए तब पिता दशरथ व अन्य परिजनों का दुख देख दर्शक भावुक हो उठे। श्री राम के साथ सीता व लक्ष्मण भी वन गए।

समिति अध्यक्ष संजय राठी के नेतृत्व में मंचन से पूर्व भगवान श्री राम व लक्ष्मण की आरती की गई। जिसमें चंद्र प्रकाश अवस्थी, फूलचंद्र जायसवाल, मोतीलाल गुप्ता, डॉ. मनीष सेंगर, डॉ. प्रभात सिन्हा आदि पदाधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान जगदीश माहेश्वरी, महेश गुप्ता, संजीव गुप्ता राजा, इंदु प्रकाश अवस्थी, सत्यम शर्मा, सभासद मनोज यादव आदि मौजूद रहे।

रामलीला में मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

भरत मिलाप देख छलके आंसू

शुक्लागंज। नारदानंद ऋषि आश्रम, पोनी रोड और गोपीनाथपुरम की रामलीला में भरत मिलाप का आयोजन किया गया। जहां भरत मिलाप देख मौजूद दर्शकों की आंखे भर आई। जिसके बाद भगवान राम का राज्याभिषेक किया गया। ऋषि आश्रम, गोपीनाथपुरम व पोनी रोड रामलीला में शुक्रवार को राम व भरत के गले मिलते ही सबकी आंखें छलक उठीं। मनमोहक चौकियों की छटा भी देखने लायक रही। भरत मिलाप में राम दल, भरत दल, हनुमान दल की झांकिया आकर्षण का केंद्र रहीं। राम, भरत, लक्ष्मण व सीता की आरती उतारी। इसके बाद भरत मिलाप हुआ। जहां भरत ने कहा कि भ्राता राम आपने आने में इतनी देर क्यों लगा दी। आपके जाने के बाद से अयोध्या सूनी थी। सीताहरण व रावण के साथ हुए युद्ध की जानकारी हनुमान जी ने दी थी।

शस्त्र पूजन के साथ हुई श्रीराम की महाआरती

शस्त्र पूजन करते लोग। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। दशहरा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर बुधवार को नर सेवा नारायण सेवा संस्था ने शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें संस्था के संस्थापक विमल द्विवेदी के कैंप कार्यालय में जिले के कई नेताओं सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। शस्त्र पूजन कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य वासू ने मंत्रोच्चारण के साथ कराया। इसमें भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह, संस्थापक विमल द्विवेदी, अनीता विमल द्विवेदी ने भाग लिया। इसमें शस्त्रों का पूजन कर प्रभु श्रीराम की महाआरती भी हुई। विमल द्विवेदी ने बताया कि भगवान राम ने रावण वध से पहले शस्त्र पूजन किया था।

जयकारों के बीच दी माता रानी को विदाई

पाटन, उन्नाव। शारदीय नवरात्र व विजय दशमी का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा, उल्लास व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद दसवीं व एकादशी पर प्रतिमाओं का विसर्जन प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था के बीच नदियों व तालाबों में किया गया। इस दौरान जयकारों और डीजे की गूंज के बीच महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने माता रानी को विदाई दी। बीघापुर तहसील क्षेत्र के सहिला, सुमेरपुर, ऊंचगांव, बाबूखेड़ा, भगवंतनगर, हुलासीखेड़ा नहरपुल, भाटनखेड़ा, बजौरा, लोनियनखेड़ा, बिहार, मोहकमपुर, गौरा व चैनपुर आदि गांवों व कस्बों में प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। विसर्जन के दौरान विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। वहीं विजय दशमी पर कस्बा बिहार में बरसों पुरानी परंपरा के तहत शोभायात्रा निकाली गई। इसमें रावण का पुतला दहन भी किया गया। जवाबी आतिशबाजी व जवाबी कीर्तन ने माहौल को भव्य बना दिया। वहीं, लखनऊ के कलाकार व रायबरेली की नेहा सिंह ने आल्हा गायन प्रस्तुत किया।

ट्रक की टक्कर से युवक की गई जान

उन्नाव। दही के दुआ गांव के मजरा सुब्बाखेड़ा निवासी संदीप (23) पुत्र सुंदर लाल गुरुवार शाम चचेरे भाई गणेश (25) पुत्र बृजलाल के साथ अपने बीमार भांजे रितिक (3) पुत्र विष्णु को जिला अस्पताल ला रहा था। तभी सदर कोतवाली क्षेत्र के उन्नाव-पड़री मार्ग पर बक्खाखेड़ा स्थित एक डिग्री कॉलेज के पास पेपर लादकर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें तीनों गंभीर घायल हो गए थे। ललऊखेड़ा चौकी इंचार्ज रविशंकर मिश्र ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा था। जहां डॉक्टर ने संदीप को मृत घोषित कर दिया था। वहीं गणेश व रितिक को इलाज के बाद कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया था। घायल गणेश के दोनों पैरों में गंभीर चोट आई है। बच्चे का भी दाहिना पैर बेकार बताया जा रहा है। शुक्रवार को संदीप के शव का पोस्टमार्टम हुआ। कोतवाली प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। ट्रक कब्जे में है। तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। संदीप छह भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। बेटे की मौत से माता-पिता बेहाल हैं।

महापुरुषों के पदचिह्नों पर चलने के लिए किया प्रेरित

महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती उत्साह उमंग व भव्यता के साथ मनाई गई। इसमें जिलाधिकारी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा विभिन्न आंदोलन के माध्यम से देश को आजाद कराने में किये गए योगदान साथ ही भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के देश के लिए किए गए योगदान पर विचार व्यक्त कर उनके पद चिन्हों पर चलने के प्रति प्रेरित किया।

श्रद्धांजलि सभा आयोजित

विंग्स अकादमी विद्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में गोष्ठी आयोजित हुई। इसमें साहित्यकार दिनेश प्रियमन, डीएसएन कॉलेज के संस्कृत के पूर्व प्रवक्ता ओमशंकर मिश्रा, पड़री इंटर कालेज के प्रधानाचार्य शिव प्रकाश सिंह ने भारत माता, सरस्वती माता, गांधी व शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लोगों को दोनों महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके बताए रास्तों पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान सुशील मिश्रा, अनूप शुक्ला, रमेश आदि मौजूद रहे।

गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच से धुआं निकला, मचा हड़कंप

शुक्लागंज। गुरुवार को लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12535) अचानक गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर रोक दी गई। कारण था ट्रेन के वातानुकुलित कोच से निकलता धुआं। इस घटना ने यात्रियों में हड़कंप मचा दिया। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन के इंजन से तीसरे क्रमांक का वातानुकुलित इकोनॉमी कोच (जी-3, संख्या 231760/सी) ब्रेक बाइंडिंग की समस्या के कारण धुआं छोड़ने लगा।

उन्नाव स्टेशन मास्टर ने धुआं निकलते देखा और तत्काल मगरवारा व गंगाघाट रेलवे स्टेशन मास्टरों को सूचित किया। मगरवारा स्टेशन से तो ट्रेन रन थ्रू होकर निकल गई, लेकिन जैसे ही गंगाघाट स्टेशन पहुंची, स्टेशन मास्टर ने एहतियातन ट्रेन को रोक दिया। अचानक रुकने और कोच के नीचे से धुआं उठते देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग कोच से बाहर झांककर स्थिति को समझने की कोशिश करने लगे। ट्रेन के लोको पायलट ने तुरंत नीचे उतरकर जांच की।

सिटी डायरी

प्रसाद व खजाना वितरण के दौरान मौजूद लोग।

महाप्रसाद व मां के खजाने का हुआ वितरण

उन्नाव, अमृत विचार। सिद्धपीठ श्री मां कल्याणी देवी मंदिर में विजय दशमी की रात 10 बजे मां की शयन आरती के बाद परंपरागत महाप्रसाद व मां का खजाने का वितरण हुआ। इसमें भक्तों की खासी भीड़ रही। इसमें मंदिर के स्वच्छता कार्य में योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। महा प्रसाद वितरण में मंदिर कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष पीके मिश्रा, सचिव कमलेश नाथ अवस्थी, कोषाध्यक्ष सर्वेंद्र सिंह चौहान, उपसचिव गोपाल तिवारी व महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था करने वाले अनूप वर्मा उपस्थित रहे।

जामा मस्जिद के बाहर मौजूद पुलिस फोर्स।

जुमे की नमाज को लेकर तैनात रही पुलिस

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान प्रशासन सतर्क रहा। हाल ही में आई लव मोहम्मद मामले को देखते हुए शासन के निर्देश पर नगर की सभी मस्जिदों के बाहर सुरक्षा कड़ी की गई थी। सब्जी मंडी स्थित जामा मस्जिद पर कोतवाल अजय सिंह फोर्स के साथ मौजूद रहे। इसी तरह नगर की अन्य मस्जिदों के बाहर भी पुलिस तैनात रही और नमाज अदा होने तक कड़ी निगरानी की गई। नमाज के बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें मिश्रित आबादी वाले इलाकों में गश्त करती रहीं और हर गतिविधि पर नजर रखी। प्रशासन ने शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देते विधायक।

खादी को बढ़ावा देने का लिया संकल्प

उन्नाव, अमृत विचार। गांधी जयंती पर हर मंडल पर कार्यक्रम आयोजित कर महापुरुषों की प्रतिमाओं व प्रांगणों में स्वच्छता के साथ महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में उन्नाव हरदोई पुल स्थिति पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा व पन्नालाल पार्क स्थित गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन, मनीष जायसवाल, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, सुशील तिवारी आदि रहे।

किसानों को संबोधित करते किसान नेता अजय अनमोल।

शंकरपुर सराय में किसानों ने लिया संकल्प

शुक्लागंज। गुरुवार को ट्रांस गंगा सिटी के ग्राम शंकरपुर सराय में किसानों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती ध्वजारोहण एवं गांधीजी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ मनाई गई। किसान आंदोलन के प्रदेश प्रभारी अजय अनमोल ने किसानों को आश्वस्त किया कि सिटी के अंदर शंकरपुर, कन्हवापुर और लक्ष्मीखेड़ा के पास 10 अलग-अलग सेक्टरों पर लेआउट प्लान निर्धारित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही औपचारिकताएं पूरी कर किसानों को निशुल्क विकसित भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

आयोजन | गांधी चौक पर महात्मा गांधी के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

धूमधाम से मनी गांधीजी व शास्त्रीजी की जयंती

शुक्लागंज, अमृत विचार। गुरुवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सरकारी और अर्द्ध सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती मनाई गई। मिश्रा कॉलोनी स्थित गांधी चौक पर महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मिश्रा कॉलोनी चौराहा स्थित गांधी चौक में संस्थापक स्व. गिरजाशंकर पांडे की पत्नी सुमन पांडे ने सदर विधायक पंकज गुप्ता का प्रतीक चिन्ह दिया। इसके साथ ही विधायक, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, आदित्य त्रिपाठी, राजा पांडेय, बब्लू पांडेय, अनवार खुर्शीद, सूर्य कुमार बाजपेई आदि तमाम लोगों ने गांधी प्रतिमा पर फूल माला अर्पित किये। जहां गांधी जी का प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम गाया गया। इसके साथ ही पौधरोपण किया। इसके साथ ही नगर पालिका में पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने पालिका कर्मचारियों के साथ ध्वजारोहण किया। पालिका कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही नमामि गंगे घाट पर पालिकाध्यक्ष की मौजूदगी में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत गोष्ठी हुई के साथ ही पौधरोपण किया गया। वहीं गंगाघाट थाने में कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने झंडा रोहण किया गया। इसके साथ ही राजधानी मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रभारी चिकित्साधिकारी ने झंडा रोहण किया।

गांधी चौक पर मौजूद विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

महापुरुषों की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करतीं पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे।

अमृत विचार

शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

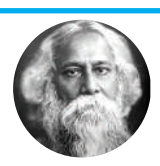

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर।

–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

आत्मनिरीक्षण की जरूरत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख का यह कथन कि जेन-ज़ी जैसे हिंसक आंदोलनों की कथित क्रांतियों से वांछित उद्देश्य हासिल नहीं होते, सर्वथा सत्य है। हिंसा के बाद आंदोलनकारी अपने बदलावों के मंसूबों में सफल नहीं हुए, उलटे व्यवस्था और जन-धन का भारी नुकसान हुआ, देश बरसों पीछे चला गया। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका इसके जीवंत उदाहरण हैं। निःसंदेह, ऐसे बदलाव केवल लोकतांत्रिक तरीकों से ही लाए जाने चाहिए। उनका यह कहना कि देश के भीतर-बाहर ऐसी ताकतें सक्रिय हैं, जो अशांति फैलाना चाहती हैं। यदि सरकार और प्रशासन सक्षम नहीं रहे, तो ये अपनी कारगुजारी दिखा सकती है। यह विचार सचेत करने वाला और गंभीर चिंतन का विषय है।

बीते सितंबर में इंडोनेशिया, मेडागास्कर, पेरू, फिलिपींस और नेपाल में युवा आक्रोश की लपटें देखी जा चुकी हैं। हालिया बरसों में हांगकांग, चिली, नाइजीरिया, म्यांमार और केन्या ने भी युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों का सामना किया और अब मोरक्को में यह जारी है। धीरे-धीरे सत्ता की अकर्मण्यता, भेदभाव, अवसरों की कमी और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जेन-ज़ी का विद्रोह एक वैश्विक चलन बन रहा है, जिसे संबंधित सरकारें प्रायः बाहरी ताकतों की साजिश बताकर टालती रही हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है, सुदूर देशों के ऐसे आंदोलनों की छाया सीधे हम पर भले न पड़े, लेकिन पड़ोस की घटनाएं हमें सचेत करती हैं। यह केवल सीमा सुरक्षा का नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और आंतरिक राजनीतिक विमर्श तक फैला हुआ मुद्दा है। ऐसे में यह सोचना स्वाभाविक है कि बहुलतावादी संस्कृति, मजबूत संस्थागत ढांचा और युवाओं के साथ सत्ताधारी दलों के जटिल संबंध ऐसे आंदोलनों की संभावनाओं को किस हद तक प्रभावित करते हैं।

असल में, भारत की विशिष्ट सामाजिक-राजनीतिक संरचना इस आशंका को न्यून करती है। हमारी भाषा, संस्कृति, धर्म और क्षेत्रीय विविधताओं के चलते विरोध की ऊर्जा विकेंद्रीकृत हो जाती है, जिससे देशव्यापी सुसंगठित युवा आंदोलन का राष्ट्रीय ताकत बनना बहुत मुश्किल हो जाता है। भारतीय युवा क्षेत्रीय दलों और मोर्चों से जुड़कर अपनी आवाज को स्थानीय स्तर पर व्यक्त करने का पर्याप्त अवसर पाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक युवा विद्रोह के लिए समय, समन्वय और ठोस नेतृत्व की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान परिदृश्य में कठिन है। इसके अतिरिक्त, भारत में विधानसभाएं, पंचायतें, मीडिया और न्यायपालिका जैसे मजबूत संस्थागत माध्यम उपलब्ध हैं, जिनके जरिए युवा बिना अराजकता फैलाए अपनी शिकायतें दर्ज कर बदलाव की मांग कर सकते हैं। इसके अलावा सामाजिक नियंत्रण के कई तंत्र भी व्यवस्था को स्थिर बनाए रखते हैं। दूसरी ओर विपक्षी दलों में युवाओं को संगठित करने और उनकी चिंताओं को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप देने की ठोस रणनीति का अभाव है। स्वयं असंगठित विपक्ष का युवाओं को प्रेरित करने की क्षमता संदिग्ध है। ऐसे में भारत में जेन-ज़ी जैसे आंदोलन का पनपना कठिन है, फिर भी आत्मनिरीक्षण आवश्यक है, ताकि किसी भी परिस्थिति में हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत और युवाओं की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील बनी रहे।

प्रसंगवश

एशिया के सबसे बड़े हाईकोर्ट को मिला नया संबल

एशिया का सबसे बड़ा इलाहाबाद हाईकोर्ट बीते वर्षों से न्यायाधीशों की कमी और मुकदमों के बढ़ते बोझ से कराह रहा था। न्यायाधीशों के 160 स्वीकृत पदों के बावजूद यहां कभी पूरी संख्या में न्यायाधीश नहीं रहे। परिणाम यह हुआ कि न्याय के इंतजार में वादकारी और अधिवक्ता लगातार हताश होते रहे और लंबित मुकदमों की फेहरिस्त लगातार लंबी होती गई। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधान पीठ इलाहाबाद में ही वर्तमान समय में 9,75,170 मुकदमे लंबित हैं, जिनमें सिविल के 4,89,275 और 4,85,895 आपराधिक मामले शामिल हैं।

ऐसी विकट स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा 24 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है। गत 27 सितंबर को केंद्र सरकार की संस्तुति के बाद इलाहाबाद

विनीत दूबे

अधिवक्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट

हाईकोर्ट के इतिहास का सबसे बड़ा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने सभी नवनियुक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाई, जिनमें दस अधिवक्ता विवेक सरन, विवेक कुमार सिंह, गरिमा प्रसाद, सुधांशु चौहान, अबधेश कुमार चौधरी, स्वरूपमा चतुर्वेदी, सिद्धार्थ नंदन, कुणाल रवि सिंह, इंद्रजीत शुक्ला और सत्य वीर तथा वरिष्ठ न्यायिक सेवाओं से आए 14 न्यायिक अधिकारियों में डॉ. अजय कुमार (द्वितीय), चवन प्रकाश, दिवेश चंद्र सामंत, प्रशांत मिश्रा (प्रथम), तरुण सक्सेना, राजीव भारती, पदम नारायण मिश्र, लक्ष्मी कांत शुक्ला, जय प्रकाश तिवारी, देवेंद्र सिंह (प्रथम), संजीव कुमार, वाणी रंजन अग्रवाल, अचल सचदेव और बबीता रानी शामिल हैं।

इन नियुक्तियों से न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या अब 110 हो गई है, हालांकि 50 पद अभी भी रिक्त हैं। उक्त नियुक्तियों के संदर्भ में इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता समीर शर्मा का कहना है, "यह नियुक्ति न्यायहित में एक बड़ा कदम है। लंबित मामलों की सूची घटेगी और न्यायपालिका का संतुलन स्थापित होगा।" इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रशांत मिश्रा कहते हैं, "जजों की कमी के कारण अधिवक्ताओं और वादकारियों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब 24 नए जजों की नियुक्ति से यह समस्या काफी हद तक दूर होगी। तकनीकी रूप से दक्ष न्यायाधीश ई-कोर्ट को भी बढ़ावा देंगे।" अधिवक्ता माधवेंद्र सिंह मानते हैं कि दशहरे की छुट्टियों के बाद कोर्ट खुलने पर नई पीठों का गठन अधिक व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा। जिन क्षेत्रों में खंडपीठ की आवश्यकता थी, वहां अब राहत मिलेगी।

न्यायाधीशों की नियुक्तियों को न्यायहित में एक सार्थक पहल मानते हुए अधिवक्ता पुरुषोत्तम मणि त्रिपाठी कहते हैं, "यह नियुक्ति न्यायिक क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। यह वर्षों से लंबन झेल रहे वादकारियों के लिए एक वरदान के समान है, जिससे न केवल लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी बल्कि न्यायपालिका का न्यायिक बल और अधिक सुदृढ़ होगा।" इन नियुक्तियों से केवल संख्या नहीं बढ़ी है, बल्कि विविध अनुभव और तकनीकी दक्षता भी न्यायपालिका में जुड़ी है। अधिवक्ताओं के रूप में वर्षों तक जमीनी स्तर पर संघर्ष कर चुके लोग अब पीठ पर बैठेंगे और जिला स्तर पर कार्य कर चुके अधिकारी अपने अनुभव से न्याय व्यवस्था की जटिलताओं को सरल करेंगे। 24 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश राज्य में यह कदम केवल न्यायालय तक सीमित सुधार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। न्यायिक प्रक्रिया की गति बढ़ेगी तो न्याय के प्रति जनता की आस्था और भी प्रबल होगी।

राष्ट्र चेतना का अवतार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सर्वेश कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

भगवान श्रीकृष्ण के अर्जुन से कहे गए ये वचन शास्वत, सनातन और चिरंतन भारतीय संस्कृति की जीवनी शक्ति हैं। इस जगत में जब-जब धर्म का नाश और अधर्म की वृद्धि होती है या संस्कृति पर आक्रमण होते हैं, तो ईश्वरीय शक्ति स्वयं अवतरित होती है। यह शक्ति त्रेता में भगवान श्रीराम के रूप में तो द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण के रूप में इस धरा पर अवतरित हुई। वहीं ईश्वरीय शक्ति, राष्ट्र चेतना के रूप में कलियुग में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के रूप में 100 साल पहले विजयादशमी को अवतरित हुई है।

इस दैवीय शक्ति से प्रेरित और संपन्न समाज सेवा के लिए अवतरित यह अद्भुत संगठन आज अपनी स्थापना के सौ साल पूरे कर रहा है। किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि आखिर कोई संगठन बगैर विघटति हुए, बगैर किसी विवाद के, बगैर किसी सरकारी सहायता के भी सौ साल पूरे कर सकता है। भारत में समाज सेवा, धर्म स्थापना और मानव सेवा के लिए अनेक संगठनों ने समय-समय पर जन्म लिया है। उन्होंने अच्छे कार्य किए हैं। वे अपने-अपने उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहे हैं, किंतु वे एक सीमित कालखंड तक ही अपने आप को सशक्त और सबल बनाकर रख सके हैं। संघ की स्थापना के पूर्व अनेक सगठनों की स्थापना हुई, लेकिन वे समय की चुनौतियों का सामना करने में पूरी तरह सफल नहीं हो सके।

संघ एक मात्र ऐसा संगठन है जो सौ साल बाद भी उसी ऊर्जा, उसी लगन और उसी प्रेरणा को लेकर नित नवीन स्वरूप बनाये हुए खड़ा है और राष्ट्र आराधना के अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ है। विचारणीय है कि संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या कारण है कि यह अन्य संगठनों की तरह थका नहीं, रूका नहीं, ठहरा नहीं। अनथक आगे बढ़ रहा है। बल्कि ऐसा विस्तार किया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बना हुआ है। संघ के विस्तार और उसकी सांगठनिक रचना को देखें तो आज लगभग 78 हजार स्थानों पर एक लाख 25 हजार इसकी दैनिक और साप्ताहिक शाखाएं लग रही हैं।

देश के शहरी और ग्रामीण स्थानों पर लगभग एक लाख 29 हजार सेवा कार्य संचालित कर रहा है। सुदूर वनवासी क्षेत्रों, पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर संपूर्ण भारत में शिक्षा और संस्कार के कई लाख केंद्र संचालित हैं। संघ ने समाज जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं छोड़ा है, जहां अपने उद्देश्य के लिए कोई कार्य खड़ा न किया हो। इसीलिए संघ प्रेरित लगभग 40 विभिन्न संगठन सक्रिय हैं। दुनिया के समाजशास्त्री अध्ययन कर रहे हैं कि आखिर कोई संगठन दुनिया का सबसे बड़ा और निर्विवाद संगठन कैसे बनता है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए संघ को पढ़ने और संघ के बारे में सुनने से ज्यादा उसमें उतरने की जरूरत है। संघ को समझना है, तो संघ के निकट जाना ही पड़ेगा, तब संघ समझ में आएगा। संघ की अद्भुत पद्यति शाखा को समझना और उसमें जाकर देखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना को सौ वर्ष पूर्ण हो गए। विजयादशमी के अवसर पर वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। स्थापना के समय ही संघ ने अपना उद्देश्य और ध्येय स्पष्ट कर दिया था। संघ का ध्येय उसकी प्रार्थना की प्रथम पंक्ति 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे, त्वया हिंदूभूमे सुखमं वर्धितोअहम्' तथा प्रार्थना के अंत 'भारत माता की जय' से सुस्पष्ट है। संघ किसी के विरोध में कार्य नहीं करता और न ही किसी के विरोध के लिए इसकी स्थापना हुई है। जब संघ का स्वयंसेवक नियमित रूप से 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' कहता है, तो स्पष्ट ही है कि वह इस भारत मां की पूजा करता है, उन्हें नमन करता है, उनके लिए समर्पण का भाव प्रकट करता है और अंत में जब 'भारत माता की जय' कहता है तो स्पष्ट है कि भारत को सदैव विजयी और यशस्वी देखने की कामना है। ऐसे निःस्वार्थ और निष्काम उद्देश्य को धारण किए हुए संघ को भी अपनी सौ साल की यात्रा पूरी करने में अनेक कठिनाइयों, चुनौतियों, झूठे विमर्शों, मनगढंत आरोपों का सामना करना पड़ा है।

संघ के बारे में विरोधियों ने जो झूठे विमर्श गढ़े, उनमें सबसे प्रमुख रहा कि यह सांप्रदायिक संगठन है, मुस्लिम विरोधी संगठन है। इस विमर्श को गढ़ने में विशेष रूप से कांग्रेस और वामपंथी विचारधारा के राजनीतिक दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन ये सभी आरोप समय के साथ झूठे साबित होते चले गए। देश में एक भी घटना ऐसी नहीं घटी, जिसमें संघ पर कोई आरोप प्रमाणित हुआ हो। देश में आजादी के बाद भीषण सांप्रदायिक दंगे भी हुए, लेकिन किसी में संघ को आरोपित नहीं किया जा सका। किसी भी न्यायालय ने संघ के खिलाफ कोई आदेश पारित नहीं किया।

राष्ट्रपिता की हत्या से जब सारा देश स्तब्ध था, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उनकी हत्या की घोर निंदा की। संघ ने 13 दिन का शोक मनाने के लिए शाखाओं को रोक दिया। इसके बावजूद संघ को गांधी जी की हत्या के लिए दोषी ठहराने का एक अभियान चलाया गया। संघ पर तत्कालीन केंद्र सरकार ने प्रतिबंध भी लगा दिया, लेकिन न्यायालय से संघ निर्दोष साबित हुआ। आपातकाल में संघ पर दूसरा प्रतिबंध लगा। अयोध्या में विवादित ढांचा ध्वंस के बाद भी संघ पर संक्षित प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन संघ ने अपने संगठन कौशल और समाज के स्नेह और सामूहिक समाज शक्ति के बल पर इनका सामना किया।

> दुनिया के समाजशास्त्री अध्ययन कर रहे हैं कि आखिर कोई संगठन दुनिया का सबसे बड़ा और निर्विवाद संगठन कैसे बनता है।

आमने

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं। लोग उन्हें अभिमन्यु न समझें, वह अर्जुन हैं। कोई दंगा भड़काएगा तो बुलडोजर भी चलेगा, तोप भी चलेगी, गोले भी चलेंगे। कई रावण तो संभल में हैं और संभल सांसद जिया उर्रहमान भी रावण हैं।

–आचार्य प्रमोद कृष्णम

कल्कि पीठाधीश्वर

सामने

संभल के लोग उनका इतिहास जानते हैं, इसलिए मैं उनके बारे में ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता। यही हरकतें रहीं तो आचार्य के खिलाफ मानहानि का केस किया जाएगा। आचार्य को धार्मिक काम में ही सक्रिय रहना चाहिए, राजनीति का मोहरा नहीं बनना चाहिए।

–जियाउर्रहमान बर्क

सपा सांसद

मध्यस्थता ने खोले गाजा में शांति के द्वार

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु गाजा पर नई शांति योजना के लिए राजी हो गए हैं। ट्रंप ने हमास को अल्टीमेटम दे दिया है। इसको लेकर हमास की प्रतिक्रिया आनी है। डोनाल्ड ट्रंप शांति वार्ता के लिए प्रयत्न कर रहे हैं। उसके पूर्व रूस और युक्रेन की मध्यस्थता की गई। युद्ध विराम विश्व शांति के लिए जरूरी है। युद्ध में निर्दोष जानें जाती है। धन हानि और जन हानि की इस दुःखद क्षति को कोई पूरा नहीं कर सकता है। रूस-युक्रेन की जंग को चार वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। मानवता सिसक रही है। निर्दोष परिवार उन नौनिहालों और परिवार के सदस्यों को खोने के गम में दुःखी हैं। मानवता फूट-फूटकर रो रही है। हर एक के मन में सवाल उमड़ रहा है, आखिर हमारा क्या दोष है? खंडहर में तब्दील होते मोहल्ले और दाने-दाने के लिए मोहताज उन निर्दोष लोगों का आखिरकार पालनहार कौन है?

ट्रंप के लिए अनेक तर्क-वितर्क दिए जा रहे हैं। उनके लिए कई निजी प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन वह हिंसा बंद कराने और तीसरे विश्व युद्ध की विभीषिका को बचाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। यह स्वागत योग्य है। ट्रंप की शांति वार्ता के लिए चीन, रूस और भारत ने भी समर्थन किया है। हिंसा विश्व को हरदम रुलाने का ही कार्य करती आ रही है। हमने दो-दो विश्व युद्ध देखे हैं। हम अब तीसरे विश्व युद्ध की कल्पना नहीं कर सकते हैं। बारूद का हर कण आग लगाने के लिए ही निर्मित किया गया है।

विश्व को आज अहिंसा को समझने की जरूरत है। अहिंसा विश्व शांति का दिव्यास्त्र है। अहिंसा ही धर्म को बचाएगी। हिंसा अन्यायपूर्ण है। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। ट्रंप गाजा को फिर से खड़ा करने के लिए आर्थिक विकास योजना के लिए विचारशील हैं। अटकलें यह भी लगाई जा रही हैं कि ट्रंप की योजना में पाकिस्तान की इस्लामी वैधता का केंद्रीय पहलू है।

> विश्व को आज अहिंसा को समझने की जरूरत है। अहिंसा विश्व शांति का दिव्यास्त्र है। अहिंसा ही धर्म को बचाएगी।

अमेरिका के प्रस्ताव में तय किया गया है कि इजरायली सेना को हटाया जाएगा। इजरायल के चारों तरफ उसके दुश्मन देश हैं। बैठक में शर्त और नियमों के अधीन शांतिवार्ता में इजरायल ने ट्रंप की सभी बातों का समर्थन किया है, जिसमें गाजा में पूरी तरह मानवीय मदद देने की शर्त शामिल है। हमास योजना नहीं ठुकरा सकता है। हमास को हथियार छोड़ने होंगे। इजराइल ने सात हजार ठिकानों पर हमले किए हैं।

नागरिकों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य और अपनी जवाबदेही है। इजराइल ने हमास को समाप्त करने के रूप में हमला किया। इसमें विकल्प की तलाश के साथ ही हमास को पुनर्गठित होने से रोकने का प्रयास भी था। अब हमास बंधक छोड़ने के लिए तैयार है। शांतिवार्ता के पक्षधर ट्रंप ने इजरायल को युद्ध रोकने के लिए तैयार कर 20 सूत्रीय योजना पेश कर उस पर विचार-विमर्श शुरू करने का आग्रह किया है। कई अरब देश ट्रंप के साथ खड़े दिखाई दिए हैं। हमास फलस्तीन का सबसे प्रमुख इस्लामी चरमपंथी गुट है।

पश्चिमी क्षेत्र और गाजा पट्टी पर इजरायल का कब्जा है। पिछले लंबे समय से चल रहे युद्ध को कामयाबी माना जा रहा है। इजरायल और हमास दोनों शर्त मानने के लिए राजी हुए हैं। इजराइल युद्ध से मध्य पूर्व में अस्थिरता फैली है, जबकि पूरा विश्व प्रभावित हुआ है। हमास और इजराइल युद्ध से अस्थिरता के दौर से गुजर रहे मध्य पूर्व से भारत के सामरिक और आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। फिर भी युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है।

यह युद्ध खत्म हो जाएगा, लेकिन दूसरी तरफ रूस और युक्रेन का युद्ध निरंतर जारी है। रूस और युक्रेन की जंग में दोनों देशों को हुई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षति को पूरा करना किसी के वश में नहीं है। रूस शक्ति संपन्न और इकोनॉमी में ताकतवर देश है। रूस अभी भी दस वर्ष तक सीधा युक्रेन से जंग कर सकता है, परंतु नाटो की मदद से युद्ध लड़ रहे युक्रेन की दशा और दिशा उसी को सुनिश्चित करनी पड़ेगी। संपूर्ण युद्ध और दोनों देशों के बीच पनप रहा विरोध खत्म होते ही नाटो युक्रेन की मदद करना बंद कर देंगे, इसलिए युक्रेन को समझना होगा।

सोशल फोरम

लाइफबोट पर सिर्फ एक आदमी की जगह थी

एक प्रोफेसर अपनी क्लास में कहानी सुना रहे थे, जो कि इस प्रकार है– एक बार समुद्र के बीच में एक बड़े जहाज पर बड़ी दुर्घटना हो गई। कप्तान ने शिप खाली करने का आदेश दिया।

संजीव मिश्रा

ब्लॉगर

जहाज पर एक युवा दंपति थे। जब लाइफबोट पर चढ़ने का उनका नंबर आया तो देखा गया, नाव पर केवल एक व्यक्ति के लिए ही जगह है। इस मौके पर आदमी ने औरत को परे किया और नाव पर कूद गया। डूबते हुए जहाज पर खड़ी औरत ने जाते हुए अपने पति से चिल्लाकर एक वाक्य कहा...। अब प्रोफेसर ने रुककर स्टूडेंट्स से पूछा, "तुम लोगों को क्या लगता है, उस स्त्री ने अपने पति से क्या कहा होगा?"

ज्यादातर विद्यार्थी फौरन चिल्लाए, "स्त्री ने कहा– मैं तुमसे नफरत करती हूं! I hate you!"

प्रोफेसर ने देखा एक स्टूडेंट एकदम शांत बैठा हुआ था। प्रोफेसर ने उससे पूछा कि तुम बताओ तुम्हे क्या लगता है? वो लड़का बोला, "मुझे लगता है, औरत ने कहा होगा– हमारे बच्चे का ख्याल रखना!" प्रोफेसर को आश्चर्य हुआ। उन्होंने लड़के से पूछा, "क्या तुमने यह कहानी पहले सुन रखी थी?"

लड़का बोला, "जी नहीं, लेकिन यही बात बीमारी से मरती हुई मेरी मां ने मेरे पिता से कही थी।" प्रोफेसर ने दुःखपूर्वक कहा, "तुम्हारा उत्तर सही है!"

प्रोफेसर ने कहानी आगे बढ़ाई- जहाज डूब गया। स्त्री मर गई। पति किनारे पहुंचा और उसने अपना बाकी जीवन अपनी एकमात्र पुत्री के समुचित लालन-पालन में लगा दिया। कई सालों बाद जब वो व्यक्ति मर गया तो एक दिन सफाई करते हुए उसकी लड़की को अपने पिता की एक डायरी मिली। डायरी से उसे पता चला कि जिस समय उसके माता-पिता उस जहाज पर सफर कर रहे थे, तो उसकी मां एक जानलेवा बीमारी से ग्रस्त थीं और उनके जीवन के कुछ दिन ही शेष थे।

ऐसे कठिन मौके पर उसके पिता ने एक कड़ा निर्णय लिया और लाइफबोट पर कूद गया। उसके पिता ने डायरी में लिखा था– 'तुम्हारे बिना मेरे जीवन का कोई मतलब नहीं। मैं तो तुम्हारे साथ ही समंदर में समा जाना चाहता था, लेकिन अपनी संतान का ख्याल आने पर मुझे तुमको अकेले छोड़कर जाना पड़ा।'

जब प्रोफेसर ने कहानी समाप्त की तो, पूरी क्लास में शांति थी।

सामयिकी

पीढ़ियों पर पड़ता है लड़की की शिक्षा का असर

गांव की रेत भरी पगडंडी पर दस साल की रेखा हाथ में पुरानी किताबें थामे स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। उसके चेहरे पर मासूम चमक थी, लेकिन मन में एक अनकहा डर भी। मां ने जाते-जाते उसे याद दिलाया कि लौटकर उसे पानी भी भरना है और छोटे भाई को संभालना भी है। रेखा चाहती थी कि उसकी पढ़ाई पूरी हो, वह भी शहर की लड़कियों की तरह डॉक्टर या अध्यापिका बने, लेकिन उसकी दादी का कहना था कि लड़की को इतना पढ़ाने की क्या जरूरत है, आखिरकार उसे तो घर ही संभालना है। दादी के ये शब्द अक्सर रेखा के सपनों को तोड़ देते हैं।

यह हकीकत गांव की किसी एक लड़की की नहीं है, बल्कि

अदा

एक्टिविस्ट

यहां की कई किशोरियां इस कड़वी हकीकत से रोज गुजरती हैं। देश में आज भी लड़कियों की शिक्षा को लेकर नकारात्मक सोच गहराई से जमी हुई है। परिवारों की मान्यताएं इस दिशा में बड़ी बाधा बनती हैं। आज भी बहुत से माता-पिता मानते हैं कि उच्च शिक्षा में समय और धन लगाने के बजाय लड़की को कम उम्र में ही ब्याह देना बेहतर है।

देश के तमाम गांवों में लड़कों को तो शिक्षा दिलाई जाती है, लेकिन लड़कियों को इससे दूर रखा जाता है। कई घरों में लड़कियों की प्राथमिक शिक्षा तो हो जाती है, लेकिन जैसे-जैसे वे किशोरावस्था में पहुंचती हैं, पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। कारण एक नहीं, बल्कि कई हैं। गरीबी, स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन का अभाव, और सबसे बड़ा कारण, समाज की सोच। गांव के बुजुर्ग अक्सर कहते मिलते हैं कि लड़की का असली घर उसका ससुराल है, पढ़ाई का बोझ क्यों दिया जाए। यही सोच लड़कियों के सपनों को अधूरा कर देती हैं। कुछ परिवारों में यह डर भी रहता है कि पढ़ी-लिखी लड़की विवाह में कठिनाई खड़ी कर देगी, क्योंकि दूल्हे वाले उनसे ऊंची अपेक्षाएं करेंगे।

गांवों में लड़कियों को शिक्षा दिलाना अक्सर 'खर्च' माना जाता है। लड़के को पढ़ाना निवेश समझा जाता है, क्योंकि वह भविष्य में परिवार का सहारा बनेगा, जबकि लड़की शादी के बाद दूसरे घर चली जाएगी। आर्थिक तंगी से जूझते परिवारों में प्राथमिकता बेटे की पढ़ाई होती है। सुरक्षा का मुद्दा भी कम अहम नहीं। दूर-दराज के गांवों में जब स्कूल कई किलोमीटर दूर हो और परिवहन की सुविधा न हो तो परिवार लड़कियों को भेजने से हिचकते हैं। इसके अलावा किशोरावस्था में पहुंचते ही परिवारों को डर होता है कि लड़की बाहर जाएगी तो बदनामी हो सकती है। ऐसे में सबसे आसान उपाय उन्हें घर में रोक लेना और जल्दी शादी कर देना समझा जाता है।

शिक्षा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ियों पर असर डालती है। अध्ययनों से यह साफ हो चुका है कि जिन महिलाओं ने स्कूलिंग पूरी की, वे अपनी बेटियों को भी स्कूल भेजने की संभावना ज्यादा रखती हैं। शिक्षा पाई हुई लड़की शादी में देर से जाती है, उसका स्वास्थ्य बेहतर होता है और वह परिवार की आर्थिक स्थिति में भी योगदान करती है। गांवों में यदि लड़कियां पढ़ पातीं तो वहां की सामाजिक-आर्थिक तस्वीर काफी बदल सकती है। ऐसे में समाज को यह समझना होगा कि लड़की की शिक्षा केवल परिवार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का भविष्य है। जरूरत है कि परिवार, समाज और सरकार मिलकर यह मान लें कि शिक्षा प्राप्त करना हर लड़की का मौलिक अधिकार है। अगर यह सोच हर घर तक पहुंच सके तो देश नई दिशा पा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मिर्जापुर के अनजाने पर्यटन स्थल

एक छुपी हुई विरासत

उत्तर प्रदेश का मिर्जापुर अक्सर विंध्याचल धाम, अष्टभुजा माता मंदिर और चुनारगढ़ किले के कारण प्रसिद्ध है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु और सैलानी पहुंचते हैं। लेकिन इस धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान के पीछे मिर्जापुर की एक ऐसी अनकही और अनदेखी दुनिया भी छुपी है, जहां अब भी प्रकृति, इतिहास और लोकसंस्कृति अपनी मूल अवस्था में जीवित है। बहुत कम लोग इन स्थलों के बारे में जानते हैं, लेकिन जो लोग यहां पहुंचते हैं, वे जीवनभर की यादें लेकर लौटते हैं। एक बार इन स्थलों की यात्रा जरूर करके देखें।

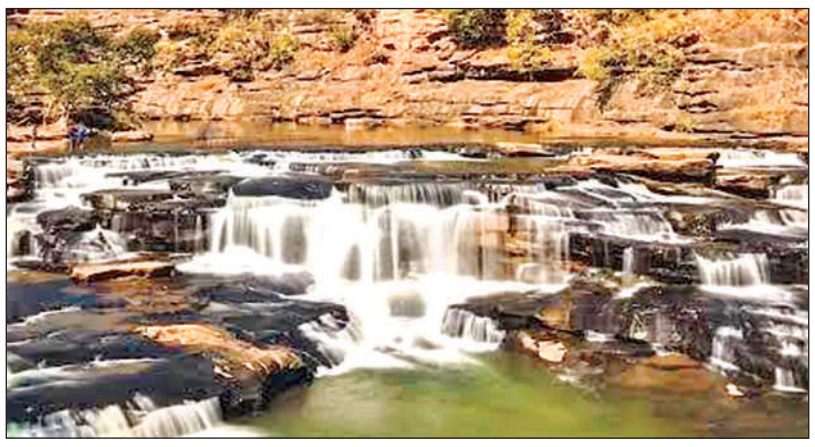

झरने, गुफाएं और प्राचीन खंडहर आकर्षण का केंद्र

मिर्जापुर केवल धार्मिक आस्था या चुनारगढ़ किले की कहानियों तक सीमित नहीं है। यहां की झरने, गुफाएं, प्राचीन खंडहर और लोककला गांव इसे एक समग्र पर्यटन स्थल बनाते हैं। अफसोस की बात यह है कि इन जगहों की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंच पाती है। यदि इन छुपे रत्नों को सही पहचान और संरक्षण मिले, तो मिर्जापुर उत्तर प्रदेश का एक ऐसा केंद्र बन सकता है जहां पर्यटक आस्था, रोमांच, इतिहास और संस्कृति—सबका अनुभव एक साथ ले सकें।

लखनिया दरी जलप्रपात

- विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं के बीच बसा लखनिया दरी जलप्रपात प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत नमूना है। यहां लगभग 150 मीटर ऊंचाई से गिरता पानी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। मानसून के समय इसकी खूबसूरती चरम पर होती है। खास बात यह है कि यहां भीड़ कम आती है, इसलिए शांति और रोमांच दोनों का आनंद लिया जा सकता है। ट्रैकिंग प्रेमियों के लिए भी यह जगह आदर्श है।

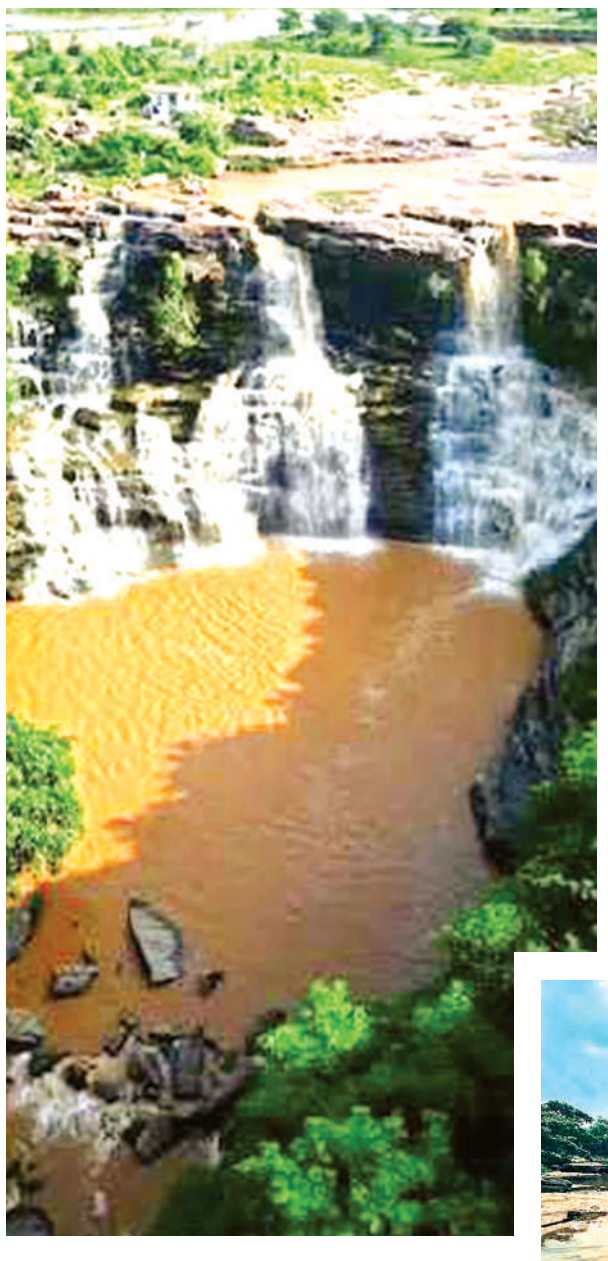

तारन जलप्रपात

- लखनिया दरी से कुछ दूरी पर स्थित तारण जलप्रपात अब तक बहुत कम लोगों तक पहुंचा है। यहां का पानी चट्टानों से टकराकर छोटे-छोटे ताल बनाता है। स्थानीय लोग मानते हैं कि यहां स्नान करने से मन और शरीर दोनों ताजगी से भर जाते हैं। यह स्थान खासकर उन लोगों के लिए उपयुक्त है, जो पर्यटन के शोरगुल से दूर प्रकृति के बीच सुकून तलाशते हैं।

मोटिया तालाब और प्राचीन शिलालेख

- मिर्जापुर शहर के पास स्थित मोटिया तालाब को कभी स्थानीय शासकों ने बनवाया था। इसकी खासियत केवल पानी का स्रोत होना नहीं है, बल्कि इसके किनारों पर बने प्राचीन शिलालेख और मूर्तियां हैं। यहां की दीवारों पर अंकित चित्र विंध्य क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं। यह जगह आम पर्यटकों की नज़रों से दूर है, लेकिन इतिहास प्रेमियों के लिए खजाने से कम नहीं।

जटाशंकर धाम

- मिर्जापुर का जटाशंकर धाम धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन बहुत कम लोग इसे जानते हैं। यहां एक गुफा जैसी संरचना है, जिसके भीतर शिवलिंग स्थित है। मान्यता है कि भगवान शिव की जटाओं से गंगा की धारा यहां प्रकट हुई थीं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अध्यात्म और प्रकृति दोनों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

ललित कला और लोककला गांव

- मिर्जापुर अपने कालीन उद्योग के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इसके आसपास कुछ गांव ऐसे भी हैं जहां आज भी लोककला, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की नक्काशी और पारंपरिक चित्रकला जीवित है। यह गांव किसी संग्रहालय से कम नहीं लगते। यहां जाकर पर्यटक केवल कला देखते ही नहीं, बल्कि कारीगरों से संवाद करके मिर्जापुर की धड़कन को महसूस करते हैं।

विंध्य की गुफाएं – पौराणिक रहस्य

- मिर्जापुर के पहाड़ी क्षेत्रों में कई छोटी-बड़ी गुफाएं हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इनमें से कई गुफाओं में शिलालेख, पौराणिक प्रतीक और साधुओं के रहने के चिह्न आज भी दिखाई देते हैं। स्थानीय मान्यता है कि यह गुफाएं कभी तपस्वियों का निवास स्थल रही होंगी। रोमांच और अध्यात्म के मिश्रण की तलाश करने वालों के लिए यह गुफाएं बेहद खास अनुभव प्रदान करती हैं।

काला पहाड़ – रोमांच का केंद्र

- मिर्जापुर का काला पहाड़ नाम की तरह रहस्यमयी है। यह काले पत्थर की ऊंची पहाड़ी है, जहां से पूरे इलाके का शानदार नज़ारा देखा जा सकता है। यहां पहुंचना आसान नहीं है, लेकिन रोमांच प्रेमियों के लिए यह ट्रैकिंग का अद्भुत अनुभव है। बहुत कम लोग इस जगह का नाम जानते हैं, लेकिन जो भी यहां आता है, प्रकृति की गोद में बिताए पल उसे अविस्मरणीय लगते हैं।

टंडा फॉल्स

- शहर की हलचल से दूर स्थित टंडा फॉल्स को मिनी नियाग्रा भी कहा जाता है। यहां का पानी कई धाराओं में बंटकर नीचे गिरता है, जिससे एक अनोखा दृश्य बनता है। खास बात यह है कि यहां स्थानीय जनजातियां आज भी अपनी संस्कृति के साथ जीती हैं। उनके नृत्य, गीत और लोककला सैलानियों को मिर्जापुर की असली आत्मा से जोड़ते हैं।

लेखक– शिवेंद्र सिंह बघेल
शिक्षक के साथ ही साहित्यकार भी हैं

स्कूल के दिन याद आते ही झूम उठता मन

अमर स्मृतियां

स्कूल के दिन यह शीर्षक ही ऐसा है जिसे सुनते या पढ़ते ही मन रोमांच से भर उठता है। यह वो सुनहरे दिन थे जो जीवन की सबसे अमर स्मृतियों में गिने जाएंगे। केजी से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं का समय मेरे जीवन का वह समय था जिसको याद करके मन खुशियों से भर जाता है और उन पलों को जीने की चाहत फिर से जाग उठती है। स्कूल की घंटी बजने से लेकर छुट्टी की घंटी बजने तक का समय कैसे बीत जाता था पता ही नहीं चलता था। उस समय मोबाइल का दौर नहीं था इसलिए दोस्तों से बात करने के लिए पूरे 1 दिन का इंतजार करना पड़ता था। लंच टाइम में टिफिन शेयर करना, तरह-तरह के खेल खेलना उसमें जीतने की खुशी और हारने पर मिलकर हौसला बढ़ाना ,परीक्षा के दिनों का तनाव, उसके बाद छुट्टियों का उल्लास अभी भी याद आता है। उन दिनों ना तो जिम्मेदारियां का बोझ था बस परीक्षा में अच्छे अंकों से पास होने के अलावा और कोई चिंता न थी। विद्यालय का जीवन ही हमारी वास्तविक नींव है। स्कूल केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान ही नहीं है बल्कि जीवन के विविध पहलुओं को दिशा देने वाला मंदिर भी है। विद्यार्थी जीवन बीते हुए बहुत समय हो गया हो, लेकिन आज के तकनीकी युग में सोशल मीडिया के द्वारा पुराने सब दोस्त फिर से मिल सके और पुरानी यादें ताजा हो पाई हैं। विद्यार्थी जीवन ,जीवन का वह सोपान है जहां ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन ,मित्रता और संस्कारों की नींव रखी जाती है लेकिन साथ-साथ जो शरारतें और हंसी - मजाक कक्षा के बीच और बाद में होता था वह सबसे मनोरंजक पल होता था। शिक्षकों का नामकरण करना और किसी खास हावभाव को चिन्हित करना बड़ा आनंद देता था। आज टीचर किस रंग की साड़ी पहन कर आएंगी इसकी शर्त लगाने का भी अपना अलग मजा था। कक्षा में टीचर द्वारा खास मुझे चैप्टर रीडिंग करवाना या फिर कॉपियां स्टाफ रूम में रखने के लिए कहना, टीचर के अनुपस्थित होने पर खास मुझे क्लास को देखने की जिम्मेदारी देना यह सब छोटी-छोटी बातें गर्व और हर्ष का विषय बनती थी और स्पेशल फील कराती थी।आज भी कुछ टीचर्स संपर्क में है और पुरानी यादें साझा करती हैं तो बहुत अच्छा लगता है। स्कूल के दिनों में कोई ब्यूटी क्वीन, कोई गॉसिप गर्ल ,कोई टॉमबॉय कोई मिस कैटवॉक,कोई चुगली आंटी के नाम से चुपके से अलंकृत की जाती थी जो अपने आप में मनोरंजन का कारण होता था। ऐसी न जाने कितनी अनगिनत स्मृतियां हैं जिन्हें शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। स्कूल के दिन हमारी स्मृतियों के वे अध्याय हैं जहां अनुशासन के साथ-साथ मित्रता का संसार बसता था। अध्यापकों के अनुशासन, स्वयं के परिश्रम एवं मित्रों के प्रेम ने जीवन को रंगीन बना दिया था। आज जब हम जीवन की जटिलताओं से थक जाते हैं तब अनायास ही हमारी

लेखिका: डॉ. मनीषा चतुर्वेदी

आत्मविश्वास, जज्बा और दूरदर्शिता सफल एंटरप्रेन्योर

सफलता की कहानी

- उद्यम में सफलता के अनुभव साझा कर रहे उद्योगपति शिव कुमार अग्रवाल
- बोले-संघर्ष और समस्याओं को सुलझाना अलजेब्रा हल करने जैसा

रुद्रपुरः खुद पर भरोसा और जज्बा हो तो आप दूरदर्शिता के साथ बढ़ते हुए कामयाब एंटरप्रेन्योर बन सकते हैं। मैं उद्यम के क्षेत्र में सफल होने के लिए सच्चाई, ईमानदारी और निडरता के साथ कामयाबी की डगर पर नित नए पड़ाव तय करता रहा। एक सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी परिवार में पैदा होने के कारण निडरता और एंटरप्रेन्योरशिप जैसे गुण मेरे जींस में रहे हैं। आजादी के कुछ साल बाद यानी 1952 में जन्म होने के बाद बावजूद मैं अपने घर पर उस जमाने के नामी नेताओं और प्रतिष्ठित लोगों का जमघट देखकर और उनसे बातचीत कर रोमांचित होता था। संयुक्त परिवार से संबंधित होने के कारण मुझे सभी संस्कार मिले थे। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बड़ों का भरपूर आदर करना था।

14 साल की उम्र में हाईस्कूल पास किया। उस समय मातृभाषा होने के कारण अपनी हिन्दी को लेकर आत्मविश्वास था इसलिए उसे पढ़ा नहीं। उस समय के माहौल में अंग्रेजी पढ़ी नहीं गयी। हां, मेरा अलजेब्रा सबसे स्ट्रांग था और इसमें खूब मजा आता था। इसमें मैं हमेशा कम से कम 99 प्रतिशत सवाल हल कर लेता था। मुझे लगता है कि हम सभी की जिंदगी भी अलजेब्रा की तरह है। तमाम तरह के संघर्ष और समस्याओं को सुलझाना जिंदगी का अलजेब्रा हल करने जैसा ही है। मेरी तमन्ना एयरफोर्स में जाने की थी क्योंकि यह मुझे रोमांचित करता था, लेकिन घर वाले मुझे एंटरप्रेन्योरशिप की राह पर आगे बढ़ते हुए देखना चाहते थे। आखिरकार मैंने सिर्फ 18 साल की उम्र में उद्यमिता की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए। मैंने अकेले दम पर सबसे पहले खुद की राइस मिल लगाई और फिर मुझे पीछे मुड़कर देखने की नौबत नहीं आयी। इसके बाद मैंने एक-एक करके लगातार कई यूनिट्स लगाईं। इस प्रक्रिया में मुझे जो संघर्ष करना पड़ा, उसे मैं जरूरी और किसी भी कीमत पर सस्ता समझता हूं। मेरा मानना है कि अनुभव एक पूंजी की तरह है जो किसी भी तरह हासिल करना चाहिए। भले ही इसके लिए कभी नुकसान ही क्यों न उठाना पड़े। इससे परिपक्वता आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उद्यमिता की राह में मिलने वाले अनुभवों को मैंने पूरी तरह एंज्वाय किया। इससे मैं और ज्यादा निडर हुआ। मैंने अपनी अब तक की लाइफ में उतार-चढ़ाव और नुकसान बहुत देखे हैं पर मेरा मानना है कि एंटरप्रिन्योरशिप की राह सांप-सीढ़ी के खेल जैसी है। कभी किसी निर्णय से आपको बहुत लाभ मिल सकता है तो किसी भी एक निर्णय या कदम से नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। तमाम उतार-चढ़ावों के बावजूद मैंने जमीर को कभी खराब या खत्म नहीं होने दिया। यहां तक कि अभाव महसूस होने पर भी मैंने कभी समझौता नहीं किया। शायद यही कारण है कि इससे मिलने वाली ताकत के कारण ही मैं हमेशा कांफिडेंट रहता हूं। इसके अलावा मेरे लिए सच्चाई और ईमानदारी भी बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं। चाहे वह किसी के प्रति भी हों। मुझे लगता है कि इन गुणों के साथ अगर किसी काम के प्रति आपका डेडिकेशन है तो आपकी आईक्यू भी शार्प होगी और आप कामयाबी की राह पर निश्चित रूप से हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे।

दोनों पुत्र भी स्थापित कर रहे कीर्तिमान

- शिवकुमार अग्रवाल के दोनों पुत्र अभिषेक एवं सौरभ भी उनके पदचिन्हों पर चल रहे हैं। उन्होंने युवा उद्यमी के तौर पर अपनी एक अलग पहचान बनायी है। शिवकुमार द्वारा लगाये गये पौधे को वटवृक्ष के रूप में विकसित कर रहे हैं। उत्तराखंड राज्य के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल, आंध्र प्रदेश तक अपने व्यवसाय का विस्तार सफलतापूर्वक करते हुए संस्था को तेजी से आगे बढ़ाकर नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। वर्तमान में तीसरी पीढ़ी भी कंधे से कंधा मिलाने को तत्पर है।

लेखक: डॉ. शिवकुमार अग्रवाल
उद्योगपति, ऊधमसिंह नगर

चांदी ने सोने को पछाड़ा, मांग से 19% उछला

नई दिल्ली। चांदी ने सितंबर में 19 .4 प्रतिशत की तेजी के साथ सोने को पीछे छोड़ दिया, जबकि इस दौरान पीली धातु की कीमत में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चांदी की कीमतों में यह वृद्धि मजबूत औद्योगिक मांग और वैश्विक आपूर्ति में कमी के कारण हुई है। चांदी की कीमतें दो सितंबर को 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वह 24,500 रुपये बढ़कर 30 सितंबर को 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। यह हाल के वर्षों में सबसे तेज मासिक वृद्धि में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एसीसी पर लगाया 23 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने एसीसी लिमिटेड पर कुल 23 .07 करोड़ रुपये के दो अलग-अलग जुर्माने लगाए हैं। अडाणी समूह की यह कंपनी अपीलीय प्राधिकारियों के समक्ष इस जुर्माने को चुनौती देगी। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2015-16 के लिए कथित तौर पर आय का गलत विवरण प्रस्तुत करने के लिए 14 .22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं आकलन वर्ष 2018-19 के लिए आय कम बताने के मामले में 8 .85 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। एसीसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी

छह कंपनियों की लघु रिएक्टर में रुचि

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडाणी पावर सहित कम से कम छह निजी क्षेत्र की कंपनियों ने भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर) स्थापित करने में रुचि दिखाई है और छह राज्यों में 16 संभावित स्थलों की पहचान की है। जिन छह कंपनियों ने भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के लघु मॉड्यूलर रिएक्टर स्थापित करने के प्रस्ताव का जवाब दिया है, उनमें जिंदल स्टील एंड पावर, टाटा पावर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू एनर्जी भी शामिल हैं। एनपीसीआईएल ने कहा कि उपरोक्त कंपनियों ने बीएसएमआर के लिए संभावित स्थलों की भी पहचान की है और विभिन्न राज्यों में 16 स्थलों की प्रारंभिक स्थल रिपोर्ट भी दी है।

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर 31.8 लाख जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर निर्देशों का पालन न करने के कारण 31 लाख 80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को बताया कि उसने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन को क्रेडिट कार्डधारकों को रिफंड और विफल या रिवर्स ट्रांजेक्शन से प्राप्त बैलेंस उनके खाते में न देने का दोषी पाया है। यह मामला पिछले साल नियमित जांच में सामने आया था। इसके बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया था कि निर्देश का पालन न करने के लिए क्यों न उस पर जुर्माना लगाया जाये। नोटिस पर बैंक के जवाब और व्यक्तिगत स्तर पर सुनवाई के दौरान दिये गये मौखिक तर्कों के संतोषजनक नहीं पाए जाने के बाद आरबीआई ने बैंक पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया है।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिर शक्ति

कौटिल्य आर्थिक शिखर सम्मेलन में बोलीं वित्तमंत्री, स्थिरता के साथ बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि विश्व, व्यापार एवं ऊर्जा सुरक्षा में ''गंभीर असंतुलन'' का सामना करने के साथ ही संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में भारत 'स्थिरता कायम करने वाली शक्ति' के रूप में सामने आया है जो बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है। सीतारमण ने यहां कौटिल्य आर्थिक शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ रहे हैं और प्रतिबंध व शुल्क वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को नया रूप दे रहे हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहना होगा और परितोष की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि युद्ध एवं रणनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं सहयोग व संघर्ष की सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। जो गठबंधन कभी मजबूत दिखते थे, उनकी परीक्षा हो रही है और नए गठबंधन सामने आ रहे हैं।

भारत के लिए ये गतिशीलताएं, संवेदनशीलता एवं लचीलेपन दोनों को उजागर करती हैं। झटकों को सहने की हमारी क्षमता मजबूत है। साथ ही हमारी आर्थिक क्षमता भी बढ़ रही है। सीतारमण ने कहा कि विश्व अभूतपूर्व वैश्विक अनिश्चितता एवं अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और देशों के समक्ष चुनौती केवल अनिश्चितता से निपटने की नहीं बल्कि व्यापार, वित्तीय एवं ऊर्जा असंतुलन से निपटने की भी है। मंत्री ने 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि इसलिए, हमारे सामने चुनौती केवल अनिश्चितता से नहीं बल्कि असंतुलन से निपटने की भी है। हमें खुद से सवाल करना होगा कि हम एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं जहां व्यापार निष्पक्ष हो, ऊर्जा सस्ती एवं टिकाऊ हो और जलवायु परिवर्तन से निपटने की कार्रवाई विकास की अनिवार्यताओं के अनुरूप हो...?

कल के बजाय आज के लिए करें काम

सीतारमण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को ऐसे विचारों पर काम करने की जरूरत है, जो कल के पदानुक्रमों के बजाय आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि विकासशील देशों की आवाज नियम-निर्माण में हाशिए पर न रहे, बल्कि भविष्य को आकार देने में उनकी आवाज को बल मिले। सीतारमण ने कहा कि अव्यवस्थाएं इस नए वैश्विक युग को परिभाषित करती हैं, जिसमें व्यापार प्रवाह को नया रूप दिया जा रहा है। गठबंधनों की परीक्षा ली जा रही है, भू-राजनीतिक सीमाओं के साथ निवेश को फिर से शुरू किया जा रहा है और साझा प्रतिबद्धताओं पर फिर से गौर किया जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि हम जिस परिस्थिति का सामना कर रहे हैं वह कोई अस्थायी व्यवधान नहीं बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था की नींव बदल रही है, क्योंकि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी दुनिया, जिसने वैश्वीकरण, खुले बाजारों और बहुपक्षीय सहयोग के विस्तार को जन्म दिया था, यह अब अतीत की बातें प्रतीत होती हैं।

तनाव का सामना कर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था

वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्तमान में बढ़ते व्यापार तनाव, उच्च शुल्क, बढ़ती वैश्विक नीति अनिश्चितता और जारी रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रही है। सीतारमण ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कम निवेश, उच्च पूंजी लागत, अस्थिर ऊर्जा कीमतों और वृद्धि, स्थिरता एवं सततता के बीच तनाव का सामना कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि स्थिरता कायम करने वाली शक्ति के रूप में भारत का उदय न तो आकस्मिक और न ही क्षणिक है...बल्कि, यह कारकों के एक शक्तिशाली संयोजन का परिणाम है। सीतारमण ने कहा कि पिछले एक दशक में सरकार ने राजकोषीय समेकन, पूंजीगत व्यय की गुणवत्ता में सुधार और मुद्रास्फीति के दबावों पर लगाम लगाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

टीसीएस में नियुक्ति की प्रक्रिया की मांगी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **अमेरिकी सांसदों ने एच-1बी वीजा पर भी किए सवाल**

अमेरिकी सांसदों ने भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस से अमेरिका में नियुक्ति प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। इन सांसदों ने पूछा कि क्या कंपनी ने किसी अमेरिकी कर्मचारी को हटाकर उसकी जगह एच-1बी कर्मचारी को नियुक्त किया है। साथ ही एच-1बी कर्मचारियों और उनके समकक्ष अमेरिकी कर्मचारियों के बीच वेतन असमानता के बारे में भी पूछा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सीईओ के कृतिवासन को लिखे एक पत्र में सीनेट न्यायपालिका समिति के चेयरमैन चार्ल्स ग्रासली और रैंकिंग सदस्य रिचर्ड डर्बिन ने कहा कि कंपनी दुनिया भर में 12,000 से अधिक कर्मचारियों, जिनमें अमेरिकी कर्मचारी भी शामिल हैं, की छंटनी कर रही है। पत्र के अनुसार, टीसीएस ने अकेले अपने जैक्सनविले कार्यालय में लगभग पांच दर्जन कर्मचारियों की छंटनी की।

इसमें आगे कहा गया कि एक तरफ आप अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आप हजारों विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा आवेदन भी दे रहे हैं। पत्र में वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों का हवाला दिया गया, जब टीसीएस को 5,505 एच-1बी कर्मचारियों की नियुक्ति की मंजूरी मिली थी। इस पत्र में कहा गया कि इससे कंपनी अमेरिका में नए स्वीकृत एच-1बी लाभार्थियों की दूसरी सबसे बड़ी नियोक्ता बन गई है।

इन सांसदों ने कहा कि हमारे लिए यह विश्वास करना मुश्किल लगता है कि टीसीएस इन पदों को भरने के लिए योग्य अमेरिकी तकनीकी कर्मचारी नहीं ढूंढ पा रही है। इस संबंध में प्रतिक्रिया के लिए टीसीएस को ईमेल भेजा, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका कोई जवाब नहीं मिला।

पाकिस्तानी कंपनियों को कराना होगा पंजीकरण

मुंबई, एजेंसी

- **भारत में शाखा खोलने के लिए पुलिस पंजीकरण होगा जरूरी**

अब पाकिस्तान की कंपनियों को भी भारत में शाखा खोलने और बैंकिंग सुविधा लेने के लिए स्थानीय पुलिस के पास पंजीकरण कराना होगा और बैंक उनके द्वारा खाता खोले जाने की सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय को देंगे। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस संबंध में नियमों में परिवर्तन का प्रस्ताव किया है जिसका प्रारूप हितधारकों के सुझावों के लिए केंद्रीय बैंक की वेबसाइट पर रखा गया है।

नियमों के तहत पहले बंगलादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ईरान, चीन, हांगकांग और मकाऊ की कंपनियों या इकाइयों को भारत में शाखा कार्यालय, लाइजन कार्यालय, प्रोजेक्ट कार्यालय या किसी भी तरह का कारोबारी कार्यालय शुरू करने के लिए स्थानीय पुलिस के पास पंजीकरण जरूरी था। साथ ही उनका खाता खोलने वाले भारतीय बैंक कंपनियों के अपने देश से जारी स्वीकृति पत्र की एक प्रति केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आंतरिक सुरक्षा विभाग-1 को भी भेजेंगे। प्रारूप संशोधन में इस सूची में पाकिस्तान का नाम भी जोड़ दिया गया है और कहा गया है कि बैंक उनके द्वारा खाता खोले जाने की सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आंतरिक सुरक्षा विभाग-1 को देंगे। अन्य विदेशी इकाइयों के लिए भारत में शाखा और बैंक खाता खोलने के नियमों को सरल बनाया गया है। जो कंपनी जिस नियामक एजेंसी के तहत आती है उसके शाखा खोलने के लिए उस एजेंसी की मंजूरी ही पर्याप्त होगी। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नियमों में संशोधन के जरिये नियमों का उल्लंघन करने वाले और निष्क्रिय पड़ी शाखा, कार्यालय को बंद करने के नियमों को भी सरल करने का प्रस्ताव है।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 700.24 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.39 अरब डॉलर घटकर 581.76 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.24 अरब बढ़कर 95.02 अरब डॉलर हो गया।

महाराष्ट्र में 24 घंटे खुलेंगी दुकान और रेस्तरां

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने आवासीय होटल, रेस्तरां, भोजनालय, थिएटर, सार्वजनिक मनोरंजन के स्थानों सहित दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को पूरे राज्य में 24 घंटे खुले रहने की अनुमति दे दी है। इस संबंध में एक अक्टूबर को जारी सरकारी आदेश (जीआर) में हालांकि यह स्पष्ट कर दिया गया है कि शराब की बिक्री एवं आपूर्ति से जुड़े प्रतिष्ठान 24 घंटे नहीं खुलेंगे। इनमें वाइन शॉप, बीयर बार, डांस बार, हुक्का पार्लर, डिस्कोथेक और परमिट रूम शामिल हैं। इसमें कहा गया कि दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सप्ताह के सभी दिन खुले रह सकते हैं, बशर्ते कि प्रत्येक कर्मचारी को सप्ताह में कम से कम 24 घंटे का निरंतर विश्राम दिया जाए।

- **शराब की दुकानों को नहीं मिली अनुमति**

उपर्युक्त प्रतिष्ठानों के कामकाजी घंटे सीमित ही रहेंगे। इससे पहले 19 दिसंबर 2017 को जारी अधिसूचना में राज्य सरकार ने परमिट रूम, बीयर बार, डांस बार, हुक्का पार्लर, डिस्कोथेक और शराब बेचने वाले सभी प्रतिष्ठानों के साथ-साथ वाइन शॉप, थिएटर और सिनेमा हॉल के खुलने और बंद होने का समय तय कर दिया था। इसके बाद 31 जनवरी 2020 की अधिसूचना में सरकार ने थिएटर और सिनेमा हॉल को पहले की अधिसूचना से बाहर कर दिया और केवल शराब बेचने या परोसने वाले प्रतिष्ठानों को समय सीमा के अधीन रखा।

अब सोने की कीमत वैश्विक अनिश्चितता का नया बैरोमीटर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आरबीआई गर्वनर मल्होत्रा बोले- लगभग हर देश में वित्तीय स्थिति तनावग्रस्त**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि शायद सोने की कीमत वैश्विक अनिश्चितताओं को दर्शाने वाले एक नए बैरोमीटर के रूप में काम कर रही है जबकि पहले कच्चा तेल ऐसा करता था। मल्होत्रा ने वर्तमान में लगभग हर देश के वित्तीय रूप से 'काफी तनावग्रस्त' होने का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा व्यापार नीति का माहौल कुछ अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि को नुकसान पहुंचा सकता है।

उन्होंने निवेशकों को सजग करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट देखी जा सकती है। आरबीआई ने बुधवार को तटस्थ मौद्रिक नीति रुख के साथ रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने की घोषणा की। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अनुमान से कहीं अधिक जुझारू रही है, लेकिन भविष्य अब भी धुंधला नजर आ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में कहा कि भू-राजनीतिक तनावों की वजह से पिछले दशक में तेल की कीमतें आसमान छू सकती थीं। लेकिन इन तनावों के बावजूद वर्तमान में तेल की कीमतें बहुत सीमित दायरे में रही हैं। यह न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेल की अहमियत कम होने के कारण हो सकता है।" उन्होंने कहा, "शायद अब सोने की कीमतें उसी तरह की चाल दिखा रही हैं जैसा पहले तेल दिखाया करता था। और यह वैश्विक अनिश्चितताओं का संकेतक बन रही हैं।" मल्होत्रा ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शेयर बाजार में निवेशक भी कुछ ज्यादा उत्साह में लग रहे हैं। वैश्विक शेयर बाजारों में अधिकांश तेजी का नेतृत्व प्रौद्योगिकी शेयरों द्वारा किए जाने की पृष्ठभूमि में निकट भविष्य में एक सुधार हो सकता है।

राष्ट्रीय

भारत का डेयरी क्षेत्र 11 साल में 70% बढ़ा : शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री बोले-यह सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र

रोहतक, एजेंसी

रोहतक में सभा के दौरान लोगों को अभिवादन देते अमित शाह।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने पिछले 11 वर्ष में डेयरी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए 70 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है और अब यह दुनिया में सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के डेयरी क्षेत्र में क्षमता के मामले में 70 प्रतिशत का विस्तार हुआ है। शाह ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत यहां 'इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप' में नवनिर्मित 'साबर डेयरी' संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद कहा कि दुनिया में भारत का डेयरी क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ रहा है।

कुल 325 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस संयंत्र में अत्याधुनिक मशीन लगेंगी और इससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। 'साबर डेयरी' संयंत्र दही, छाछ और 'योगर्ट' के लिए देश का सबसे बड़ा उत्पादन संयंत्र है जिसकी दैनिक क्षमता 150 मीट्रिक टन दही, तीन लाख लीटर छाछ, 10 लाख लीटर 'योगर्ट' और 10 मीट्रिक टन मिठाइयां बनाने की है।

गुजरात स्थित साबरकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ को 'साबर डेयरी' के नाम से जाना जाता है। सहकारिता मंत्रालय का भी प्रभार संभाल रहे शाह ने कहा कि पिछले चार वर्ष में इस मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर सहकारिता व्यवस्था की मजबूत नींव रखी है। शाह ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि 2029 तक देश में एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां सहकारी समिति न हो। उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं की संख्या 2014-2015 के आठ करोड़ 60 लाख से बढ़कर अब 11 करोड़ 20 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन 14 करोड़ 60 लाख टन से बढ़कर 23 करोड़ 90 लाख टन हो गया है।

डेयरी क्षेत्र से जुड़े 8 करोड़ किसान

शाह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र से लगभग आठ करोड़ किसान जुड़े हुए हैं और प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता पहले 124 ग्राम थी जो अब 471 ग्राम हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल में डेयरी क्षेत्र में कई बदलाव आए हैं जिससे किसान समृद्ध हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया में शीर्ष दूध उत्पादक देश के रूप में उभरा है। शाह ने श्वेत क्रांति 2 .0 पहल का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 2028-29 तक डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद वर्तमान स्तर से बढ़कर 1,007 लाख किलोग्राम प्रतिदिन तक पहुंचने की उम्मीद है।

एक वर्ष में बनीं 33,000 सहकारी समितियां : केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब सहकारी क्षेत्र के तहत दूध की खरीद में वृद्धि होती है, तो इसका लाभ सीधे डेयरी क्षेत्र के किसानों को मिलता है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में लगभग 33,000 सहकारी समितियां पंजीकृत की गई हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक देशी नस्ल के मवेशियों का दूध 3.9 करोड़ टन से बढ़कर पांच करोड़ टन हो गया है।

सबसे आधुनिक डेयरी संयंत्र स्थापित करेंगे : शाह ने कहा कि एक ऐसी प्रणाली भी विकसित की जाएगी जिससे देश में दुनिया के सबसे आधुनिक संयंत्र स्थापित हो सकें। शाह ने 'साबर डेयरी' के यहां स्थापित नए संयंत्र के बारे में कहा कि यह पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तरी राज्यों की जरूरतों को पूरा करेगा। साबर डेयरी राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को सेवाएं प्रदान करती है।

चैतन्यानंद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत अवधि पूरी होने के बाद पटियाला हाउस अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार के समक्ष पेश किया। यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद के लिए पुलिस ने न्यायिक हिरासत की मांग की थी। उनके वकील ने जब्ती मेमो और केस डायरी दिए जाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने पुलिस से अन्य आवेदनों पर जवाब मांगा, जिनमें भिक्षुओं के वस्त्र पहनने, दवाइयां और "संन्यासी" भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

मोदी आज करेंगे 62 हजार करोड़ की युवा-केंद्रित योजनाओं की शुरूआत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **एक हजार सरकारी आईटीआई का हब-एंड-स्पोक मॉडल में होगा उन्नयन**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां युवा विकास की एक ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित योजनाओं की शुरूआत करेंगे जिसके माध्यम से देश भर में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता को एक निर्णायक बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ केंद्र प्रायोजित योजना पीएम-सेतु (अपग्रेडेड आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) का शुभारंभ करेंगे।

इस योजना में देश भर में एक हजार सरकारी आईटीआई का हब-एंड-स्पोक मॉडल में उन्नयन करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा होगा, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणाली और इनक्यूबेशन सुविधाओं से युक्त समूह तैयार किए जाएंगे। उद्योग जगत के प्रमुख साझेदार बाजार की मांग के अनुरूप परिणाम-आधारित कौशल विकास को सुनिश्चित करते हुए इन समूहों का प्रबंधन करेंगे। योजना के कार्यान्वयन के प्रथम चरण में पटना और दरभंगा के आईटीआई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मोदी 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करेंगे। ये प्रयोगशालाएं दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के छात्रों सहित, सूचना-प्रौद्योगिकी, ऑटोमोटिव, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसद और पर्यटन जैसे 12 उच्च-मांग वाले क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगी।

एनसीईआरटी ने शुरू किया स्वदेशी पर केंद्रित मॉड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 'स्वदेशी' पर विशेष मॉड्यूल जारी किया है, जिसमें 1905 से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आह्वान तक इस आंदोलन की यात्रा को दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस भाषण में आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत का आधार बताया था।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत में, प्रधानमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि शिक्षक आमतौर पर अपने छात्रों को होमवर्क देते हैं, लेकिन वह बदलाव के लिए शिक्षकों को एक होमवर्क देना चाहते हैं - वह है स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल।

गायक जुबिन गर्ग मौत मामला : सीबीआई-एनआईए जांच को सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंड के दो सदस्यों को पुलिस रिमांड पर भेजा

गुवाहाटी। असम की एक अदालत ने गायक-संगीतकार जुबिन गर्ग की मौत के मामले में शुक्रवार को उनके बैंड के सदस्यों शेखरज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत को 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि स्थानीय अदालत ने दोनों को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों से पूछताछ जारी है। मैं इस समय इससे ज़्यादा कुछ नहीं बता सकता।

पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर असम के गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) से लेकर सीबीआई या एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का अनुरोध किया है।

असम के सबसे प्रसिद्ध गायकों में से एक गर्ग की महोत्सव में प्रस्तुति से एक दिन पहले 19 सितंबर को सिंगापुर में मौत हो गई थी। खबरों के अनुसार, 52 वर्षीय कलाकार एक यॉट पर यात्रा के दौरान एक द्वीप के पास तैरते समय डूब गए थे। गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और श्यामकानु महंत को बुधवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने शर्मा और महंत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। वे 14 दिनों की सीआईडी हिरासत में हैं। याचिका के अनुसार, सिंगापुर प्राधिकारियों ने अपनी जांच शुरू कर दी है लेकिन उन्हें महंत द्वारा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी किए जाने या कोई साजिश रचे जाने का कोई तत्व नहीं मिला है।

वांगचुक की रिहाई के लिए पत्नी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- **लद्दाख हिंसा : रासुका के तहत जोधपुर जेल में बंद हैं वांगचुक**

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत पति की हिरासत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और उन्हें तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया है।

वांगचुक को लद्दाख में प्रदर्शनों के दो दिन बाद 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर उस केंद्र शासित प्रदेश में हुए विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा और वकील सर्वम रितम खरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में अंगमो ने वांगचुक के खिलाफ रासुका लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया है। अंगमो ने अदालत में दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में इसे तत्काल सूचीबद्ध करने और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को न्यायालय के समक्ष सोनम वांगचुक को तुरंत पेश करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

इटली में सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों की मौत

लंदन। इटली के ग्रोसेटो में शुक्रवार सुबह हुई एक सड़क दुर्घटना में दो भारतीय नागरिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इतालवी समाचार एजेंसी एएनएसए की खबर के अनुसार, यह दुर्घटना ग्रोसेटो में ऑरेलिया राजमार्ग पर उस समय हुई जब एशियाई पर्यटकों को ले जा रही एक वैन और एक मिनी बस के बीच टक्कर हो गई। खबर में बताया गया है कि इस घटना में बच्चों सहित पांच लोग घायल भी हुए हैं। अग्निशमन दल और इमरजेंसी पर तैनात अधिकारियों ने घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया। इटली स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि वह पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दूतावास ने बताया कि परिवार को सहायता दी जा रही है।

इंडोनेशिया: ध्वस्त स्कूल इमारत से 3 शव निकाले

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया में ध्वस्त स्कूल इमारत के मलबे से शुक्रवार तड़के तीन छात्रों के शवों को निकाला गया और 50 से अधिक छात्र अब भी लापता हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को हुए हादसे के बाद बचाव दल मलबे में छात्रों के जीवित होने की संभावना के मद्देनजर हाथ से मलबे को हटा रहे थे, लेकिन बृहस्पतिवार को किसी के जिंदा होने का कोई संकेत नहीं मिलने पर उन्होंने मलबे को तेजी से हटाने के लिए भारी उत्खनन मशीनों का इस्तेमाल शुरू किया। उन्होंने बताया कि जावा द्वीप के पूर्वी हिस्से में सिदोअर्जो में एक सदी पुराने अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के प्रार्थना कक्ष की इमारत उस समय ढह गई जब सैकड़ों की संख्या में छात्र वहां मौजूद थे।

वियतनाम में चक्रवाती तूफान से 51 की मौत

हनोई। वियतनाम में चक्रवाती तूफान बुआलोई और उसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से उत्तरी और मध्य वियतनाम में 51 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य लापता हो गए तथा 164 घायल हुए हैं। वियतनाम आपदा एवं डाइक प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक शुरूआती तौर पर आर्थिक नुकसान लगभग 15 .9 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (लगभग 60 .8 करोड़ अमेरिकी डॉलर) होने का अनुमान है। तूफान के कारण 238,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त या जलमग्न हुए हैं, लगभग 89,000 हेक्टेयर में फैसरा धान और अन्य फसलें जलमग्न हो गयी हैं और 17,000 हेक्टेयर से अधिक जलीय कृषि और लगभग 50,300 हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचाया।

समझौता कुबूल करे हमास या और ज्यादा हमलों के लिए तैयार रहे: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास को दिया रविवार शाम तक का वक्त

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दो टूक कहा कि अगर हमास गाजा पट्टी के लिए प्रस्तावित शांति समझौते पर रविवार शाम छह बजे तक सहमत नहीं होता है, तो चरमपंथी समूह को और अधिक हमलों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमास के साथ रविवार शाम छह बजे (वाशिंगटन डीसी के समयानुसार) तक समझौता हो जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर देश ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं! अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है, तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी।

ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए एक 20 सूत्री योजना पेश की थी। इसमें तत्काल युद्धविराम के साथ दोनों ओर से बंधकों की रिहाई प्रमुख बिंदु हैं। दुनिया के कई देशों ने इस योजना की सराहना की थी और शांति कायम करने के लिए हमास से इसे स्वीकार करने का आग्रह किया था।

मतभेदों को दूर करने के लिए गांधी के रास्ते पर चले दुनिया

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने जारी किया संदेश, कहा- अहिंसा कमजोरों का हथियार नहीं, साहसी लोगों की ताकत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

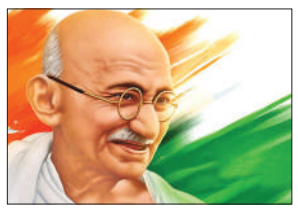

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने वैश्विक समुदाय से आपसी मतभेदों को दूर करने और कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग का अनुसरण करने का आह्वान करते हुए कहा कि दुनिया में इस समय बढ़ते तनाव के बीच गांधी का शांति का संदेश नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का संदेश यहां संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन द्वारा आयोजित विशेष स्मृति कार्यक्रम के दौरान दिया गया जो महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित किया गया था। गांधी जयंती को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने विशेष संदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षरण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं। गांधीजी ने न केवल इन आदर्शों की बात की बल्कि उन्हें जीया भी। बढ़ते तनाव और गहराते विभाजन के इस दौर में उनका संदेश नए सिरे से प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा, हिंसा संवाद की जगह ले रही है, आम नागरिक खामियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो रहा है और शांति की नींव खतरे में है। गुतारेस ने कहा कि गांधी जी का मानना था कि अहिंसा कमजोरों का हथियार नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि विभाजन एवं संघर्ष के इ, युग में गांधीजी का संदेश स्पष्ट है कि दुनिया में स्थाई शांति हासिल करने के लिए मानव जाति के पास अहिंसा सबसे बड़ी शक्ति है।

गांधी के समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव : बिल गेट्स

सिएटल/न्यूयॉर्क। अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने कहा कि महात्मा गांधी के समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन के कार्यों की नींव हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने ऐसी अनेक पहल और समाधान विकसित किए हैं, जो 'ग्लोबल साउथ' में लाखों लोगों की जान बचा सकते हैं और उनके जीवन को बेहतर बना सकते हैं। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। गेट्स सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास और गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर भारतीय संस्कृति, कला और खानपान को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जिसका सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड, वह दूसरों को दे रहा उपदेश

भारत ने यूएनएचआरसी में पाकिस्तान को फिर धोया, दुष्प्रचार को किया उजागर

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि मानवाधिकार के मामले में दुनिया में सबसे खराब रिकॉर्ड वाले देशों में से एक को अपने ही समाज में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ राज्य प्रायोजित उत्पीड़न और व्यवस्थागत भेदभाव पर गौर करना चाहिए।

भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर केएस मोहम्मद हुसैन ने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दौरान एक आम चर्चा के दौरान कहा, हमें यह बेहद विडंबनापूर्ण लगता है कि दुनिया में सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड वाले देशों में से एक दूसरों को उपदेश देना चाहता है। हुसैन ने मंगलवार को कहा, भारत के खिलाफ मनगढ़ंत आरोपों के साथ इस प्रतिष्ठित मंच का दुरुपयोग करने की उनकी कोशिशें उनके पाखंड को ही उजागर करती हैं। निराधार दुष्प्रचार करने के बजाय, उन्हें अपने समाज में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों का राज्य-प्रायोजित उत्पीड़न और व्यवस्थागत भेदभाव पर गौर करना चाहिए।

पीओजेके में गुस्साई भीड़ ने पुलिस की गाड़ियां फूंकी

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में सुरक्षा बलों की कार्रवाई से गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों और बुलडोज़र को आग के हवाले कर दिया है। इलाके में तनाव घटाने को लेकर पाकिस्तान सरकार और जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेकेएएसी) के बीच बातचीत के कल शुरू होने के बावजूद, पीओजेके में भारी अशांति देखी गई। यह तनाव सुरक्षा बलों की गोलीबारी में स्थानीय नागरिकों के मारे जाने के बाद और बढ़ गया था। पीओजेके के सेहंसा इलाके में प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में हुई नागरिकों की मौतों के प्रतिशोध में सरकारी संपत्ति को निशाना बनाया और पुलिस वाहनों और बुलडोज़रों में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने अरजा पुल पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे आवाजाही में खासी परेशानी हुई है। इसके अलावा कोटली शहर में पूर्ण बंद रहा और राज्य सरकार की कार्रवाई के कड़े विरोध में व्यवसाय और परिवहन ठप रहे। बातचीत की पहल होने के बाद भी आज़ाद पट्टन और पलंदरी सहित प्रमुख क्षेत्रों में प्रदर्शनों का सिलसिला नहीं रुका।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में पत्रकारों की पिटाई की जांच का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पत्रकारों ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक प्रेस क्लब में पुलिस की कार्रवाई और पत्रकारों के साथ मारपीट के लिए संघीय सरकार की आलोचना की है, वहीं गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। इस्लामाबाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करते हुए नेशनल प्रेस क्लब पर हमला किया। टीवी फुटेज में पुलिसकर्मियों को प्रेस क्लब परिसर में पत्रकारों पर लाठियां बरसाते हुए देखा जा सकता है। समाचार पत्र 'डॉन' की एक खबर के अनुसार नकवी ने कहा है कि उन्होंने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का संज्ञान लिया है और इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक से इस संबंध में एक रिपोर्ट मांगी है। उनके हवाले से कहा गया है, पत्रकार समुदाय के खिलाफ हिंसा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

इस्तांबुल में सैकड़ों में लोगों ने इजराइली वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया।

इजराइल ने कब्जे में लिया फ्लोटिला, ग्रेटा थनबर्ग और यूरोपीय सांसदों के निर्वासन की तैयारी

दीर अल बलाह। गाजा के इजराइली घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे जहाजों के समूह (फ्लोटिला) को इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसमें सवार जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग तथा कई यूरोपीय सांसदों के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए उन्हें इजराइल ले जाया जा रहा है। 'द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' नामक इस काफिले में लगभग 50 छोटे जहाज शामिल हैं, जिन पर करीब 500 लोग सवार हैं। यह काफिला गाजा के घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा था, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य सामग्री और दवाइयां शामिल हैं।

गाजा पट्टी में गोलीबारी 57 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा पट्टी में इजराइली हमले में 57 फिलिस्तीनी मारे गए। इजराइल ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब हमास ने युद्ध को समाप्त कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है। ट्रंप की योजना के तहत हमास को सभी बंधकों को वापस करना होगा और लड़ाई समाप्त करने के बदले में सत्ता छोड़नी होगी।

लॉस एंजिलिस के पास शेवरॉन रिफाइनरी में लगी भीषण आग

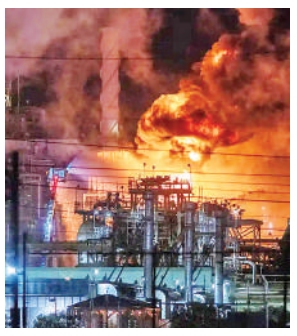

एल सेगुंडो। अमेरिका के लॉस एंजिलिस के पास स्थित शेवरॉन तेल रिफाइनरी में बृहस्पतिवार की रात भीषण आग लग गई, जिससे ऊंची लपटें उठीं जो मीलों दूर से भी दिखायी दे रही थीं। कैलिफोर्निया के एल सेगुंडो में अधिकारियों ने लोगों से घर के अंदर रहने का आग्रह किया।

कंपनी ने देर रात एक बयान में कहा था कि शेवरॉन एल सेगुंडो रिफाइनरी में लगी आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। उसने बताया कि निगरानी प्रणाली से पता चला है कि आग रिफाइनरी परिसर से बाहर नहीं फैली। हालांकि, बयान में आग लगने की वजह नहीं बतायी गयी। एल सेगुंडो पुलिस और दमकल विभागों ने भी तुरंत इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी यूक्रेन को क्रूज मिसाइलें दीं तो बिगड़ जाएंगे रूस से संबंध

मॉस्को, एजेंसी

- कहा- मिसाइलें देकर भी नहीं बदल पाएंगे शक्ति संतुलन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें उपलब्ध कराने से युद्धक्षेत्र की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आएगा लेकिन इससे मॉस्को और वाशिंगटन के बीच संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।

पुतिन ने सोची में काला सागर रिसॉर्ट में विदेश नीति के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक मंच पर कहा कि कीव को अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की संभावित आपूर्ति नए स्तर के टकराव का संकेत होगी, जिसमें रूस और अमेरिका के बीच के संबंध भी शामिल हैं। रूसी नेता ने कहा कि अगर टॉमहॉक मिसाइलें यूक्रेन को दी जाती हैं तो भले ही वे रूस को नुकसान पहुंचाएंगी, लेकिन रूसी हवाई रक्षा प्रणाली नए खतरे का जल्द ही मुकाबला कर लेगी। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से युद्धक्षेत्र में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगा।

उन्होंने कहा कि रूसी सेना लगातार यूक्रेन के खिलाफ बढ़त बना रही है। जब उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को 'कागजी शेर' कहे जाने के बारे में पूछा गया क्योंकि वह तीन साल से ज्यादा वक्त से जारी युद्ध के बाद भी यूक्रेन को पराजित नहीं कर सकता तो पुतिन ने तर्क दिया कि रूस का सामना केवल यूक्रेन से नहीं, बल्कि पूरे नाटो गठबंधन से है। इसके साथ ही पुतिन ने अलास्का में ट्रंप के साथ हुई शिखर बैठक की सराहना की और परमाणु संधि के विस्तार का प्रस्ताव दोहराया। उन्होंने कहा, यह अच्छा था कि हमने यूक्रेनी संकट को सुलझाने के संभावित रास्ते खोजने और तलाशने का प्रयास किया।

सारा 105 पुरुषों के बाद कैंटरबरी की पहली महिला आर्कबिशप

लंदन, एजेंसी

- दुनिया के 8.5 करोड़ एंग्लिकनों का करेंगी नेतृत्व, कई चुनौती भी

लंदन की बिशप सारा मौलली को शुक्रवार को कैंटरबरी का आर्कबिशप नियुक्त किया गया। यह पहली बार है जब किसी महिला को 'चर्च ऑफ इंग्लैंड' का आध्यात्मिक नेता चुना गया है।

मौलली को महिलाओं और एलजीबीटीक्यू लोगों के साथ व्यवहार को लेकर चर्च के भीतर मौजूद मतभेदों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, उन्हें इस चिंता का भी समाधान करना होगा कि चर्च के नेता पिछले एक दशक से चर्च की परेशानी का सबब बने यौन शोषण घोटालों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा पाए हैं। वह 105 पुरुषों के बाद दुनिया भर में 8.5 करोड़ एंग्लिकनों का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई हैं। वह पूर्व आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी का स्थान लेंगी, जिन्होंने पिछले वर्ष नवंबर में इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि एक स्वतंत्र जांच में पाया गया था कि ईसाई ग्रीष्मकालीन शिविरों में एक स्वयंसेवक द्वारा शारीरिक और यौन दुर्व्यवहार के बारे में पता चलने पर भी उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी थी।

संदिग्ध ड्रोन मंडराने के बाद अस्थाई रूप से बंद किया गया म्यूनिख का हवाई अड्डा

म्यूनिख, एजेंसी

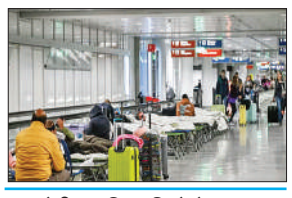

- यूरोपीय अधिकारियों ने रूस का हाथ होने की जताई आशंका

म्यूनिख हवाई अड्डे के आसपास संदिग्ध ड्रोन मंडराने के बाद उसे बृहस्पतिवार देर रात अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के हवाई क्षेत्र में यह नवीनतम रहस्यमय ड्रोन उड़ान है। हालांकि इस बारे में अभी कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल सका है। अधिकारियों ने रूस का हाथ होने की आशंका जताई है।

हवाई अड्डा संचालकों ने एक बयान में कहा कि जर्मनी के हवाई यातायात नियंत्रण ने रात 10 बजे के बाद हवाई अड्डे पर उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया और फिर उन्हें पूरी तरह से रोक दिया। 17 उड़ानें रवाना नहीं हो सकीं, जिससे लगभग 3,000 यात्री प्रभावित हुए, जबकि 15 आने वाली उड़ानों को जर्मनी के तीन अन्य हवाई अड्डों तथा ऑस्ट्रिया के वियना के एक हवाई अड्डे पर भेज दिया गया।

म्यूनिख हवाई अड्डे पर जर्मनी की संघीय पुलिस के प्रवक्ता स्टीफन बायर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे हवाई अड्डे से उड़ानों का परिचालन फिर शुरू हो गया। अधिकारी तत्काल इस बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाए कि इस तरह की घटनाओं के पीछे किसका हाथ है। बायर ने बताया कि हवाईपट्टी बंद होने के बाद संघीय पुलिस ने ड्रोन का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर और अन्य साधन तैनात किए, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। जर्मन समाचार एजेंसी 'डीपीए' की खबर के अनुसार, फंसे हुए सैकड़ों यात्रियों ने टर्मिनल में रखी गई कुर्सियों पर रात बिताई या उन्हें होटलों में ले जाया गया और उन्हें कंबल तथा खाने-पीने के सामान वितरित किए गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

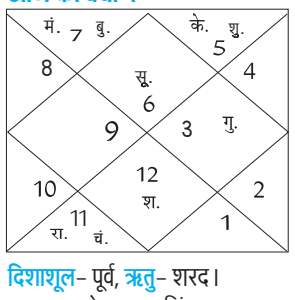

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज घर का वातावरण बहुत ही शांत रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई पर अत्यधिक ध्यान देंगे। बच्चों से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। समय पर सारे कार्य पूर्ण हो जायेंगे। व्यापार में बड़े अनुबंध और ऑर्डर मिलने की प्रबल संभावना है।

वृष — आज भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वभाव में चंचलता का भाव रहेगा। कारोबार में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं। शुभ कार्यों में अत्यधिक धन खर्च कर सकते हैं। कला की ओर आप आकर्षित रहेंगे। रुके हुए कार्य पुन: प्रारम्भ होंगे।

मिथुन — आज जीवनसाथी के साथ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। बॉस आपके प्रमोशन को लेकर चर्चा कर सकते हैं। जॉब में अचानक स्थानांतरण होने की संभावना बन रही है। ऑफिस के माहौल में थोड़ी कड़वाहट हो सकती है।

कर्क — आज सहकर्मियों के साथ व्यवहार खराब न करें। किसी पारिवारिक सदस्य से झगड़ा हो सकता है। अनैतिक कार्यों से धन कमाने का प्रयास न करें। बातचीत के दौरान सही शब्दों का चयन करें। धार्मिक यात्रा में कठिनाई हो सकती है।

सिंह — आज जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितायेंगे। मेहनत का लाभ मिलने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रखें। येन-केन प्रकारेण अपना काम बना ही लेंगे। शाम के समय कुछ परेशान रहेंगे। पूरी एकाग्रता से साथ सभी काम करें।

कन्या — आज कारोबार में बड़े समझौते कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। एकांत में आपको समय अवश्य बिताना चाहिए। पिता के कार्यों में आप सहयोग देंगे। पिछले काफी समय से जिस कार्य में फंसे थे, वह आज पूर्ण हो सकता है।

तुला — आज ऑफिस का वातावरण बहुत ही शांत और सहयोगात्मक रहेगा। किसी दूसरे व्यक्ति की सलाह को अधिक महत्व न दें। लेकिन लोग आपकी सलाह से लाभान्वित होंगे। व्यवसाय में आपको मैनेजमेंट दुरुस्त करना होगा। ऑनलाइन शॉपिंग में छूट मिल सकती है।

वृश्चिक — आज वैवाहिक संबंधों में अनबन हो सकती है। काम को लेकर यात्रा करनी पड़ सकती है। मन में उलझनों का अंबार रहेगा। क्रोध में आकर प्रतिक्रिया देने से बचें। परिजनों के साथ डिनर पर जा सकते हैं। तकनीक शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को पढ़ाई में परेशानी होगी।

धनु — आज आप नए कार्यों में अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। सरकारी अधिकारियों को प्रमोशन मिल सकता है। बेरोजगार लोग यदि प्रयास करें तो जॉब मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में आपसी सामंजस्य बढ़ेगा। परिवार में एकता का वातावरण रहेगा।

मकर — आज सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को थोड़ी परेशानी होगी। गैस और कब्जियत की शिकायत हो सकती है। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उपलब्धियों पर अधिक अहंकार न करें। महिलाओं को शॉपिंग करते समय सावधानी रखनी चाहिए।

कुंभ — आज आपके काम की सर्वत्र प्रशंसा होगी। व्यवहार में नरमी और सौम्यता का भाव रखें। व्यापार की परेशानियों का निवारण होगा। अनुभवी लोगों से आपको मार्गदर्शन मिलेगा। प्रियजनों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बितायेंगे।

मीन — आज आपको किसी से झूठ नहीं बोलना चाहिए। पैरों में सूजन और दर्द की शिकायत हो सकती है। छोटी-मोटी बातों को नजरअंदाज न करें। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में थोड़ी परेशानी होगी। घरेलू सामान की खरीदारी कर सकते हैं।

सुडोकू-119

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		2			4		
	7			1	6			5
			5					3
		5				9		
	3	7				2	4	
1		4				6		
7			3		5		9	
2			1	4			7	
		6			9		8	

सुडोकू - 118 का हल

3	8	4	7	2	5	6	9	1
6	5	2	1	3	9	4	7	8
9	7	1	4	6	8	5	3	2
4	6	7	3	5	1	8	2	9
8	3	9	2	4	7	1	6	5
1	2	5	9	8	6	7	4	3
5	4	8	6	9	2	3	1	7
7	9	3	8	1	4	2	5	6
2	1	6	5	7	3	9	8	4

अब हर प्रतियोगिता वर्ष 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की मेरी तैयारी का हिस्सा है। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल उस यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव होंगे।

–मीराबाई चानू

स्टेडियम

कानपुर, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पुरुष एकल खिताब के लिए भिड़ेंगे मनीष व कीर्तिवासन

नई दिल्ली : मनीष सुरेशकुमार और कीर्तिवासन सुरेश शुक्रवार को फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल जीतने के बाद पुरुष एकल फाइनल में आमने-सामने होंगे जबकि महिला वर्ग का फाइनल वैष्णवी अडकर और आकांक्षा निटुरे के बीच होगा। तमिलनाडु के मनीष ने सेमीफाइनल में चौथे वरीय इशाक इकबाल को 1-6, 6-1, 6-1 से मात दी जबकि कीर्तिवासन ने चार घंटे 10 मिनट तक चले मैराथन सेमीफाइनल में मैडविन कामथ को 7-6(3), 3-6, 6-4 से हराया। महिला एकल में महाराष्ट्र की शीर्ष वरीय वैष्णवी ने अंतिम चार मुकाबले में कर्नाटक की चौथी वरीयता प्राप्त सोहा सादिक को 6-1, 6-0 से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त आकांक्षा ने मणिपुर की जेनिफर लुईखम पर 3-6, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की।

रेलवे और इंडियन ऑयल के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली : सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय हाकी चैंपियनशिप के फाइनल में रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच खिताबी भिड़ंत होगी आज यहां शिवाजी स्टेडियम में पांचवीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के पहले सेमीफाइनल मैच में, रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने भारतीय खेल प्राधिकरण को 3-1 से हराया। रेलवे के लिए लालरेम्सियामी ने (सातवें), नवनीत कौर ने (39वें) मिनट और वंदना कटारिया ने (50वें) मिनट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक-एक गोल दागकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया।

फीफा ने विश्व कप आधिकारिक मैच बॉल का किया अनावरण

मास्को : अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने विश्वकप 2026 के लिए 'अगले साल के मेजबान देशों की एकता और जुनून' दर्शाने वाले मैच बॉल का आधिकारिक अनावरण किया। इस अवसर फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि फीफा विश्व कप 2026 के लिए आधिकारिक मैच बॉल आ गई है और यह बेहद खूबसूरत है। मुझे ट्रायोंडा को प्रस्तुत करते हुए खुशी और गर्व हो रहा है। एडिडास ने एक और प्रतिष्ठित फीफा विश्व कप बॉल बनाई है, जिसका डिजाइन अगले साल के मेजबान देशों कनाडा, मेक्सिको और अमेरिका की एकता और जुनून को दर्शाता है। इन्फेंटिनो ने कहा कि आगामी टूर्नामेंट 'अब तक का सबसे शानदार फीफा विश्व कप' होगा।

कीनिया व जापान के कोच को आवारा कुत्तों ने काटा

नई दिल्ली : विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान शुक्रवार को अलग अलग घटनाओं में कीनियाई कोच डेनिस माराजिया व जापान की कोच मेइको ओकुमत्स को आवारा कुत्तों ने काट लिया। हालांकि करीबी अस्पताल में इलाज के बाद दोनों कोच खतरे से बाहर हैं। बताया गया कि दोनों कोच जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा परिसर में खिलाड़ियों के साथ थे। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में दो कॉल रूम हैं और मुख्य प्रतिस्पर्धा परिसर से कुछ मीटर की दूरी पर हैं। आयोजकों ने बताया कि दोनों प्रशिक्षकों को तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई और उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में निषाद कुमार व सिमरन शर्मा ने जीते स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

निषाद कुमार ने ऊंची कूद और सिमरन शर्मा ने 100 मीटर दौड़ में अपना पहला विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता। जिससे भारत शुक्रवार को यहां चार पदक जीतकर चौथे स्थान पर पहुंच गया। प्रीति पाल और परदीप कुमार ने क्रमशः 200 मीटर और चक्का फेंक में कांस्य पदक जीते। इन चार पदकों की बदौलत भारत तालिका में सातवें स्थान से तीन पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गया। भारत के अब कुल छह स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक हैं।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद तिरंगा फहराते निषाद कुमार।

कुछ इस अंदाज में दिखीं स्वर्ण पदक विजेता सिमरन शर्मा।

प्रतियोगिता में अब दो दिन बचे हैं और मेजबान टीम कोबे 2024 (जापान) में हासिल किए गए अपने सर्वश्रेष्ठ 17 पदकों के प्रदर्शन को और बेहतर करने की ओर बढ़ रही है। ब्राजील 12 स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। उसके बाद चीन (9-16-13) और पोलैंड (8-2-5) काबिज हैं।

दिल्ली की सिमरन ने महिलाओं की 100 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में 11.95 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय से भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता। यह इस स्पर्धा का उनका पहला खिताब था। उन्होंने जापान में हुए पिछले पैरालंपिक खेलों में 200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण और 2024 पैरालंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह यहां भी 200 मीटर स्पर्धा में हिस्सा लेंगी। टी12 वर्ग में दृष्टि संबंधित विकारों वाले एथलीट हिस्सा लेते हैं। सिमरन ने अपने गाइड उमर सैफी के साथ दौड़ लगाई। महिलाओं की 200 मीटर टी35 फाइनल में प्रीति ने 30.03 सेकेंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए चीन की गुओ कियानकियान (29.50 सेकेंड) और इराक की फातिमा सुवेद (30.00 सेकेंड) से पिछड़ने के बाद कांस्य पदक जीता। पुरुषों की चक्का फेंक एफ64 में परदीप ने 46.23 मीटर से सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए कांस्य पदक जीता। क्रोएशिया के इवान कटानुसिक ने 55.12 मीटर के थ्रो स्वर्ण पदक जबकि अमेरिका के मैक्स रोहन ने 50.92 मीटर से रजत पदक जीता।

यूपी योद्धाज को हराकर दबंग दिल्ली शीर्ष स्थान पर

चेन्नई। दबंग दिल्ली केसी ने शुक्रवार को यहां यूपी योद्धाज के खिलाफ 43-26 की दबदबे भरी जीत से प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) तालिका में शीर्ष स्थान पर वापसी की। दिल्ली की टीम के लिए आशु मलिक ने सुपर 10 जबकि फजल अत्राचली ने चार टैकल अंक जुटाए। पहले हाफ में दबंग दिल्ली ने 17-13 से बढ़त बनाई हुई थी और अंत में जीत दर्ज करने में कामयाब रही। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में एक से बढ़कर एक टीमें हैं। इन टीमों में ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाए हुए हैं।

जुरेल, जडेजा व राहुल ने जड़ा शतक भारत ने वेस्टइंडीज पर कसा शिकंजा

टीम इंडिया ने पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन का खड़ा किया स्कोर

अहमदाबाद, एजेंसी

विकेटकीपर ध्रुव जुरेल (125), हरफनमौला रविंद्र जडेजा (नाबाद 104) और सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (100) की शतकीय पारियों से भारत ने दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रन पर सिमटी थी। भारत ने पांच विकेट शेष रहते 286 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस दिया। पिच पर गेंदबाजों के पैर वाले निशान से स्पिनरों को मिल रहे असामान्य उछाल को देखते हुए वेस्टइंडीज के लिए अब पारी की हार को टालना भी मुश्किल होगा।

दिन का खेल खत्म होते समय जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर (नौ रन) क्रीज पर मौजूद थे। जुरेल ने भारतीय पारी के 116वें ओवर में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज के खिलाफ चौके के साथ 190 गेंद में टेस्ट करियर का अपना पहला शतक पूरा किया तो वहीं शानदार लय में चल रहे जडेजा ने इसके 10 ओवर बाद वारिकन के खिलाफ एक रन चुरा कर 168 गेंद में अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ प्रथम श्रेणी मुकाबले में 140 रन बनाने वाले जुरेल ने 210 गेंद की पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। जडेजा ने थोड़ी तेजी से बल्लेबाजी करते हुए अब तक 176 गेंद की पारी छह चौके और पांच बड़े छक्के लगा चुके हैं। दोनों ने दिन के दूसरे और तीसरे सत्र में पूरी तरह से हावी होते हुए

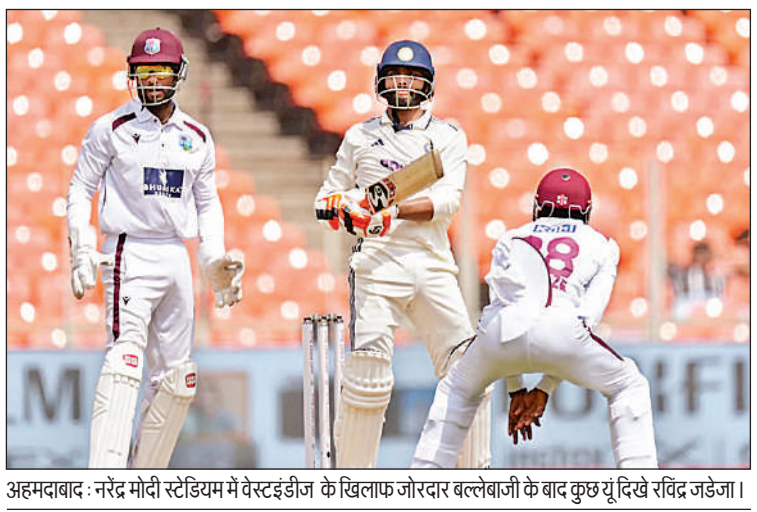

अहमदाबाद : नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोरदार बल्लेबाजी के बाद कुछ यूं दिखे रविंद्र जडेजा।

पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी कर मैच में वेस्टइंडीज के लिए वापसी के रास्ते को लगभग बंद कर दिया। जुरेल ने शतक पूरा करने के बाद आक्रामक रूख अपनाया। वह खारे पियरे की गेंद पर विकेटकीपर शाई होप को कैच देकर आउट हुए। पियरे के टेस्ट करियर का यह पहला विकेट है। इससे पहले कप्तान शुभमन गिल (100 गेंदों पर 50 रन) और लोकेश राहुल (197 गेंदों पर 100 रन) व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल करने के तुरंत बाद आउट हो गए।

राहुल ने घरेलू सरजमीं पर नौ साल के सूखे को खत्म करते हुए अपना दूसरा और करियर का 11वां टेस्ट शतक जड़ा। राहुल ने 197 गेंद की पारी में 12 चौके जड़े है। घरेलू सरजमीं पर राहुल ने इससे पहले 2016 अपना पहला शतक जड़ा था। उन्होंने तब इंग्लैंड के खिलाफ 199 रन की पारी खेली थी। दूसरे सत्र के शुरुआती ओवर में ही राहुल के आउट होने के बाद जुरेल ने भारतीय पारी का पहला छक्का लगाया। इसके कुछ देर के बाद जडेजा ने जोमेल वारिकन के खिलाफ दो छक्के जड़े अपने तेवर दिखाये। वारिकन ने गेंदबाजों के पैर से बने पिच के खुरदुरे हिस्से पर गेंद को टप्पा खिलाकर बल्लेबाजों को परेशान करने की रणनीति अपनाई लेकिन इस जोड़ी ने कदमों के इस्तेमाल के साथ उनकी योजना को कारगर नहीं होने दिया। दोनों ने बड़ा शॉट खेलने का कोई भी मौका जाया नहीं किया। इस दौरान गेंद को क्षेत्ररक्षकों से दूर रख कर रन भी चुराते रहे। भारतीय टीम ने दिन की शुरुआत दो विकेट 121 रन से की। राहुल ने कप्तान गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी कर भारत को बढ़त दिला दी। शानदार लय में चल रहे गिल अर्धशतक पूरा करने के बा चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। राहुल ने एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी की और दिन की शुरुआत में उन्हें भाग्य का भी साथ मिला जब सील्स की गेंद विकेटकीपर और पहली स्लिप के बीच से निकल गयी।

राहुल और गिल ने इसके बाद कोई गलती किये बिना आसानी से रन बनाये। दोनों ने अच्छी गेंदों को रक्षात्मक खेल के साथ सम्मान दिया तो वहीं लचर गेंदों के खिलाफ रन बनाये। भारतीय पारी के 46वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स के खिलाफ दोनों ने चौके जड़ टीम के स्कोर को 150 रन के पार पहुंचा दिया।

वेस्टइंडीज

पहली पारी : 162 रन

भारत

पहली पारी

यशस्वी जायसवाल का होप बो सील्स	36
लोकेश राहुल का ग्रीव्स बो वारिकन	100
साई सुदर्शन पगबाधा चेज	07
शुभमन गिल का ग्रीव्स बो चेज	50
ध्रुव जुरेल का होप बो पियरे	125
रविंद्र जडेजा खेल रहे हैं	104
वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं	09
अतिरिक्त :	17

- **कुल योग :** 128 ओवर में पांच विकेट पर : 448 रन विकेट पतन : 1-68, 2-90, 3-188, 4-218, 5-424।
- **गेंदबाजी :** सील्स 19-2-53-1, लायने 15-0-38-0, ग्रीव्स 12-4-59-0, वारिकन 29-5-102-1, पियरे 29-1-91-1, चेज 24-3-90-2।

गुवाहाटी के एसीए, बरसपारा स्टेडियम में इंग्लैंड की बल्लेबाज एमी जोंस को जीत की बधाई देती दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटर।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से रौंदा

गुवाहाटी, एजेंसी

लिंसे स्मिथ की अगुआई में अपने स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां आईसीसी महिला वनडे विश्व कप मैच में दक्षिण अफ्रीका को दस विकेट से हराकर अपने अभियान की जबर्दस्त शुरूआत की। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 69 रन पर आउट करके ही परिणाम लगभग तय कर दिया था। स्मिथ ने सात रन देकर तीन विकेट लिये। यह दक्षिण अफ्रीका का महिला विश्व कप इतिहास में दूसरा न्यूनतम स्कोर था। जवाब में इंग्लैंड ने 14 . 1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया । सलामी बल्लेबाज एमी जोंस ने 40 और टैमी ब्यूमोंट ने 21 रन का योगदान दिया । इससे पहले इंग्लैंड के लिए स्मिथ के अलावा कप्तान नेट स्किवर ब्रंट (पांच रन देकर दो विकेट), सोफी एक्लेस्टोन (19 रन देकर दो विकेट) और चार्ली डीन (14 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट झटके। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 20.4 ओवर में ढेर हो गई, उसके लिए विकेटकीपर बल्लेबाज सिनाओ जाफ्टा (22 रन) ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकीं।

पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला करने वाली इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में ही स्मिथ को गेंद थमा दी जिसका फल उसे तुरंत ही मिल गया। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट को आउट कर दिया। फिर स्मिथ ने चौथे ओवर में टैजमिन ब्रिट्स को और छठे ओवर में अनुभवी मारिजाने काप को बोल्ड कर दिया। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस का विकेट झटका जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम छह ओवरों में 19 रन पर चार विकेट गंवाकर मुश्किल में थी और इन झटकों से टीम उबर ही नहीं सकी। मजबूत बल्लेबाजों के लगातार आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम पर काफी दबाव आ गया था।

नार्वे : विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली स्टार भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू।

मीराबाई चानू ने जीता रजत पदक

फोर्डे (नॉर्वे), एजेंसी

स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया, जहां वह पहले भी दो बार पदक जीत चुकी हैं। चानू 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता हैं, उन्होंने कुल 199 किग्रा (स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा) वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक चानू ने 109 किग्रा, 112 किग्रा और 115 किग्रा भार आसानी से उठाया। पिछली बार उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में 115 किग्रा भार उठाया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था।

चानू ने कहा कि मैं पोडियम पर जगह पाकर खुश हूं। अगस्त में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में मेरे पिछले प्रदर्शन के बाद इससे मुझे आने वाले वर्ष के लिए बहुत आत्मविश्वास मिला है। अब हर प्रतियोगिता 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की मेरी तैयारी का हिस्सा है। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल उस यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव होंगे। मेरा ध्यान कड़ी मेहनत करने, हर प्रतियोगिता से सीखने और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है।

मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में चानू का पोडियम पर पहुंचना उनकी निरंतरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उनके करियर के एक बेहद अहम दौर की शुरुआत है क्योंकि अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से पहले उनके लिए अहम परीक्षा होंगे।

दबाव से निपटने में भारतीय महिला क्रिकेट टीम सक्षम

नई दिल्ली : पूर्व विकेटकीपर सबा करीम का मानना है कि हाल में हुए एशिया कप विवाद का कोलंबो में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी विश्व कप मैच में किसी भी दबाव में नही आएगी। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत कौर की टीम बाहरी चर्चाओं से लेकिन चिंतित नहीं होगी। एशिया कप के दौरान भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की तरह ही हरमनप्रीत और उनकी टीम कोलंबो में आईसीसी वनडे महिला विश्व कप में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाएगी।

इस वर्ष की उपलब्धि — भारत के बल्लेबाज केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने एक ही पारी में जड़े शतक

तीसरी बार तीन बल्लेबाजों ने एक ही पारी में बनाए शतक

अहमदाबाद, एजेंसी

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत ने एक नई उपलब्धि उस समय हासिल की जब उसके तीन बल्लेबाजों 'केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने एक ही पारी में शतक जड़े। इस वर्ष में तीसरी बार है जब भारतीय बल्लेबाजों ने यह कारनाम किया है।

घरेलू धरती पर वर्षों की निराशा के बाद राहुल को आखिरकार राहत मिली। 64.5वें ओवर में जब उन्होंने रोस्टन चेज की गेंद पर झुककर उसे मिड-विकेट के ऊपर से खेला और राहत और खुशी के मिश्रण के साथ अपना बल्ला उठाया। यह उनका 11वां टेस्ट शतक था, लेकिन घरेलू मैदान पर उनका केवल दूसरा शतक था - पिछला शतक 2016 में लगा था। हेलमेट उतारकर, बैज चूमकर, राहुल के जश्न ने लगभग एक दशक के इंतजार के बाद बोझ हल्का होने का संकेत दिया। उसके बाद ध्रुव जुरेल का शतक के शतक ने भारत को दूसरी खुशी दी।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में चूकने के बाद, इस युवा विकेटकीपर को आखिरकार अपना पल मिल ही गया। भारत के लिए, यह इस साल किसी नामित विकेटकीपर द्वारा लगाया गया तीसरा शतक भी था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक बनाने के बाद कुछ इस अंदाज में दिखे ध्रुव जुरेल, केएल राहुल, और रवींद्र जडेजा।

पाटीदार की कोशिश बेकार, विदर्भ ने 224 रन की बढ़त से शिकंजा कसा

नागपुर, एजेंसी

ईरानी ट्रॉफी

रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ ने शुक्रवार को यहां शेष भारत के खिलाफ ईरानी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे दिन मजबूत बल्लेबाजी की बदौलत अपनी कुल बढ़त 224 रन की करके मैच पर शिकंजा कस दिया। पहली पारी में 342 रन बनाने के बाद विदर्भ ने शेष भारत को पहली पारी में 69.5 ओवर में महज 214 रन पर ढेर कर 128 रन की अहम बढ़त हासिल की।

विदर्भ ने तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 96 रन बना लिए हैं जिससे उसकी कुल बढ़त 224 रन की हो गई और मैच में अभी पूरे दो दिन बाकी हैं। तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने विदर्भ की गेंदबाजी की अगुआई करते हुए 66 रन देकर चार विकेट चटकाए। बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ रेखाड़े (14 रन देकर दो विकेट) और ऑलराउंडर हर्ष दुबे (58 रन देकर दो विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया जबकि आदित्य ठाकरे और दर्शन नालकांडे को एक-एक विकेट मिला।

शेष भारत ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 142 रन से की और तब वह 200 रन से पीछे था। कप्तान रजत पाटीदार पर उम्मीदें टिकीं थीं। लेकिन विदर्भ ने पहली ही गेंद पर मानव सुतार को पगबाधा आउट कर दिया। रात के 42 रन से आगे खेल रहे पाटीदार हालांकि डटे रहे और अर्धशतक पूरा किया जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। ठाकुर ने सारांश जैन (10) को आउट किया। ठाकुर ने पुरानी गेंद बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 16.5 ओवर में 66 रन देकर चार विकेट लिए। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 10 गेंद में तीन चौके लगाकर तेजी से खेलने की कोशिश की। लेकिन ठाकुर की शॉर्ट पिच गेंद ने उनकी पारी समाप्त की। दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे और पाटीदार अंत में 66 रन (125 गेंद, 10 चौके) बनाकर आउट हो गए। तब टीम का स्कोर नौ विकेट पर 191 रन हो गया। गुरनूर बरार (13) का आखिरी विकेट भी ठाकुर ने झटका जो उनका चौथा शिकार बने। पाटीदार के अलावा सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने 52 रन की पारी खेली। यश ढुल (11), रुतुराज गायकवाड़ (नौ रन), ईशान किशन (एक रन) ने सबसे ज्यादा निराश किया।